राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 49
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 03 सितंबर 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 दिल्ली में शराब दुकानों की संख्या बढ़कर होगी 500, अब तक 370 से अधिक खुल चुकी हैं दुकानें | पेज 5 बाहुबली विजय मिश्रा की तीन करोड़ से ज्यादा की संपत्ति की गई जब्त, जबरिया खरीदी गई थी जमीनें | पेज 7 गोर्बाचेव के अंतिम संस्कार में भी नहीं जाएंगे पुतिन, राजकीय सम्मान भी नहीं; मानते हैं सोवियत विघटन का विलेन

सिक्योरिटी गार्ड्स का सीरियल किलर गिरफ्तार

एम के सागर और भोपाल में 6 दिन में 4 गार्ड्स को मारा

एजेंसी

भोपाल/सागर। मध्य प्रदेश के भोपाल में सिक्योरिटी गार्ड्स का सीरियल किलर गिरफ्तार हुआ है। यह सागर में और भोपाल में 6 दिन में 4 सिक्योरिटी गार्ड्स का मर्डर कर चुका है। पूछताछ में आरोपी ने पुणे में भी एक गार्ड पर जानलेवा हमले की बात कही है। आरोपी ने बताया कि वह फिल्मचत्रस्त्र-2 के किरदार रॉकी भाई से प्रभावित है और सिक्योरिटी गार्ड्स को मारने के मिशन पर है। वह ऐसे सिक्योरिटी गार्ड्स को टारगेट करता था जो ड्यूटी पर सोते थे।

आरोपी का नाम शिव गोंड है। वह 8वीं तक पढ़ा-लिखा है और गोवा में नौकरी कर चुका है। आरोपी अंग्रेजी भी बोल लेता है। उसने बताया कि वह चत्रस्त्र-2 फिल्म के रॉकी भाई की तरह गैंगस्टर बनना चाहता था और इसके लिए रुपए जमा कर रहा था। आगे उसकी योजना पुलिस वालों को निशाना बनाने की थी। ऐसा करके वह फेमस होना चाहता था। आरोपी से बंद चैम्बर में पूछताछ की जा रही है।

मोबाइल लोकेशन की ट्रेसिंग से पकड़ा गया

आरोपी सागर के केसली का रहने वाला है। पुलिस ने आरोपी सीरियल किलर को मोबाइल लोकेशन ट्रेस करके भोपाल के लालघाटी इलाके से पकड़ा। जिस मोबाइल के जरिए पुलिस आरोपी तक पहुंची, वह मोबाइल उसी सिक्योरिटी गार्ड का था, जिसकी हत्या पिछले हफ्ते आरोपी ने सागर में की थी।

गुजरात के अंबाजी में बड़ा हादसा

माता के दर्शन के लिए पैदल जा रहे 14 श्रद्धालुओं को कार ने कुचला, 7 की मौत; 6 की हालत गंभीर

अहमदाबाद। गुजरात के अंबाजी में शुक्रवार सुबह हुए सड़क हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई। एक तेज रफ्तार कार ने अंबाजी माता दर्शन करने जा रहे 14 श्रद्धालुओं को कुचल दिया। इनमें 7 की मौत हो गई, जबकि 6 की हालत गंभीर है। घायलों को मोडासा के सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सभी मृतक व घायल पंचमहाल जिले के रहने वाले हैं।

कार के खंभे से टकराने से कई बचे

हादसे में बचे श्रद्धालुओं ने बताया कि कार बहुत स्पीड में सामने से आ रही थी। इसी दौरान कार अनियंत्रित

हो गई और पैदल जा रहे श्रद्धालुओं की भीड़ में आ पहुंची। 14 लोग कार की चपेट में आए। इसके बाद कार सड़क किनारे बिजली के खंभे से टकरा गई। अगर कार खंभे से नहीं टकराती तो उसकी चपेट में और 10-12 से अधिक श्रद्धालु आते।

लगातार 20 घंटे से कार चला रहा था ड्राइवर

हादसे में 7 लोगों की जान लेने वाली इनोवा कार का ड्राइवर 20 घंटे से लगातार गाड़ी चला रहा था। वह पुणे से उदयपुर जा रहा था और नींद पूरी न होने के चलते उसे झोंका आ गया। उसकी यही गलती इस बड़े हादसे की वजह बनी। हादसे के बाद चालक को भी इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसने खुद डॉक्टर को यह बात बताई।

मृतकों के परिवार को 4 लाख रुपए की सहायता

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मृतकों के परिजनों को 4 लाख रुपए की सहायता की घोषणा करते हुए संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा कि अरावली जिले के मालपुर के पास अंबाजी दर्शन के लिए पैदल यात्रियों की घटना अत्यंत दुखद है। हादसे में जान गंवाने वाले तीर्थयात्रियों के परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं। राज्य सरकार मृतकों के परिवार को 4 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए की मदद देगी।

सुप्रीम कोर्ट ने तीस्ता को जमानत दी

हाईकोर्ट में केस चलने तक पासपोर्ट सरेंडर करना होगा, आज होगी रिहाई

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात दंगों से जुड़े साजिश मामले में गिरफ्तार एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। शुक्रवार को चीफ जस्टिस यूयू ललित की बेंच में 1 घंटे 10 मिनट से ज्यादा देर तक सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस ने कहा- तीस्ता गिरफ्तारी के बाद से या तो रिमांड या कस्टडी में रहीं। उन्हें अब जेल में नहीं रखा जा सकता है।

कोर्ट ने आगे कहा- तीस्ता का मामला जब तक हाईकोर्ट के पास है, तब तक उन्हें अपना पासपोर्ट सरेंडर करना होगा। तीस्ता कल यानी शनिवार को कानूनी प्रक्रिया पूरी कर जेल से बाहर आ सकेंगी। 25 जून को

अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने तीस्ता को मुंबई से गिरफ्तार किया था। 30 जुलाई को निचली अदालत ने उनकी जमानत खारिज कर दी थी।

तीस्ता की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में लगातार 2 दिन तक सुनवाई चली। फैसला देने से पहले तीनों जज इन-कैमरा डिस्कस करने गए। 30 अगस्त को गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर तीस्ता की जमानत का विरोध किया था। सरकार ने कहा- तीस्ता के खिलाफ FIR न केवल सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर आधारित है, बल्कि सबूतों द्वारा समर्थित है।

अब तक की गई जांच में FIR को सही ठहराने के लिए उस सामग्री को रिकॉर्ड में लाया गया है, जो स्पष्ट करती है कि तीस्ता ने राजनीतिक, वित्तीय और अन्य भौतिक लाभ प्राप्त करने के लिए अन्य आरोपियों के साथ मिलकर साजिश रची।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद गुजरात पुलिस ने किया था गिरफ्तार

सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को क्लीन चिट देने वाली स्क्रूज रिपोर्ट के खिलाफ याचिका को 24 जून को खारिज कर दिया था। याचिका जकिया जाफरी ने दाखिल की थी। जकिया जाफरी के पति एहसान जाफरी की इन दंगों में मौत हुई थी।

पायलटों की हड़ताल से लुफ्थांसा की 800 फ्लाइट्स रद्द

दिल्ली एयरपोर्ट पर फंसे यात्रियों का हंगामा, कहा- किराया वापस दो या फिर जाने का इंतजाम करो

नई दिल्ली। जर्मनी की लुफ्थांसा एयरलाइंस के पायलट वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर शुक्रवार को एक दिन की हड़ताल पर हैं। इसके चलते एयरलाइंस का पूरा सिस्टम हिल गया है। दुनियाभर में आज लुफ्थांसा की 800 उड़ानों को रद्द किया गया है। इससे दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी 700 से ज्यादा यात्री फंसे हैं। फ्लाइट्स रद्द होने से यात्रियों ने एयरपोर्ट पर हंगामा किया, उनका कहना है कि हमारा किराया वापस करो या फिर जाने का इंतजाम करो।

दिल्ली से उड़ान भरने वाली दो फ्लाइट्स रद्द

फ्लाइट रद्द होने से गुस्साए यात्री हंगामा कर रहे हैं। इसके चलते एयरपोर्ट के अंदर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की गई है। दिल्ली एयरपोर्ट से

लुफ्थांसा एयरलाइंस की 2 फ्लाइट्स थीं, जिनमें करीब 400 यात्रियों को म्यूनिख और फ्रैंकफर्ट जाना था। पैसेजर्स का कहना है कि जब वे एयरपोर्ट पर पहुंचे तो उन्हें पता चला कि फ्लाइट्स ही रद्द हो गई है।

200 यात्रियों को दूसरी फ्लाइट से भेजा गया

लुफ्थांसा एयरलाइंस से यात्रा करने वाले यात्रियों में से कुछ छात्र भी हैं, जिन्हें एग्जाम देने के लिए विदेश जाना था। छात्रों का कहना है कि फ्लाइट्स रद्द होने से हमारा भविष्य खतरे में है। वे एयरपोर्ट पर नारेबाजी कर रहे हैं। हंगामा बढ़ने पर एयरलाइन ने करीब 200 यात्रियों को दूसरी एयरलाइन के जरिए उनके डेस्टिनेशन पर भेजा है। अभी 500 यात्री दिल्ली एयरपोर्ट पर फंसे हुए हैं।

वेतन बढ़ाने और महंगाई भत्ते की मांग कर रहे पायलट

पायलटों के यूनियन ने इस साल 5,000 से अधिक पायलटों के वेतन में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि और महंगाई भत्ते की मांग की है। जब उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो पायलटों ने एक दिन की हड़ताल कर दी। इससे पहले लुफ्थांसा को इस साल वेतन बढ़ाने के लिए सिक्योरिटी वर्कर्स और ग्राउंड स्टाफ की ओर से कई बार हड़ताल का सामना करना पड़ा है। जुलाई में एयरलाइन को जर्मनी की शक्तिशाली वर्डी यूनियन की ओर से बुलाए गए एक दिन के वाकआउट का सामना करना पड़ा था, जिससे फ्रैंकफर्ट और म्यूनिख में घरेलू केंद्रों पर इसकी उड़ानें प्रभावित हुई थी।

'योगी का सिर काटने वाले को 2 करोड़ का इनाम'

ये पोस्ट करने वाला अरेस्ट

मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सिर काटने वाले को दो करोड़ रुपये इनाम देने की घोषणा करने वाले संजू सैनी को मुरादाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

फेसबुक पर सीएम योगी का सिर काटने वाले को 2 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा करने वाला पकड़ लिया गया। मुरादाबाद एसएसपी हेमंत कुटियाल ने बताया, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले का नाम संजय शर्मा उर्फ संजय सैनी उर्फ संजू पुत्र देवेंद्र सैनी है

वह मुरादाबाद के लाइनपार इलाके में सूर्य नगर का रहने वाला है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार करके वो फोन भी बरामद कर लिया है, जिससे यह फेसबुक अकाउंट ऑपरेट किया जा रहा था। संजू सैनी ने ये सभी पोस्ट करने के लिए अपने पड़ोसी के

वाईफाई का प्रयोग किया था। पुलिस ने वो वाईफाई राउटर भी बरामद कर लिया है। शुक्रवार दोपहर बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है।

एसएसपी ने बताया, गिरफ्तारी के बाद संजू सैनी ने बताया है कि वह एक लड़की से प्यार करता था। वह उससे शादी करना चाहता था। लेकिन आत्मप्रकाश पंडित नाम का युवक प्रेमिका से उसकी शादी नहीं होने दे रहा था। इसलिए उसने आत्मप्रकाश पंडित को सबक सिखाने की ठानी।

आयुर्वेद छात्रों को शोध के लिए मिलेंगे 50 हजार रुपए

नयी दिल्ली। केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने भारतीय चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहन देने के लिए को आयुर्वेद स्नातक के छात्रों को 50 हजार रुपए की छात्रवृत्ति देने की घोषणा की है। सीसीआरएएस ने शुक्रवार को यहां कहा कि मान्यता प्राप्त संस्थान में अध्ययन कर रहे आयुर्वेद के छात्रों को यह वित्तीय मदद उपलब्ध होगी। आयुष मंत्रालय के विशेष सचिव प्रमोद कुमार पाठक ने राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग के अध्यक्ष वैद्य जयंत यशवंत देवपुजारी और प्रो. संजीव शर्मा की उपस्थिति में छात्रवृत्ति योजना और संबंधित पोर्टल का लोकार्पण भुवनेश्वर किया। परिषद रोमानिया, जर्मनी, इज़राइल, अमेरिका, कनाडा और विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रमुख शोध संस्थानों के सहयोग से अनुसंधान और विकास परियोजनाओं पर काम कर रही है 11 देशों में आयुर्वेद पीठ की स्थापना की है।

तेलंगाना : हैदराबाद में फिंगरप्रिंट सर्जरी गिरोह का खुलासा

खाड़ी देशों से निकाले गए दोषियों की उंगलियों के निशान बदलते थे, ताकि वे फिर वहां जा सकें

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के हैदराबाद में फिंगरप्रिंट सर्जरी गिरोह का खुलासा हुआ है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये लोग खाड़ी देशों से निकाले गए दोषियों के फिंगरप्रिंट में फेरबदल करते थे, ताकि वे फिर से वहां जाकर नौकरी कर सकें।

पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने केरल और राजस्थान में भी फिंगरप्रिंट पैटर्न बदलने के लिए ऐसी 11 सर्जरी की हैं। वे एक सर्जरी के लिए 25 हजार रुपए चार्ज करते थे। फिर से कुवैत जाने के लिए सर्जरी कराने वाले दो कंस्ट्रक्शन वर्कर्स को भी गिरफ्तार किया गया है।

अस्पताल में टेक्नीशियन का काम करते हैं आरोपी

आरोपियों के पास से सर्जरी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली मेडिकल किट और अन्य सबूत जब्त कर लिए गए हैं।

हैदराबाद के मलकाजगिरी जोन में 29 अगस्त को एक स्पेशल टीम ने ऑपरेशन चलाया और 4 लोगों को गिरफ्तार किया। ये लोग हैदराबाद के एक होटल में ठहरे थे। पता चला है कि वे घाटकेसर इलाके में और लोगों की सर्जरी करने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए आरोपियों में 36 साल का गजलकोंडुगरी नागा मुनेश्वर रेड्डी कडपा जिले के कृष्णा डायग्नोस्टिक्स में रेडियोलॉजिस्ट और एक्स-रे टेक्नीशियन है। वहीं, 39 साल का सागबाला वेंकट रमना तिरुपति के DBR अस्पताल में एनेस्थीसिया टेक्नीशियन है। बोविला शिव शंकर रेड्डी (25) और रेंडला रामा कृष्ण रेड्डी (38) कुवैत में कंस्ट्रक्शन वर्कर के तौर पर काम करते थे।

उंगलियों की ऊपरी परत को काटकर पैटर्न चेंज करते थे

पुलिस ने बताया कि सर्जरी के प्रोसेस में गजलकोंडुगरी और सागबाला उंगलियों की ऊपरी परत को काट देते थे। इसके बाद टिशू के हिस्से को हटा कर, उंगलियां सिल देते थे। एक या दो महीने में घाव भर जाता था। इसके बाद साल भर तक फिंगरप्रिंट पैटर्न में थोड़ा बदलाव हो जाता था।

सर्जरी करवा चुके लोग आधार में फिंगरप्रिंट अपडेट करवाते थे

सर्जरी करवा चुके लोग आधार कार्ड में अपनी उंगलियों के निशान अपडेट करवाते थे। इसके बाद नए पते के साथ कुवैत के फेश वीजा के लिए अप्लाई करते थे। इससे पहले साइबराबाद पुलिस ने एक गिरोह का भंडाफोड़ किया था। वह गिरोह पैसे निकालने के लिए पॉलिमर का इस्तेमाल करके उंगलियों के निशान की क्लोनिंग करता था।

आईएनएस विक्रांत | आईएनएस विक्रांत 75प्रतिशत स्वदेशी; नौसेना को नया ध्वज भी मिला, इससे ब्रिटिश निशान हटाया गया

नौसेना को मिला पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर

नई दिल्ली। नौसेना को शुक्रवार को अपना पहला स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर आईएनएस विक्रांत मिल गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोच्चि शिपयार्ड में करीब डेढ़ घंटे चली कमिशनिंग सेरेमनी में ये एयरक्राफ्ट कैरियर नेवी को सौंपा।

साथ ही एक और बड़ा बदलाव हुआ। नेवी को नया नौसेना ध्वज सौंपा गया। इसमें से अंग्रेजों की निशानी क्रॉस का लाल निशान हटा दिया गया है। अब इसमें तिरंगा और अशोक चिह्न है, जिसे क्रूमोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज को समर्पित किया।

पहली बात जो सुरक्षा को लेकर कहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा

कि आईएनएस विक्रांत 75प्रतिशत स्वदेशी; नौसेना को नया ध्वज भी मिला, इससे ब्रिटिश निशान हटाया गया विक्रांत भारत सरकार के डिफेंस सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाने की कोशिशों का उदाहरण है। आज भारत उन देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो अपनी तकनीक से ऐसे बड़े जहाज बना सकते हैं।

दूसरी बात जो भारतीय नौसेना पर कही

पीएम बोले कि हमें आज नौसेना का नया ध्वज भी मिला है। इसमें अंग्रेजों के सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटाकर छत्रपति शिवाजी महाराज के राजचिह्न को शामिल किया गया है। नौसेना के पास एक ऐसा युद्धपोत है, जो अपने आप में एक तैरता एयरफील्ड और शहर है।

इस पर बनने वाली बिजली से 5 हजार घर रोशन हो सकते हैं और इसमें लगे केबल तार अगर कोच्चि से शुरू हों तो कन्याकुमारी तक जाएं।

तीसरी बात जो देश को लेकर कही

पीएम ने कहा कि ये भारतीयों के लिए गर्व का मौका है। ये भारत की प्रतिभा का उदाहरण है। ये सशक्त भारत की शक्तिशाली तस्वीर है। विक्रांत विशाल है, ये खास है, ये गौरवमयी है। ये केवल वॉरशिप नहीं है। ये 21वीं सदी के भारत के कठिन परिश्रम, कौशल और कर्मठता का सबूत है। आज ड्डहस् विक्रांत ने भारतीयों को नए भरोसे से भर दिया है।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 6,168 नए मामलों की पुष्टि

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण (कोविड-19) के 6,168 नए मामले सामने आने संक्रमितों की कुल संख्या 4,44,42,507 हो गयी है और दैनिक संक्रमण दर 1.94 प्रतिशत है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 212.75 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में कोरोना महामारी से 19 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 527932 तक पहुंच गई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान 9,685 लोग मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल 4,38,55,365 लोग कोरोना से स्वस्थ हो चुके हैं।

स्वस्थ होने की दर 98.68 प्रतिशत है। सक्रिय मामलों का की दर 0.13 प्रतिशत है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 3,18,642 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.64 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

केरल में 314 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी कुल संख्या बढ़कर 9562 हो गयी है। इससे निजात पाने वालों की संख्या 6677023 हो गयी है। इस महामारी से एक मरीज की मौत होने से मृतकों की संख्या 70834 हो गयी है।

इस अवधि में पश्चिम बंगाल में 107 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 2418 हो गयी। राज्य में इस महामारी से अब तक 2083374 लोग उबर चुके हैं और मृतकों का आंकड़ा 21468 पर बरकरार है।

ओडिशा में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 42 सक्रिय मामले घटने से इनकी कुल संख्या घटकर 1625 हो गई है। राज्य में अब तक 1317042 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 9177 हो गया है।

शार्ट न्यूज

हिमाचल में पेंशन के लिए भूख हड़ताल जारी

हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में सरकारी कर्मचारियों के पुराने पेंशन की वापसी के लिए शुक्रवार को दूसरे दिन भूख हड़ताल जारी है। हड़ताल हमीरपुर, शिमला, मंडी और धर्मशाला में जारी है। हमीरपुर में यह हड़ताल मुख्य बाजार में लड़कों के एक विद्यालय के सामने बने रैन बसेरे में चल रही है। हड़ताली नेताओं ने कहा कि सरकार उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दे रही है और उन्होंने पुराने पेंशन की वापसी तक आंदोलन जारी रखने का प्रण लिया है।

रिश्वत कांड में पुलिस अधिकारी को निलंबित करने का आदेश

कोलकाता। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने रिश्वत के मामले में एक पुलिस अधिकारी को तत्काल निलंबित करने और उसके खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज करने के लिए पश्चिम बंगाल पुलिस प्रमुख को आदेश दिया है। न्यायमूर्ति जयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति अन्ना बनर्जी की पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई के बाद नदिया जिले में छपरा थाने के प्रभारी उपनिरीक्षक चंदन साहा को एक व्यवसायी से 1,00,000 रुपये की रिश्वत मांगने पर तत्काल निलंबित करने और भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के तहत विभागीय जांच शुरू करने का के लिए पुलिस प्रमुख को निर्देश दिये। व्यवसायी ने आरोपी पुलिसकर्मी के साथ फोन पर बातचीत रिकॉर्ड की, जिसने कथित तौर पर रिश्वत न देने पर उसके खिलाफ ड्रग का मामला बनाने की धमकी दी थी। पुलिस अधिकारी के खिलाफ अपराध अनुसंधान विभाग (सीआईडी) ??द्वारा की गई विभागीय जांच सही पाई गई। याचिकाकर्ता ने साहा के साथ टेलीफोन पर हुई बातचीत को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड किया था, जिसे बाद में उन्होंने सीआईडी को सौंप दिया।

युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर की आत्महत्या

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के राजगढ़ पुलिस थाना अंतर्गत साहिबाबाद निवासी एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार अलवर अस्पताल की चौकी से सूचना मिली साहिबाबाद निवासी विश्राम मीना मीना ने जहर खा लिया है तथा उसकी मौत हो गई है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। इधर मृतक के भाई भगवान सहाय ने बताया कि कि वह मजदूरी का कार्य करता था कुछ दिन से रसूलपुर निवासी राजकुमार मीणा एवं उसके साथी जालसाजी में फंसा कर ब्लैकमेल कर रहे थे और उसने अपने पास बुलाता था। जब हम घर पहुंचे तो मेरा भाई घर पर नहीं था। जब तलाश किया तो पता चला कि भाई ने जहर खा लिया है। उन्होंने आशंका जताई है कि उसके भाई को राजकुमार और उसके साथियों ने जहर खिलाकर हत्या कर दी है। पुलिस मामला दर्ज कर कार्रवाई कर रही है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अलवर। राजस्थान में अलवर के अरावली विहार थाना क्षेत्र मेंउपरा सोनावा में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार धर्मपाल सैनी अपने पिता के साथ दुकान पर ही बैठता था। मृतक धर्मपाल अपने पांच बहिनों का इकलौता भाई था। जिसके दो बच्चे हैं। गत रात्रि उसने अपने घर फांसी का फंदा लगाकर आत्महतया कर ली। मृतक ने मरने से पहले एक सुसाइड नोट छोड़ा है। जिसमे उसने दुकान के सामान का गोदाम मालिक को जिम्मेदार बताया है। जिसमे सात लाख रुपए की बात कही गई है। घटना के बाद सैनी समाज के लोग भी अस्पताल पहुंचे। समाज के लोगों ने जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं ना हो तब तक पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी जहीर अब्बास के आश्वासन के बाद परिजन पोस्टमार्टम कराने को राजी हुए।

औरंगाबाद में (एनआईए) की टीम ने भाकपा माओवादी से जुड़े दो शीर्ष नक्सलियों और उनके परिजनों के घर पर की छापेमारी

औरंगबाद। बिहार के औरंगाबाद जिले के उपहारा और रफीगंज थाना क्षेत्रों में शुक्रवार की सुबह राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की टीम प्रतिबंधित नक्सली संगठन भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से जुड़े दो शीर्ष नक्सलियों एवं उनके परिजनों के घर पर छापेमारी कर रही है । औरंगाबाद के पुलिस अधीक्षक कांतेश कुमार मिश्र ने इस छापेमारी की पुष्टि की है और कहा कि जिला पुलिस, एनआईए की टीम को सहयोग कर रही है ।उन्होंने बताया कि एनआईए की टीम आज सुबह उपहारा थाना क्षेत्र के परासी गांव स्थित नक्सली प्रवक्ता विजय आर्या की पुत्री शोभा कुमारी के आवास पर पहुंची और वहां छापामारी की । एनआइए की दूसरी टीम रफीगंज थाना क्षेत्र के चंदौल गांव में नक्सली अनिल यादव के घर पर छापेमारी कर रही है।

नशामुक्त भारत अभियान में एमपी के चार जिले और हुए शामिल

भोपाल। केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा नशीले पदार्थों और ड्रग के विरूद्ध लोगों को विशेष रूप से युवा वर्ग को जागरूक करने के उद्देश्य से संचालित नशामुक्त भारत अभियान के द्वितीय चरण में देश के 100 जिलों को जोड़ा गया है। इसमें मध्यप्रदेश के 4 जिले देवास, मुरैना, धार और राजगढ़ शामिल हैं। आधिकारिक जानकारी के अनुसार नशामुक्त भारत अभियान 15 अगस्त 2020 से देश के 272 जिलों में संचालित है, जिसमें 15 जिले मध्यप्रदेश के हैं। एक माह पूर्व नशामुक्त भारत अभियान के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश को सर्वश्रेष्ठ राज्य और दतिया जिले को सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन वाले जिला श्रेणी में प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया था। अभियान के द्वितीय चरण में चयनित देवास, मुरैना, धार और राजगढ़ जिले के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत और सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण के अधिकारियों को इस संबंध में राज्य शासन द्वारा दिशा-निर्देश जारी किये गये हैं। संबंधित जिलों के अधिकारियों से कहा गया है कि नशामुक्त भारत अभियान के लिये अनुभाग स्तरीय समिति का गठन करने के साथ नशामुक्ति के लिये जन-जागरूकता कार्यक्रम विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालयों में नशामुक्ति के विशेष अभियान का सतत क्रियान्वयन करें। निर्देशों में कहा गया है कि नशे के विरूद्ध जागरूकता का वातावरण निर्मित करने के लिये विभिन्न विभागों के समन्वय से समुदायों तक पहुंच बनाएं और नशा पीड़ितों की पहचान करवाएं। अस्पतालों में परामर्श, उपचार एवं पुनर्वास जैसी विशेष सुविधाएँ सुनिश्चित करें।

मेंड - इन- इंडिया टीके से सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव : डॉ पुरोहित

जालंधर। सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाला चौथा सबसे आम कैंसर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के अनुसार, 2018 में दुनिया भर में अनुमानित 570 000 महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का पता चला था और लगभग 3.11 लाख महिलाओं की इससे मृत्यु हो गई थी। भारत में भी इसके रोगी काफी तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार भारत में हर साल 122,844 महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का पता चलता है, वहीं 67 हजार से अधिक महिलाओं की इस बीमारी से मौत हो जाती है।अब सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) और डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) ने पहले स्वदेशी रूप से विकसित क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमावायरस वैक्सीन (क्यूएचपीवी) को लॉन्च किया है। यह टीका महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की बढ़ती समस्या की रोकथाम की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। मोहाली स्थित मदर - चाइल्ड हेल्थ केयर सेंटर द्वारा शुक्रवार को आयोजित सर्वाइकल कैंसर के विरुद्ध जंग विषय पर आयोजित वेबीनार को सम्बोधित करने के पश्चात , राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के सलाहकार डॉ नरेश पुरोहित ने यूनीवार्ता को बताया कि लगभग 90 प्रतिशत सर्वाइकल कैंसर के मामले ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) के कारण होते हैं। परीक्षण में इस स्वदेशी टीके को इस वायरस के खिलाफ काफी असरदार पाया गया है। अगर इस टीके को युवाओं को दिया जाए तो इससे अगले 30 साल तक उन्हें इस गंभीर प्रकार के कैंसर के जोखिम से बचाया जा सकता है।

नौसेना के झंडे से हटा अंग्रेजों का निशान

अब मिल गई है छत्रपति शिवाजी की पहचान; पीएम मोदी ने किया अनावरण

नौसेना का नया ध्वज क्यों है खास?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नए ध्वज का अनावरण किया, जिसके ऊपरी कैंटन पर राष्ट्रीय ध्वज है। राष्ट्रीय प्रतीक के साथ एक नीला अष्टकोणीय आकार भी है। यह नौसेना के आदर्श वाक्य के साथ ढाल पर लगाया जाता है। नौसेना ने नए ध्वज को प्रदर्शित करते हुए वीडियो में कहा, जुड़वां सुनहरी सीमाओं के साथ अष्टकोणीय आकार महान भारतीय सम्राट छत्रपति शिवाजी महाराज की मुहर से प्रेरणा लेता है, जिनके दूरदर्शी समुद्री दृष्टिकोण ने एक विश्वसनीय नौसैनिक बेड़े की स्थापना की।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 सितंबर को यानी आज कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत को नेवी को सौंपते हुए भारतीय नौसेना के लिए नए ध्वज का भी अनावरण किया। पुराने झंडे में तिरंगे के साथ सेंट जॉर्ज क्रॉस (अंग्रेजों की निशानी) को भी रखा गया था। प्रधानमंत्री ने इसे गुलामी का प्रतीक करार दिया। नए ध्वज में छत्रपति शिवाजी महाराज के चिन्ह को अपनाया गया है। नए निशान पर भारतीय नौसेना का आदर्श वाक्य सम नो वरुण: अंकित है। आपको बता दें कि 15 अगस्त, 1947 को देश जब आजाद हुआ तो भारतीय रक्षा बलों ने ब्रिटिश औपनिवेशिक झंडे और बैज को जारी रखा। 26 जनवरी, 1950 को इसके पैटर्न में बदलाव किया गया था। नौसेना के ध्वज को भी बदल दिया गया था, लेकिन ध्वज में एकमात्र अंतर यह किया गया था कि यूनियन जैक की जगह तिरंगा लगाया गया था। जॉर्ज क्रॉस को बरकरार रखा गया था। नौसेना के ध्वज में कई बदलाव हुए, लेकिन रेड क्रॉस को नहीं हटाया गया। एक बदलाव 2001 में किया गया था। हालांकि, उस समय भी सेंट जॉर्ज क्रॉस को नहीं हटाया गया था। नौसेना के ध्वज में बदलाव की मांग लंबे समय से की जा रही थी। वाइस एडमिरल वीईसी बारबोजा ने इसको लेकर सुझाव भी दिया था, जो नौसेना से फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ पश्चिमी नौसेना कमान के रूप में रिटायर हुए थे। 2004 में एक और बदलाव किया गया था, लेकिन इस समय भी सेंट जॉर्ज क्रॉस को नहीं हटाया गया। 2014 में देवनागरी लिपि में अशोक चिन्ह के नीचे ध्वज पर सत्यमेव जयते शब्द शामिल किया गया था।

सेंट जॉर्ज क्रॉस क्या है?

सफेद बैकग्राउंड पर लाल क्रॉस को सेंट जॉर्ज क्रॉस के रूप में जाना जाता है। इसका नाम एक ईसाई योद्धा के नाम पर रखा गया था। यह क्रॉस इंग्लैंड के ध्वज के रूप में भी काम करता है। 1190 में इंग्लैंड और लंदन शहर द्वारा भूमध्य सागर में प्रवेश करने वाले अंग्रेजी जहाजों की पहचान करने के लिए इस ध्वज को अपनाया गया था। रॉयल नेवी ने अपने जहाजों के लिए जॉर्ज क्रॉस को अपनाया था।

बोम्मई ने मुरुगा संत के खिलाफ कार्रवाई में देरी के आरोपों को किया खारिज

एजेंसी

मेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम मामले में नाबालिग लड़कियों के कथित यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार मुरुगा मठ के पुजारी शिवमूर्ति शरणारू के खिलाफ कार्रवाई में देरी के लिए राज्य सरकार के खिलाफ लगे आरोपों को शुक्रवार को खारिज कर दिया।

बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा इस तरह की बातों का जवाब देने की कोई आवश्यकता नहीं है। मैंने पहले कहा था कि सब कुछ कानून के अनुसार किया जाएगा। हमने उन्हें (पुलिस को) खुली छूट दी है और वे उसी के अनुसार अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। इस प्रकार, इस संदर्भ में कोई आवश्यकता नहीं है कि इस मुद्दे पर विस्तार से बात करें।

बोम्मई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा में भाग लेने के लिए यहां आए हैं। श्री मोदी इस दौरान लगभग 3,800 करोड़ रुपये की मशीनीकरण और औद्योगीकरण परियोजनाओं का उद्घाटन तथा नींव रखेंगे और एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

गुरुवार की देर रात, चित्रदुर्ग पुलिस ने श्री शरणारू को हिरासत में ले लिया और पूछताछ की। संत को जिला न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

संत को बाद में चित्रदुर्ग जिला जेल लाया गया। शुक्रवार को सीने में दर्द की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

मुनिरत्न ने ठेकेदारों के संघ को भेजा कानूनी नोटिस

बेंगलुरु। कर्नाटक के बागवानी मंत्री मुनिरत्न ने अपने ऊपर लगे आरोपों को लेकर राज्य ठेकेदारों के संघ को 50 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है। कर्नाटक सरकार ने कहा है कि ठेकेदारों के संघ द्वारा लगाए गए आरोप निराधार हैं। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि आरोप राजनीति से प्रेरित हैं और उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा, जो संघ के साथ न्यायिक जांच की मांग कर रही है। बोम्मई ने कहा, मैं लगाए गए आरोपों के लिए विवरण और सबूत मांगता हूं, अगर वह सबूत देने में सफल होते हैं, तो 24 घंटे में जांच का आदेश दिया जाएगा। ठेकेदार संघ ने श्री मुनिरत्न पर आरोप लगाया कि उन्होंने ठेकेदारों से धन एकत्र करने में विफल रहने वाले अधिकारियों को निलंबित करने की धमकी दी है। जिसके बाद मंत्री ने ठेकेदार संघ को 50 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है।

कानूनों का उल्लंघन करता है ट्विटर : केंद्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष अपनी आपत्तियों के संबंध में दायर 101 पन्नों के बयान में ट्विटर को देश के कानूनों का उल्लंघन करने वाला सोशल मीडिया मंच बताया है। मामले पर आठ सितंबर को सुनवाई की जाएगी। एमईआईटीवाई ने बृहस्पतिवार को अदालत के समक्ष अपना बयान दाखिल किया।

मंत्रालय ने कहा, याचिकाकर्ता ने जानबूझकर कानूनों का अनुपालन नहीं किया और उनकी अवज्ञा की। प्रतिवादी नंबर-2 के जवाब और 27 जून 2022 को कारण बताओ नोटिस जारी होने के बाद ही याचिकाकर्ता ने अचानक उन दिशा-निर्देशों पर अमल किया, जिनका पालन वह पहले नहीं कर रहा था।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा रोक के संबंध में जारी किए गए 10 अलग-अलग आदेशों के खिलाफ ट्विटर इंक ने उच्च न्यायालय का रुख किया है। ये आदेश दो फरवरी 2021 से 28 फरवरी 2022 के बीच के हैं। इनमें अकाउंट, ट्वीट, यूआरएल और हैशटैग को ब्लॉक करने से जुड़े आदेश शामिल हैं। केंद्र ने कहा कि ट्विटर की देश की सुरक्षा में कोई भूमिका नहीं है और सुरक्षा से जुड़े सभी फैसले सरकार ही कर सकती है।

सरकार ने कहा, जब सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़ा कोई मुद्दा उठता है तो सरकार कार्रवाई करने के लिए जिम्मेदार होती है, न कि कोई मंच। इसलिए, कौन-सी सामग्री राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े मुद्दों के लिए सही है या नहीं, इसे तय करने की अनुमति मंच को नहीं दी जा सकती।

सरकार ने कहा कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 84 करोड़ से अधिक भारतीयों को भारत विरोधी प्रचार, फर्जी खबरों और नफरत भरे भाषणों से बचाना उसकी जिम्मेदारी है।

तेलंगाना में निर्मला सीतारमण का काफिला रोकने की कोशिश, जमकर भिड़े भाजपा-कांग्रेस कार्यकर्ता

हैदराबाद। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण तेलंगाना दौरे पर हैं। उनकी यात्रा के दौरान शुक्रवार को कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं आपस में भिड़ गए। इस दौरान पुलिस ने बिगड़ती स्थिति को काबू करने की कोशिश की। खबर है कि केंद्रीय मंत्री भाजपा की लोकसभा प्रवास योजना के तहत जहीराबाद क्षेत्र का दौरा कर रही हैं। शुक्रवार को कामारेड्डी जिले में जाने वाली थीं।

शुक्रवार को जब यूथ कांग्रेस समेत कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीतारमण के काफिले को रोकने की कोशिश की। इसी बीच भाजपा कार्यकर्ता भी वहां सक्रिय हो गए और दोनों समूहों में बहस शुरू हो गई। खबर है कि दोनों

पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच हुई कहासुनी के दौरान वह जहीराबाद में दौरा पूरा करने के बाद वह बांसवाड़ा जा रही थीं।

तेलंगाना सरकार पर निशाना

सीतारमण ने गुरुवार को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की नेतृत्व वाली तेलंगाना की तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) सरकार को बढ़ते कथित कर्ज, कृषि संकट औ अन्य मुद्दों को लेकर निशाना बनाया। खास बात है राज्य में साल 2023 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसे लेकर भाजपा पहले ही काफी सक्रिय नजर आ रही है।

भाजपा की लोकसभा प्रवास योजना के तहत जहीराबाद संसदीय क्षेत्र की अपनी यात्रा के दौरान सीतारमण ने कामारेड्डी में दावा किया कि तेलंगाना में राजस्व अधिशेष था, लेकिन वह अब राजस्व घाटे की स्थिति में चला गया है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ टीआरएस ने बजट के बाहर जाकर कर्ज लिया। उन्होंने कहा कि किसानों की आत्महत्या के मामले में तेलंगाना चौथे नंबर पर है।

चेन्नई आकाशवाणी के पूर्व समाचार निदेशक शंकरन का निधन

चेन्नई। तमिलनाडु में चेन्नई ऑल इंडिया रेडियो (आकाशवाणी) के पूर्व समाचार निदेशक वी.शंकरन का संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया है। वह 74 वर्ष के थे। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। श्री शंकरन ने कल देर रात अंतिम सांस ली। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने आज जारी विज्ञप्ति में बताया कि श्री शंकरन ने आरएनआई, पीआईबी, आकाशवाणी और डीपीआर (रक्षा) में अपने सेवा दी थी। उन्होंने श्रीलंकाई मुद्दे के दौरान एक संवाददाता के रूप में अपना अथक योगदान दिया था। उन्होंने संवाददाता के तौर पर केन्द्रशासित प्रदेश पुडुचेरी ऑल इंडिया रेडियो में दस से अधिक वर्षों तक सेवा दी।

शिवराज ने बच्चों से साझा की आज़ादी की कुछ जानी-अंजानी कहानियां

इंदौर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान आज इंदौर के अभय प्रशाल में 'तेरा वैभव अमर रहे माँ' कार्यक्रम में अलग ही अन्दाज़ में नज़र आए। उन्होंने सांस्कृतिक एवं नैतिक प्रशिक्षण संस्थान इंदौर चेप्टर का शुभारंभ कर शालेय छात्र-छात्राओं के साथ खुला संवाद कर कुछ जानी अंजानी आजादी की कहानियां बच्चों को सुनायी।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार श्री चौहान के साथ बच्चों की केमिस्ट्री यादगार बन गयी। अपने बीस मिनट के बच्चों से वार्तालाप के दौरान मुख्यमंत्री देश-भक्ति के रंगों में सभी को भिगोया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सभी बच्चों को पर्यावरण की रक्षा, सबका सम्मान और विश्व-कल्याण का संकल्प भी दिलाया। कार्यक्रम में श्री चौहान ने कहा कि वासुधैव कुटुंबकम सदैव ही भारत का ध्येय रहा है। हमारे देश ने इस भाव को अपने अंदर समाहित किया 'सब सुखी रहें, सब निरोगी रहें और सब का कल्याण हो।' उन्होंने कहा कि 5 हजार साल से पुराने हमारे देश का ज्ञात इतिहास रहा है। जब तथाकथित विकसित देशों में सभ्यता का सूर्य उदय भी नहीं हुआ था, तब भारत में वेदों की ऋचाएँ गढ़ ली गई थी। उन्होंने कहा कि देश-भक्ति के भाव के साथ देश एवं प्रदेश के विकास में अपना योगदान दें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब परतंत्रता की बेड़ियों ने भारत को जकड़ा तब हमारे क्रांतिकारियों ने देश की आजादी की लड़ाई लड़ी।

उपलब्धियों की पिछली कड़ियों को भूल जाते हैं मोदी : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी काम की उपलब्धि की पिछली कड़ियों को भूल जाते हैं और उसके पूरा होने की खुशी को अपनी संकल्प सिद्धि मानकर उसे प्रचारित करना शुरु कर देते हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने आईएनएस विक्रांत के जलावतरण के मौके पर जो भी बातें कहीं हैं वह सच में हमारे लिए गौरव की बात है, लेकिन यदि वह कहते हैं कि यह उपलब्धि 2014 के बाद की है तो निश्चितरूप से यह गलत है। उन्होंने कहा कि मोदी को समझना चाहिए कि विकास का क्रम निरंतर चलने वाली प्रक्रिया का परिणाम होता है। यह आईएनएस विक्रांत भी इसी तरह की प्रक्रिया का हिस्सा है और इस विमान वाहक के निर्माण की प्रक्रिया 22 साल पहले शुरु हो गई थी। हमारे इंजीनियरों, तकनीकीशियनों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस परियोजना को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है।

रमेश ने कहा कि इसका श्री मोदी ने लोकार्पण किया है, वह इस विमान वाहक के निर्माण का श्रेय अकेले नहीं ले सकते हैं। इस उपलब्धि में कई सरकारों का योगदान है। इसकी शुरुआत वाजपेयी सरकार ने की और फिर मनमोहन सरकार ने इसे आगे बढाया और फिर मोदी सरकार ने भी इसके निर्माण में योगदान दिया है।

'आप' विधायक को पति ने जड़ा थप्पड़, वीडियो वायरल

एजेंसी

चंडीगढ़/जालंधर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के तलवंडी साबो दौरे से एक दिन पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें आम आदमी पार्टी(आप) विधायक बलजिंदर कौर को उनके पति द्वारा एक विवाद के बाद थप्पड़ मारते दिखाया गया है। श्रीमती कौर के पति श्री सुखराज सिंह भी सत्तारूढ़ दल के नेता हैं।

तलवंडी साबो में उनके घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद यह वीडियो गुरुवार से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहा है। यह घटना कथित तौर पर 10 जुलाई को हुई थी। पुलिस ने कहा कि उसे नहीं पता कि वीडियो किसने लीक किया या वास्तव में इस घटना को किसने अंजाम दिया। घटना के संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

विडीयो मे तलवंडी साबो से दो बार की 'आप' विधायक को एक बहस के दौरान पति के पास जाते देखा जा सकता है। श्री सिंह गुस्से में आकर अपनी सीट से उठ जाते हैं और उन्हें थप्पड़ मार देते हैं। जोड़े के बगल में खड़े कुछ लोग हस्तक्षेप करते हैं और श्री सिंह को दूर करने की कोशिश करते हैं।

वीडियो पर न तो श्रीमती कौर और न ही उनके पति ने कोई टिप्पणी की है। पंजाब राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष मनीषा गुलाटी ने हालांकि कहा कि उन्होंने वीडियो देखा है और इस पर स्वतः संज्ञान लेंगी।

मान के नेतृत्व वाली 'आप' सरकार चुनाव के बाद से लगातार हमलों के घेरे में आ गई है। संयोग से मुख्यमंत्री शुक्रवार को बलजिंदर के निर्वाचन क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं।

इस जोड़े ने फरवरी 2019 में शादी की थी। श्री सिंह कथित तौर पर माझा क्षेत्र के लिए 'आप' की युवा शाखा के संयोजक थे। श्रीमती कौर ने वर्ष 2009 में पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला से एम फिल किया। राजनीति में प्रवेश करने से पहले वह फतेहगढ़ साहिब में माता गुजरी कॉलेज में अंग्रेजी की प्रोफेसर थीं। विधायक से संपर्क करने की कोशिश की गयी लेकिन मोबाइल फोन सेवा में नहीं पाया गया।

राजस्थान में कानून व्यवस्था अन्य राज्यों से बेहतर : गहलोत

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य में कानून व्यवस्था अन्य राज्यों से बेहतर बताते हुए कहा है कि प्रदेश कीपुलिस अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर काम कर रही है।

गहलोत आज यहां राजस्थान पुलिस अकादमी के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर की तुलना में राज्य में आपराधिक मामलों में सजा का प्रतिशत बढ़ा है, जो कि राज्य पुलिस के उत्कृष्ट कार्य का घोतक है। स्पेशल इन्वेस्टीगेशन यूनिट, हीनियस क्राइम मॉनिटरिंग यूनिट, साइबर क्राइम इन्वेस्टीगेशन यूनिट, सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टीगेशन यूनिट जैसे नवाचारों से राज्य पुलिस ने पूरे देश में एक अलग पहचान बनाई है।

उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि प्रशिक्षित अधिकारी महिलाओं, बालिकाओं, समाज के कमजोर लोगों और बुजुर्गों के साथ शालीनता से व्यवहार कर उनकी परिवेदनाओं को पूरे मनोयोग और मानवीय दृष्टिकोण से सुनेंगे तथा उन्हें राहत प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे आश्वस्त है कि नए अधिकारी वीरता एवं सजगता के साथ आपराधिक व राष्ट्रविरोधी तत्वों का सामना करेंगे। उन्होंने कहा कि नए अधिकारियों को वैज्ञानिक अनुसंधान के तरीकों को कार्यप्रणाली में सम्मलित करना होगा, ताकि सुलभ एवं पारदर्शी न्याय किया जा सके। उन्होंने कहा कि पुलिस अपने अधिकारों का उपयोग पीड़ित वर्गों को न्याय दिलाने में करे, जिससे पुलिस का इकबाल कायम रहने के साथ ही अपराधियों में भय व्याप्त रहे।

श्री गहलोत ने कहा कि राजस्थान पुलिस का गौरवशाली इतिहास रहा है, जो विषम परिस्थितियों में अपने कार्य को अंजाम देते हुए बलिदान देने में कभी पीछे नहीं रही। पुलिस ने हमेशा हिम्मत और हौंसले से प्रदेश का मान-सम्मान बढ़ाया है। पुलिस के शानदार कार्य के कारण ही राज्य में कानून-व्यवस्था नियंत्रण में है। राज्य सरकार द्वारा पुलिस और आमजन में बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए विभिन्न कदम उठाए गए हैं। 834 थानों में स्वागत कक्ष बनाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि एफआईआर के अनिवार्य पंजीकरण से आपराधिक प्रकरणों को दर्ज करने की प्रक्रिया सुगम हुई है। गंभीर एवं जघन्य अपराधों के अनुसंधान हेतु स्पेशल इकाइयों की स्थापना की गई है। इन प्रयासों से एससी/एसटी के विरूद्ध अपराधों के अनुसंधान में लगने वाले औसत दिनों की संख्या 231 से घटकर 72 रह गई है।

केंद्र से बिहार को जितनी मदद मिलनी चाहिए, नहीं मिल रही

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर एक बार फिर निशाना साधा और कहा कि केंद्र से प्रदेश को जितनी मदद मिलनी चाहिए वह नहीं मिल रही है। कुमार ने गुरुवार को यहां 48वीं जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी बालिका प्रतियोगिता 2022 का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, केंद्र से बिहार को जितनी मदद मिलनी चाहिए, वह नहीं मिल रही है फिर भी हमलोग सभी काम अच्छे ढंग से कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कबड्डी को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है, यह काफी खुशी की बात है। बिहार में यह बहुत लोकप्रिय हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल भी बहुत जरूरी है। बिहार से बहुत लोग बाहर खेलने जा रहे हैं और सबको पुरस्कार भी मिल रहा है, यह खुशी की बात है। उन्होंने जूनियर राष्ट्रीय कबड्डी बालिका प्रतियोगिता-2022 की प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा कि आप सभी खूब अच्छा खेलिये और आगे बढ़िये।

शार्ट न्यूज

गांवों का हाउस टैक्स बढ़ाने की निंदा की

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली ग्राम पंचायत संघ दिल्ली प्रदेश ने आज गांव नांगलोई सईदान में पंच प्रमुखों की बैठक में म्युनिसिपल वैल्यूएशन कमिटी के पांच गांवों की हाउस टैक्स कैटिगरी बढ़ाने की सिफारिश का विरोध किया। म्युनिसिपल वैल्यूएशन कमिटी ने गांव शाहाबाद मोहम्मदपुर, नांगल देवत, रंगपुरी, समालखा, महिलपाल पुर को नगर निगम की हाउस टैक्स की जी व एच कैटिगरी से डी कैटिगरी में शामिल करने की सिफारिश की है। इस कारण इन गांवों के निवासियों को यूनिट एरिया वैल्यू 320 रूपये/वर्ग मीटर के अनुसार टैक्स देना पडेगा, जबकि वे अभी यूनिट एरिया वैल्यू 100-200 रूपये/वर्ग मीटर के तहत टैक्स देते है। दिल्ली ग्राम पंचायत संघ पहले से ही विरोध दर्ज कराता आया है और गांवों को नगर निगम के टैक्स से मुक्त करवाने की मांग करता आ रहा है। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि गांवों को शहीद कर एयरपोर्ट बनाया गया है, जिससे गांवों वालों को बेरोजगार किया गया। गांवों में सुविधाओं का अभाव है, शिक्षा, चिकित्सा आदि सुविधा नहीं है। बैठक में थानसिंह यादव के अलावा दिल्ली के 360 गांवों की सर्वखाप की तरफ से पंच प्रमुख सुरेश शौकीन आठ गांव के प्रधान, अजय राव हसन पुर, कंवर सिंह पूंठ कला, सुनील शर्मा मादीपुर ने फैसला लिया कि हम उपराज्यपाल और दिल्ली सरकार से मांग की कि नगर निगम के टैक्स बढ़ाने की बजाए गांवों को टैक्स से मुक्त करवाए। गांवों की समस्याओं का समाधान जल्द नहीं होने पर पंचायत संघ महापंचायत करेगा, जिसमें गांवों की सभी समस्याओं के मुददों पर बात होगी और प्रदर्शन की तैयारी की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा में फर्जी डॉक्टर चला रहा था आईवीएफ सेंटर, इलाज के दौरान महिला की मौत

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के एक फर्जी डॉक्टर द्वारा संचालित निजी अस्पताल में इलाज में कथित तौर पर घोर लापरवाही के कारण एक महिला की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को कहा कि फर्जी डॉक्टर प्रियरंजन ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ बिसरख पुलिस थाना में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस उपायुक्त (मध्य नोएडा) राजेश एस. ने कहा कि गाजियाबाद के इंदिरापुरम की रहने वाली महिला 19 अगस्त को बिसरख इलाके के ईको विलेज 2 में ठाकुर द्वारा संचालित आईवीएफ क्रिएशन वर्ल्ड सेंटर गई थी। अधिकारियों ने कहा कि वह इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) प्रक्रिया के लिए दो महीने से अस्पताल में इलाज करा रही थी, जो गर्भावस्था के लिए एक प्रौद्योगिकी-सहायता वाली विधि है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया के दौरान महिला बीमार पड़ गई और केंद्र में आपातकालीन सहायता की कमी के कारण उसकी हालत इतनी खराब हो गई कि वह कोमा में चली गई और उसे दूसरे अस्पताल ले जाना पड़ा। डीसीपी ने कहा कि 19 अगस्त को आईवीएफ इलाज के दौरान वह बीमार पड़ गई और उसे दूसरे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, जहां 26 अगस्त को उसकी मौत हो गई। आईवीएफ केंद्र के मालिक ठाकुर को महिला की मौत के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।

ग्रेटर नोएडा : मेले में करंट लगने से बच्चे की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के बीटा-2 क्षेत्र के सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क में गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित मेले में झूला झूल रहे दो बच्चे करंट की चपेट में आ गए। इस घटना में 12 वर्षीय बच्चे की मौत हो गई, जबकि तीन वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। इस संबंध में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्चे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने झूला संचालक को हिरासत में ले लिया है। बीटा-2 के थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि बिरौंडी गांव में किराये पर रहने वाले धर्मेंद्र का बेटा हर्षित अपने पड़ोस में रहने वाली महिला आरोही और उसके बच्चे के साथ गुरुवार रात सम्राट मिहिर भोज सिटी पार्क में मेला देखने गया था। झूले में झूलने के बाद उससे उतरते समय हर्षित (12) और आरोही का बेटा प्रियांश (तीन) करंट की चपेट में आने से झुलस गए। उन्होंने बताया कि दोनों बच्चों को इलाज के लिए एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने हर्षित को मृत घोषित कर दिया, जबकि प्रियांश की हालत नाजुक बनी हुई है।

यमुना में डूबे युवक का तीन दिन बाद शव बरामद

नोएडा। सेक्टर-126 थाना क्षेत्र के रायपुर खादर गांव के सामने यमुना में डूबे युवक का शव शुक्रवार को मिल गया। वह बुधवार को मछली पकड़ने नदी में गया था। इस दौरान वह नदी में गिरकर डूब गया था, तभी से गोताखोर उसकी तलाश कर रहे थे। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के बोरी गांव निवासी सनोज रायपुर खादर स्थित फार्म हाउस में काम करता था। वह बुधवार दोपहर रायपुर खादर गांव के सामने यमुना नदी में मछली पकड़ने गया था। इस दौरान वह नदी के किनारे बैठा था, तभी उसका पैर फिसल गया और वह नदी में गिर गया। उसने बचाने के लिए शोर मचाया, लेकिन जब तक लोग आए तो वह बह गया था। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर गोताखोरों को बुलाया। गोताखोरों ने देर रात तक नदी में उसकी तलाश की थी, लेकिन वह नहीं मिला। तीन दिन बाद शुक्रवार को सनोज का शव गोताखोरों को मिला। पुलिस ने शव बरामद होने की सूचना परिजनों को दे दी। औपचारिकता पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

मोबाइल पर लिंक भेज 85 हजार उड़ाए

नोएडा। साइबर अपराधी ने सेक्टर-41 निवासी राजीव घोष के मोबाइल पर लिंक भेजकर उनके खाते से 85 हजार रुपये निकाल लिए। जालसाज ने खरीदार बनकर उनसे संपर्क किया था। उन्होंने थाने में इस संबंध में केस दर्ज कराया है। पुलिस को दी शिकायत में राजीव घोष ने बताया कि उन्होंने घर का सामान बेचने के लिए कुछ दिन पहले ओएलएक्स पर विज्ञापन डाला था। इसके बाद उनके पास एक व्यक्ति ने कॉल की। उसने सामान खरीदने के लिए कहा। आरोपी ने कहा कि वह ऑनलाइन भुगतान करेगा। उसने उनके मोबाइल पर एक लिंक भेजा। जैसे ही राजीव ने लिंक पर क्लिक किया तो उनके खाते से 85 हजार रुपये निकल गए। जब उनके मोबाइल पर मैसेज आया तो उन्हें ठगी का पता चला। इसी तरह ठग ने सदरपुर कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति के खाते से 65,423 रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है।

रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेनो ने विद्यालय में की पुस्तक वितरित

गौतमबुद्धनगर। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा ने डॉ0 बृजलता शर्मा जी के सानिध्य में एन के एस संस्थान द्वारा संचालित रोटरी आदर्श स्कूल में पढ़ रहे गरीब व मजदूर परिवार के 50 बच्चों को पढ़ने के लिये किताबें प्रदान कीअसिस्टेंट गवर्नर रो0 के के शर्मा ने बताया कि स्कूल में बच्चों को बेसिक शिक्षा दी जा रही है। बच्चो को अच्छी शिक्षा देने के लिये अलग अलग क्लास के अनुसार बच्चों को 5 विषयों की किताब उपलब्ध कराई गयी है। कार्यक्रम में विजय शर्मा, अतुल जैन, एम पी सिंह, सौरभ बंसल, प्रवीण गर्ग , के के शर्मा, विनोद कसाना, अमित राठी मूलचन्द शर्मा अन्य लोग उपस्थित रहे।

पालिका परिषद अपने विद्यालयों और कार्यालयों में हिंदी दिवस के अवसर पर 'हिंदी पखवाड़ा' आयोजित करेगी

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) अपने विद्यालयों और कार्यालयों में 14 सितंबर, 2022 को आने वाले हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम की श्रृंखला आयोजित करेगी, यह जानकारी श्री सतीश उपाध्याय, उपाध्यक्ष - नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ने दी।

इस संबंध में हिन्दी अधिकारी, उप-निदेशक(जनसंपर्क) एवं अन्य हिन्दी विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति में उपाध्यक्ष के कक्ष में बैठक की गई । बैठक के दौरान श्री उपाध्याय ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार के संबंध में अपने बहुमूल्य विचार सुझाए । श्री उपाध्याय ने प्रतियोगिता हेतु कई विषयों का सुझाव भी दिए जैसे विश्व पटल पर भारत - स्पेस प्रद्योगिकी, जीवन का आधार शिक्षा, प्रधानमंत्री के मन की बात, आज़ादी का अमृत महोत्सव की 75VIवी वर्षगांठ, देश के शहीदों का स्वप्न, कलम की ताकत, आत्मनिर्भर भारत - बदलता भारत, कोरोनाकाल में भारत की अग्रणी भूमिका, अच्छा नागरिक देश का भविष्य, नया दृष्टिकोण नया भारत, वर्तमान परिदृश में हिंदी की स्थिति, कार्यालयों में कार्यप्रणाली का बदलता स्वरुप, आज़ादी का सफ़र 75VIवी वर्षगांठ से स्वर्णजयंती काल तक, नारी सम्मान, आध्यात्मिक ताकत आदि ।

इस बैठक में निर्णय लिया गया है कि निबंध लेखन प्रतियोगिताएं, भाषण प्रतियोगिता एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं एवं कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

एनडीएमसी के सभी कार्यालयों एवं स्कूलों में बैनर, पोस्टर भी लगाए जाएंगे तथा सर्कुलर के माध्यम से इन प्रतियोगिताओं में लोगों को भाग लेने की सूचना दी जाएगी ।

श्री उपाध्याय ने कहा कि हिंदी भारत की पहचान और सम्मान है।

उन्होंने कहा कि हिन्दी भारत ही नहीं विश्व की प्रमुख भाषाओं में से एक है। उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक समय में लोग पश्चिमी सभ्यता से काफी प्रभावित हुए हैं और हिंदी भाषा का महत्व लुप्त होता जा रहा है। हिंदी दिवस लोगों को उनकी जड़ों से जोड़े रखता है और लोगों को उनकी मूल संस्कृति की याद दिलाता है।

उन्होंने बताया कि भारत में 22 भाषाएं और 72507 लिपियां हैं। एक ही देश में इतनी सारी भाषाओं और विविधता के बीच, हिंदी ही एकमात्र ऐसी भाषा है जो भारत को एकजुट करती है। उन्होंने कहा कि हमें हिंदी के महत्व सभी को समझाने और हिंदी का प्रयोग अपने कार्यक्षेत्र में अधिक से अधिक करना है । उन्होंने कहा कि आज के समय में यह बहुत जरूरी हो गया है कि हम अपनी युवा पीढ़ी के बीच हिंदी की महत्ता का ज्ञान दे ।

श्री उपाध्याय ने कहा इसी उद्देश्य के साथ परिषद अपने कर्मचारियों और विद्यार्थियों के बीच हिंदी को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करने जा रही है। उन्होंने बताया की तत्पश्चात सभी सर्वश्रेष्ठ विजेताओं को मुख्य समारोह में पुरस्कृत भी किया जाएगा।

अभी जेल में ही रहेगा गालीबाज श्रीकांत त्यागी

गैंगस्टर एक्ट में नहीं मिली जमानत

नोएडा। नोएडा के गालीबाज श्रीकांत त्यागी को अभी जेल में ही रहना होगा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले की एक अदालत ने शुक्रवार को श्रीकांत की जमानत याचिका एक बार फिर खारिज कर दी है। 34 वर्षीय श्रीकांत त्यागी को नौ अगस्त को नोएडा पुलिस द्वारा मेरठ से गिरफ्तार किए जाने के बाद यूपी गैंगस्टर्स और असामाजिक गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। जिला एवं सत्र न्यायालय में विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) रणविजय प्रताप सिंह ने जमानत याचिका खारिज कर दी है। श्रीकांत त्यागी के वकील सुशील भाटी ने भी पुष्टि की कि जमानत याचिका खारिज कर दी गई है। गैंगस्टर एक्ट के अलावा, उस पर 5 अगस्त को महिला के साथ गाली-गलौज, मारपीट करने और उसकी कारों पर केवल राज्य विधानसभा सदस्यों को जारी किए गए स्टिकर और राज्य सरकार के प्रतीक का उपयोग करने के लिए धोखाधड़ी के मामले में भी मामला दर्ज किया गया था। गौरतलब है कि, नोएडा में 5 अगस्त को ग्रैंड ओमैक्स सोसाइटी में एक महिला से अभद्रता करने के मामले में नोएडा पुलिस ने श्रीकांत त्यागी को 9 अगस्त को सुबह मेरठ से तीन अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से वह जेल में बंद है। बता दें कि, श्रीकांत त्यागी कथित तौर पर खुद को भाजपा नेता बताकर लोगों पर रौब झाड़ता था, लेकिन महिला के साथ बदसलूकी के मामले में श्रीकांत त्यागी का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा ने उससे पल्ला झाड़ लिया था। स्थानीय भाजपा सांसद डॉ. महेश शर्मा ने त्यागी के भाजपा सदस्य होने से इनकार किया था। इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे, जिनमें से एक में त्यागी महिला के खिलाफ कथित तौर पर गंदी-गंदी गालियां देने के साथ अपशब्दों का इस्तेमाल करते और हाथापाई करते दिख रहा था। त्यागी ने महिला के पति के लिए भी कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए अपमानजनक टिप्पणी की थी।

नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे धसां

नोएडा। नोएडा में सेक्टर-142 के पास (एडवांट अंडरपास) नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे का हिस्सा धंस गया। इससें करीब 12 से 15 फीट लंबा और दो फीट चौड़ी दरार पड़ गई है। गनीमत रही जिस समय ये हादसा हुआ वहां ट्रैफिक मूवमेंट काफी कम था। गढ्ढे की वजह से यहां ट्रैफिक काफी स्लो रहा। हालांकि बेरिकेडिंग कर एक्सप्रेस सेंट्रल वर्ज की ओर की दो लेन को बंद कर ट्रैफिक को निकाला गया। बता दे सेक्टर-142 के पास प्राधिकरण अंडरपास का काम किया जा रहा है। इसे पुशबैक तकनीक से बनाया गया जा रहा है। जिसमें यातायात को डायवर्ट करने की जरूरत नहीं होती। लेकिन यहां पूरी जमीन ही दरक गई और एक्सप्रेस वे की सड़क में दरार आ गई। पुशबैक में बाक्स के जरिए सड़क को संभाला जाता है और नीचे की मिट्टी को हटाया जाता है। लेकिन यहां सड़क का एक बड़ा हिस्सा ही ढह गया।सड़क दोपहर करीब 12 बजे के आसपास धंसी थी। इस दौरान यहां लंबा जाम लग गया। इसके बाद धीरे धीरे कर यातायात को निकाला गया। गढ्ढे के चारो ओर बेरीकेड कर दी गई। जाम की एक वजह एक्सप्रेस की रीसर्फेसिंग भी है। जिस स्थान पर सड़क धंसी उसकी रीसर्फेसिंग का काम पूरा हो चुका है। यहां मार्किंग का काम किया जाना है। आठ दिन पहले भी सेक्टर-96 के पास एक्सप्रेस-वे धंस गया था। इस दौरान भी अंडरपास में पुश बैक तकनीक से मिट्टी हटाने का काम किया जा रहा था। फिलहाल सड़क को रिपेअर कर दिया गया था।

बच्चे की मौत के मामले में झूला संचालक गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा की बीटा 2 थाना पुलिस ने झूला से करंट लगने से मासूम बच्चे की मौत के मामले में लापरवाह झूला संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।

बीटा 2 पुलिस ने लापरवाह झूला संचालक राजीव गुप्ता को गिरफ्तार किया है ।यह मूल रूप से चांदनी चौक दिल्ली का रहने वाला है ।बच्चे की मौत के मामले में मेला संचालक, झूला संचालक व उसके अलावा अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज किया था।

गुरुवार रात को सिटी पार्क पर चल रहे मेले में झूला झूलने के दौरान हर्षित नाम के मासूम बच्चे को करंट लग गया था और उसकी मौत हो गई थी। इस दौरान एक 3 वर्षीय बच्चा भी करंट लगने से झुलसा था लेकिन वह अभी खतरे से बाहर है।

मृतक बच्चे के परिजनों ने इस मामले में मेला संचालक चंद्रशेखर गर्ग, मेला झूला संचालक राजीव गुप्ता , अंकित जैन व अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने इस मामले में 304 ए के तहत मुकदमा पंजीकृत किया। बीटा टू थाना प्रभारी अनिल राजपूत ने बताया कि हर्षित नाम के बच्चे की झूला में करंट उतरने से मौत हो गई थी। जिसके बाद परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत किया और आरोपी झूला संचालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मिलन में लगी सभी झूला को बंद करा दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

दिल्ली में शराब दुकानों की संख्या बढ़कर होगी 500, अब तक 370 से अधिक खुल चुकी हैं दुकानें

नई दिल्ली। आबकारी विभाग अब राजधानी में शराब की दुकानों की संख्या बढ़ाने पर काम कर रहा है। इसको लेकर चार निगमों से सभी कहा गया है कि नए दुकानों के लाइसेंस लेने के बाद दुकान खोलने में ज्यादा समय न लगे। विभाग ने लक्ष्य रखा है कि 20 सितंबर तक दिल्ली के अंदर 500 दुकानें खोल दी जाएं। शुक्रवार तक राजधानी के अंदर 370 से अधिक दुकानें खोली जा चुकी हैं। आबकारी विभाग का कहना है कि हमारे तरफ से करीब 500 लाइसेंस जारी किए जा चुके हैं लेकिन 100 लाइसेंस बीते एक दो दिनों के अंदर ही जारी किए गए। इसलिए दुकान को तैयार करने में समय लगता है।

बृहस्पतिवार से राजधानी में पुरानी आबकारी नीति के तहत शराब की बिक्री की जा रही है। पहले दिन ही 360 दुकानें खोली जा चुकी थी लेकिन अब इनकी संख्या बढ़ाने पर काम हो रहा है। 31 अगस्त तक ही विभाग ने 440 दुकानों के लाइसेंस जारी किए थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर पांच सौ पहुंच गई है। इसके साथ ही शराब की सप्लाई को बनाए रखने के लिए स्टॉक पर भी ध्यान दिया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि 85 लाख बोतलों का थोक में स्टॉक है। इसके साथ ही 45 लाख से अधिक बोतल रिटेल दुकानों पर उपलब्ध है। ब्रांड के हिसाब से देखा जाए तो अब लगभग सभी ब्रांड की शराब दुकानों पर उपलब्ध है। कुछ गिने-चुने ब्रांड ही बचे हैं, जिनके पंजीकरण का काम चल रहा है। इसलिए लोग अपनी पसंद से भी शराब खरीद सकेंगे।

एयरपोर्ट पर नहीं खुल पाईं दुकान

एयरपोर्ट क्षेत्र में अभी तक शराब की दुकान नहीं खुल पाई है। बताया जा रहा है कि वहां पर दुकानों का किराया बहुत ज्यादा है, जिसकी वजह से दुकान खोजने में दिक्कत आ रही है। नई पॉलिसी के तहत भी एयरपोर्ट क्षेत्र में दुकानें खोलने में चार से पांच महीने का समय लग गया था। इसलिए अब पुराने पॉलिसी के तहत निगम को दुकान खोलने में दिक्कत आएगी। ध्यान रहे कि एयरपोर्ट क्षेत्र में पर्यटन विभाग को शराब की दुकानें खोलनी हैं।

होटल, क्लब व रेस्टोरेंट को लेना होगा लाइसेंस

आबकारी विभाग की तरफ से साफ किया गया है कि नई पॉलिसी के तहत जिन होटल, क्लब व रेस्टोरेंट ने 17 नवंबर 2021 को अपने यहां शराब परोसने का लाइसेंस लिया है। अब पुराने पॉलिसी के तहत भी उन्हें लाइसेंस के लिए फिर से आवेदन करना होगा। इसके लिए उन्हें समय से फीस जमा कर आवेदन करना होगा। बड़ी संख्या में होटल व क्लब संचालकों ने फीस जमा कर आवेदन कर दिया।

हिस्ट्रीशीटर की बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या

एजेंसी

नोएडा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सुंदर भाटी गिरोह के एक सदस्य की बृहस्पतिवार को ग्रेटर नोएडा में बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

पुलिस ने बताया कि मृतक थाना जेवर का हिस्ट्रीशीटर था और वह हाल ही में जेल से छूट कर आया था। पुलिस उपायुक्त (जोन तृतीय) अभिषेक वर्मा ने बताया कि थाना जेवर क्षेत्र के नीमका गांव में रहने वाले नागेश नामक व्यक्ति पर बृहस्पतिवार की रात को अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर दी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि उसे ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बदमाशों की तलाश में पुलिस के कई दल लगाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि परिजनों की शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इस बीच नोएडा के ही थाना सेक्टर 63 क्षेत्र के छिजारसी कॉलोनी में रहने वाली एक महिला की धारदार हथियार से हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, मृतका की पहचान नीलम शुक्ला के तौर पर हुई है। पुलिस उपायुक्त (जोन द्वितीय) राजेश एस ने बताया कि परिवार के साथ छिजारसी कॉलोनी में रहने वाली नीलम घटना के वक्त घर में अकेली थीं। उन्होंने बताया कि अज्ञात बदमाशों ने घर में घुसकर सिर पर धारदार हथियार से वार करके तीन बच्चों की मां नीलम की हत्या कर दी। राजेश ने बताया, स्कूल की छुट्टी होने के बाद जब बच्चे घर पहुंचे तो उन्होंने नीलम का शव खून से लथपथ जमीन पर पड़ा देखा और शोर मचा दिया। उनकी आवाज सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए।

उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। न्होंने कहा कि पुलिस को शक है कि किसी परिचित ने वारदात को अंजाम दिया है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर पिकअप ने कैंटर में मारी टक्कर

जेवर। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में स्थित यमुना एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार रात कैंटर गाड़ी का टायर बदल रहे व्यक्ति को पिकअप गाड़ी ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना में पिकअप गाड़ी भी क्षतिग्रस्त होकर यमुना एक्सप्रेस-वे पर ही पलट गई। इस हादसे में कैंटर का टायर बदल रहे क्लीनर और पिकअप गाड़ी चालक को गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर पहुंची पुलिस और यमुना एक्सप्रेस-वे कर्मियों ने घायलों को उपचार के लिए जिम्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है कि दोनों घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। गुरुवार की रात नोएडा से आगरा की ओर कैंटर वाहन जा रहा था। कैंटर को चालक रामलखन चला रहे थे। अचानक दनकौर कोतवाली क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर कैंटर वाहन का अगला टायर फट गया। बीच सड़क पर ही वाहन का क्लीनर जालौन का रहने वाले कालीचरण टायर बदलने लगे। इसी बीच अचानक तेज गति से पीछे से आ रहे पिकअप वाहन ने कैंटर में जोरदार टक्कर मार दी।

कार चालक ने पुलिसकर्मियों को मारी टक्कर

नोएडा। सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराने जा रहे दो पुलिसकर्मियों को कार चालक ने टक्कर मार दी। घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें नाजुक अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को रात करीब 10 बजे सूचना मिली थी कि सेक्टर-37 फ्लाईओवर पर हादसा हो गया है। इस हादसे में एक राहगीर गंभीर रूप से घायल हो गया था। पीआरबी 3848 पर तैनात पुलिसकर्मी अंकित और सहदेव मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मी हादसे में घायल व्यक्ति को गाड़ी में बैठा रहे थे। इसी बीच पीछे से तेज गति से आ रहे कार चालक ने पुलिसकर्मियों को टक्कर मार दी। इस घटना में अंकित और सहदेव गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। दोनों के पैर और हाथ में चोट आई है। पुलिसकर्मियों ने देर शाम आरोपी चालक के खिलाफ थाने में कोई शिकायत नहीं दी थी।

निर्माणाधीन कांप्लेक्स को ध्वस्त करने का भेजा नोटिस

नोएडा। नोएडा में हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 28 अगस्त को बैमानी की इमारत ट्विन टावर को ध्वस्त किया गया। इसके बावजूद नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने सबक नहीं लिया। लगातार शिकायत जाने के बाद भी प्राधिकरण ने होशियारपुर में लगभग 50 हजार वर्गमीटर में बन रहे कमर्शियल कॉम्प्लेक्स का निर्माण नहीं रूकवाया। जबकि उसमे कई बेसमेंट समेत मंजिलों का निर्माण हो गया। शिकायत प्राधिकरण के भू लेख अधिकारियों तक पहुंची तो शुक्रवार को नोएडा प्राधिकरण ने निर्माणकर्ता को ध्वस्तीकरण का नोटिस ही जारी नहीं किया बल्कि उसका निर्माण कार्य भी रुकवाया। सूत्र बताते है कि वर्क सर्किल व अवर अभियंता और पटवारी स्तर के लोगों से सांठगांठ करके अवैध निर्माण कराया जा रहा था। जिसकी शिकायत शासन स्तर पर हो चुकी थी। ऐसे में गर्दन फंसती देख अधिकारियों ने तत्काल कार्यवाही की। नोटिस के तहत सात दिन में अनाधिकृत निर्माण को स्वयं ध्वस्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सात दिन के अंदर यदि अनाधिकृत निर्माण को लेकर कोई उत्तर देना है तो उसे वर्क सर्किल-5 में दिया जाए। सात दिन में यदि कोई जवाब नहीं दिया जाता तो माल लिया जाएगा कि आप इस संबंध में कुछ कहना नहीं चाहते। ऐसे में प्राधिकरण स्वयं इस स्ट्रक्चर को गिराएगी और इस पर आने वाले खर्चे को वसूल करेगी। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि ये अवैध निर्माण होशियारपुर के खसरा नंबर-483 पर कराया जा रहा था। सूत्र बताते है कि 1994 में उच्चतम न्यायालय में एक याचिका पर कई खसरा नंबर को स्थगित कर दिया था। उसमे खसरा नंबर 483 भी था। जिस पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं किया जा सकता था। बावजूद इसके सर्किल जेई और पटवारी के साथ सांठगांठ कर यहां अवैध निर्माण कराया जा रहा था। बीते कुछ दिनों से कमर्शियल कॉम्प्लेक्स का काम बहुत ही तेजी से किया जा रहा था। यहां 24 घंटे काम किया जा रहा था। ताकि जल्द से निर्माण पूरा हो सके। बताया गया रविवार को इस प्रतिष्ठान पर स्लेप पड़नी थी। लेकिन इससे पहले ही प्राधिकरण ने पूरे प्रतिष्ठान को सील कर दिया।

किसानों से जमीन खरीदने को गांवों में लगेगा शिविर

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बसा रहा है आठ नए औद्योगिक सेक्टर

ग्रेटर नोएडा। बीते कुछ वर्षों में औद्योगिक निवेश के लिए ग्रेटर नोएडा की तरफ उद्यमियों का रुझान तेजी से बढ़ा है। देश व विदेशों की कई कंपनियां ग्रेटर नोएडा में जमीन पाने के लिए आतुर हैं। उनकी मांग को देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण आठ नए औद्योगिक सेक्टर बसा रहा है। इसके लिए करीब 900 हेक्टेयर जमीन खरीद रहा है। अब तक आधी से अधिक जमीन खरीद चुका है। शेष जमीन खरीदने के लिए प्राधिकरण गांवों में शनिवार से शिविर लगाएगा। शिविर का शेड्यूल जारी कर दिया गया है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के एसीईओ दीप चंद्र ने बताया कि उद्योगों के लिए जमीन की मांग को देखते हुए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण आठ नए सेक्टर ईकोटेक 7, 8, 9, 12ए, 16, 19, 19ए और ईकोटेक 21 बसा रहा है। इन सेक्टरों के लिए प्राधिकरण करीब 900 हेक्टेयर जमीन का इंतजाम किया जा रहा है। इन सेक्टरों के बसने से उद्यमियों को जमीन मिल सकेगी। इससे करोड़ों रुपये का निवेश और हजारों लोगों को रोजगार मिल मिल सकेगा।

शनिवार से होगी शिविर की शुरुआत

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ व मेरठ मंडलायुक्त सुरेन्द्र सिंह के निर्देश पर किसानों से आपसी सहमति के आधार पर जमीन शीघ्र प्राप्त करने के लिए गांवों में शनिवार से शिविर लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शनिवार (03 सितंबर) को सुबह 11 से शाम पांच बजे तक कैलाशपुर के प्राथमिक विद्यालय में शिविर लगाया जाएगा। 10 सितंबर को आमका के प्राथमिक विद्यालय में, 17 सितंबर को खेड़ी के प्राथमिक विद्यालय में, 24 सितंबर को सुनपुरा के प्राथमिक विद्यालय में, 01 अक्तूबर को जौनसमाना के प्राथमिक विद्यालय में, 08 अक्तूबर को धूम-मानिकपुर के प्राथमिक विद्यालय में, 15 अक्तूबर को भोला रावल के प्राथमिक विद्यालय में, 22 अक्तूबर को खोदना कलां के प्राथमिक विद्यालय में, 29 अक्तूबर को लडपुरा के प्राथमिक विद्यालय में और 05 नवंबर को अटाई मुरादपुर के प्राथमिक विद्यालय में शिविर लगाया जाएंगे। इन सभी जगहों पर शिविर लगाने का समय सुबह 11 से शाम पांच बजे तक रहेगा।

इन सेक्टरों में ली जाएगी इतनी जमीन --

सेक्टर	एरिया (हेक्टेयर में)
ईकोटेक 7	109
ईकोटेक 8	161
ईकोटेक 9	170
ईकोटेक 12ए	191
ईकोटेक 16	45
ईकोटेक 19	60
ईकोटेक 19ए	80
ईकोटेक 21	83

इन गांवों में ली जा रही जमीन

नौ नए औद्योगिक सेक्टर बसाने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण जिन गांवों की जमीन खरीद रहा है, उनमें पौव्वारी, इमिलियाका, अटाई, मुरादपुर, लुक्सर, दादूपुर, लड़पुरा, खानपुर, सिरसा, वैदपुरा, जौन समाना, सुनपुरा, भोला रावल, धूममानिकपुर, खेड़ी, आमका, किराचपुर, कैलाशपुर, खोदना कला, भनौता व खोदना खुर्द गांव शामिल हैं।

संपादकीय

कब तक शाहरुख, अंकिताओं को जिंदा जलाएंगे?

झारखंड के दुमका की एक नृशंस वारदात ने एक बार फिर पूरे देश को भीतरतकझकझोर दिया है।कथित एकतरफा प्यार के चक्कर में एक 23 साल के एक लड़के ने 17 साल की एक नाबालिग होनहार लड़की अंकितापर पेट्रोल डालकर उसे आग लगा दी। पांच दिन जिंदगी और मौत से चली जंग के बाद लड़की की मौत हो गई है। घटना को लेकर झारखंड के कई जिलों में विरोध प्रदर्शन जारी है देश भर में लोगों में जबरदस्त आक्रोश है। तीन दिन से इस दुस्साहस भरी वारदात के विरोध में दुमका में तमाम बाजार बंद है। लोग हत्यारे लवजेहादी को फांसी देने की मांग कर रहे हैं। लेकिन हत्यारा पुलिस कस्टडी में भी मुस्करा रहा था मानो इस देश की लुंज पुंज कानून व्यवस्था पर हंस रहा हो। घटना क्रम के अनुसार नाबालिग छात्रा अंकिता को पिछले दो साल से उस के पडोस में रहने वाला 23साल का मुस्लिम युवक आए दिन परेशान करता था। वह एक तरफा प्यार का इजहार कर चुका था अंकिता के इंकार से नाराज था। इसी 22 अगस्त को शाहरुख ने अंकिता को कहीं से मोबाइल नंबर जुटा कर काल किया था और उस पर अंकिता ने जवाब नहीं दिया। 23 अगस्त को ही शाहरुख अलसुबह अंकिता के घर पहुंच गया। खिड़की तोड़ी और उस पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। अंकिता के घरवालों ने चीख सुनी तो उस पर पानी डाला, कंबल में लपेटा मगर आग नहीं बुझी. अंकिता को दुमका मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया. यहां पुलिस ने अंकिता का बयान लिया और शाहरुख की तलाश शुरू की। शाहरुख और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मौत से ठीक पहले 12 वी में पढ़ने वाली अंकिता ने आप बीती बयान की उसका एक वीडियो सामने आया, जिसमें अंकिता ने कहा कि आरोपी शाहरूख सुबह पांच बजे मुझे मारने पेट्रोल का केन लेकर मेरे घर आया था। अंकिता ने कहा.. जैसे मैं तड़प रही हूं, वैसी ही मौत उसे भी मिलनी चाहिए। अंकिता का वायरल वीडियो उसके साथ किए गए पाश विकव्यवहार को चीख चीख कर बयान करता है। वीडियो में अंकिता मरने से पहले अपील की थी कि उसके गुनाहगार को कड़ी से कड़ी सजा मिले। अंकिता ने अपने साथ हुए हादसे को एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट चंद्रजीत सिंह और एसडीपीओ नूर मुस्तफा के सामने बताया है। उसने आरोपियों का नाम भी लिया है। साथ ही उसने प्रशासन से अपील की है कि जिस तरह से तड़पते हुए वो मर रही है। उसी तरह से उसके गुनाहगारों को भी मौत की सजा दी जाए। उसने बताया कि घटना 23 अगस्त की सुबह पांच बजे के आसपास की है। मैं अपने कमरे में सो रही थी, अचानक कमरे की खिड़की के पास आग की लपटें देखकर मैं डर गई। जब मैंने खिड़की खोली तब देखा कि मोहल्ले का शाहरुख हुसैन हाथ में पेट्रोल का कैन लिए मेरे घर की तरफ से भाग रहा था। तब तक आग मेरे शरीर में भी लग चुकी थी और मुझे काफी जलन सी महसूस हो रही थी। अंकिता ने बताया, मैं सिर्फ यही देख पाई कि ब्लू टीशर्ट पहने, हाथ में पेट्रोल की कैन लिए शाहरुख भाग रहा था। ये वही शाहरुख था जो पिछले 10-15 दिन से मुझे परेशान कर रहा था। मोहल्ले में उसे आवारा किस्म के लड़के के रूप में सब जानते थे। उसका काम सिर्फ लड़कियों को परेशान करना और उन्हें अपने झांसे में लेकर इधर-उधर घुमाना था। पिछले दस-पंद्रह दिन से वह मेरा पीछा कर रहा था। जब भी मैं स्कूल या ट्यूशन के लिए जाती, वह मेरा पीछा करता। हालांकि, मैंने कभी उसकी हरकतों को गंभीरतासेनहीं लिया, लेकिन उसने कहीं से मेरे मोबाइल का नम्बर जुगाड़ लिया था। उसके बाद अक्सर मुझे फोन करके मुझसे दोस्ती करने का दबाव बनाने लगा। अंकिता के मुताबिक, शाहरुख ने धमकी भी दी थी कि अगर मैं उसकी बात नहीं मानूंगी तो वह मुझे और मेरे परिवार वालों को मार देगा। मुझे उसकी हरकतों का अंदेशा तो था, लेकिन यह नहीं समझ पाई कि मेरे साथ ऐसा होगा। 22 अगस्त की रात उसने मुझे धमकी दी थी कि अगर मैं उसकी बात नहीं मानूंगी तो वह मुझे मारेगा। मैंने पापा को यह बात बताई तो उन्होंने कहा कि सुबह होने के बाद इस मामले का हल निकाला जाएगा।

नोएडा के ढहाए गए ट्विन टावर के गुबार में छिपे हैं ढेरों बड़े सवाल

शहर और बड़े कस्बे में अतिक्रमण के असली जिम्मेदार राजनीतिक दल हैं, इनमें सभी दल शामिल हैं। फिर चाहे वो राष्ट्रीय हों या क्षेत्रीय हों। अतिक्रमण कर बसी बस्तियां राजनीतिक दलों के नेताओं के थोक वोट बैंक का काम करती हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेश से नोएडा स्थित भ्रष्टाचार के ट्विन टावर को जमींदोज कर दिया गया। गैरकानूनी तरीके से खड़े किए गए टावर बेशक ढहा दिए गए पर इससे उठे गुबार में ढेरों सवाल छिपे हुए हैं। सबसे बड़ा और प्रमुख सवाल यह है कि आखिर ऐसी नौबत ही क्यों आती है कि अतिक्रमण कर बनाई गई किसी स्थायी-अस्थायी सम्पत्ति को अदालतों के आदेश से ढहाया जाए। यह पहला मौका नहीं है जब अदालत के आदेश से अतिक्रमण को ढहाया गया हो, इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट, राज्यों के हाई कोर्ट और स्थानीय अदालतें रिहायशी में व्यवसायिक गतिविधियां, वन तथा सरकारी भूमि पर हुए अतिक्रमणों के खिलाफ सैंकड़ों फैसले दे चुके हैं। सवाल यही है कि क्या इस टावर के ढहाने के बाद सरकारों और अधिकारियों की आंखें खुलेंगी। क्या देश में पसरते जा रहे अतिक्रमण के खिलाफ ऐसा कोई अभियान चलाया जाएगा जिससे लोग सुकून की सांस ले सकें। सुप्रीम कोर्ट ने एमसी मेहता बनाम केंद्र सरकार के मामले में 14 अगस्त 2020 को फैसला देते हुए सार्वजनिक भूमि पर हुए अतिक्रमण को अवैध मानते हुए हटाने के निर्देश दिए थे। इसी तरह दिसंबर 2017 में दिए गए निर्णय में सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे की सम्पत्ति पर सभी तरह के अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। इस फैसले में अतिक्रमण के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए गए थे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 21 जुलाई 2022 को दिए गए एक फैसले में गुड़गांव और फरीदाबाद जिले की 1100 एकड़ वन भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाने के लिए केंद्र और हरियाणा सरकार को निर्देश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से प्रशासन और हरियाणा सरकार के हाथ पैर फूले हुए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने ही 7 जून 2021 को हरियाणा सरकार और फरीदाबाद नगर निगम को अरावली रेंज की पहाड़ी क्षेत्र में आने वाले 10 हजार पक्के रिहायशी निर्माण को ढहाने के निर्देश दिए थे। अतिक्रमण के ये वो मामले हैं जो सुप्रीम कोर्ट तक जैसे-तैसे पहुंचे हैं। देश में लाखों अतिक्रमण के मामले ऐसे हैं, जो कोर्ट तक नहीं पहुंचे, इनकी चिंता न स्थानीय प्रशासन को है और न ही राज्य सरकारों को। वोट बैंक के लिहाज से ऐसे अतिक्रमण बर्र के छत्ते हैं, जिनमें हाथ डालने का मतलब है कि वोट बैंक का खिसकना, जिसे कोई भी राजनीतिक दल मंजूर नहीं कर सकता। शहर और बड़े कस्बे में अतिक्रमण के असली जिम्मेदार राजनीतिक दल हैं, इनमें सभी दल शामिल हैं। फिर चाहे वो राष्ट्रीय हों या क्षेत्रीय हों। अतिक्रमण कर बसी बस्तियां राजनीतिक दलों के नेताओं के थोक वोट बैंक का काम करती हैं। क्षेत्रीय नेता ऐसी बस्तियों के अतिक्रमण हटाने पर सड़कों पर उतर आते हैं। पार्षद से लेकर सांसद और मंत्रियों तक का अतिक्रमियों को संरक्षण प्राप्त है। ऐसे में शासन-प्रशासन में किसी की हिम्मत नहीं होती कि अतिक्रमणकारियों को सरकारी भूमि से बेदखल कर सके। यही वजह है कि बांग्लादेशियों का अतिक्रमण देश से आज तक नहीं हट पाया। कूच बिहार और बंगाल के बाशिंदे होने के नाम पर बांग्लादेशी पूरे देश में विषबेल की तरह फैले हुए हैं। राजनीतिक दल अवैध बस्तियों का किस हद तक संरक्षण करते हैं, इसका उदाहरण पश्चिमी बंगाल की ममता बनर्जी की सरकार है, जिसने पहले ही साफ कह दिया कि एक भी बांग्लादेशी को दरबदर नहीं किया जाएगा। कारण साफ है ज्यादातर बांग्लादेशी मुसलमान हैं और ये ममता बनर्जी का बड़ा वोट बैंक हैं। अतिक्रमण के मामलों की विषबेल बढ़ती ही जा रही है। नियमानुसार तो हर शहर की स्थानीय निकाय शहर की बसावट के लिए मास्टर प्लान और उसके उप प्लान के हिसाब से शहर बसाने का दावा करती हैं। इसके बावजूद देश का शायद ही ऐसा कोई शहर होगा, जिसे निर्धारित मास्टर प्लान के अनुरूप विकसित किया गया होगा।

अर्थव्यवस्था की तेज गति को देखते हुए भारत में अब मंदी की कोई संभावना नहीं है

प्रह्लाद सबनानी

देश की रक्षा एजेंसियों, विशेष रूप से डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन), द्वारा भारत को रक्षा उपकरणों के निर्यातक देशों की श्रेणी में ऊपर लाने की लगातार कोशिश की जा रही हैं एवं अब इसके सुखद परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं।

अभी हाल ही में एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय निवेश प्रबंधन एवं वित्तीय सेवा कम्पनी मोर्गन स्टेनली के अर्थशास्त्रियों ने एक प्रतिवेदन जारी कर कहा है कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारत एशिया में सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बन कर उभरने जा रहा है। इनके अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल कर लेगी जो विश्व में सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी एवं भारत का एशियाई एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था के विकास दर में क्रमशः 28 प्रतिशत एवं 22 प्रतिशत का योगदान रहने जा रहा है। भारत में सुदृढ़ आर्थिक मांग उत्पन्न होने की प्रबल सम्भावनाएं मौजूद हैं। साथ ही, आर्थिक सुधार कार्यक्रम भी तेजी से लागू किये जा रहे हैं। देश में पर्याप्त मात्रा में युवा श्रम शक्ति मौजूद है एवं व्यापार में लगातार निवेश बढ़ रहा है। अभी हाल ही में ब्लूम्बर्ग द्वारा संपन्न किए गए एक सर्वे के अनुसार कोविड महामारी एवं रूस यूक्रेन युद्ध के बीच भारत में मंदी की शून्य सम्भावना है जबकि कई विकसित एवं विकासशील देश भी मंदी की परेशानी से जूझ रहे हैं। यह भारत के लिए एक अच्छी खबर कही जा सकती है।

दरअसल भारत ने पिछले 8 वर्ष के दौरान आर्थिक क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण फ़ैसले लिए हैं जिनका प्रभाव अब भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। जो क्षेत्र अभी तक लगभग पूर्णतः आयात पर निर्भर थे, उन क्षेत्रों से भी निर्यात अब बहुत तेज गति पकड़ रहा है। जैसे कि खिलोना उद्योग, सुरक्षा उपकरण निर्माण उद्योग, फार्मा उद्योग, सूचना प्रौद्योगिकी, ऑटो उद्योग आदि आदि।

भारतीय खिलौना उद्योग से पूरी दुनिया भर को निर्यात किया जा रहा है और अब भारतीय खिलौना बाजार वैश्विक आकार लेता दिखाई दे रहा है। उद्योग मंडल फिक्की और केपीएमजी की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय खिलौना बाजार वर्ष 2024-25 तक बढ़कर 200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाने का अनुमान है। आंकड़ों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले 3 वर्षों में भारत से खिलौना निर्यात में 61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पहले भारत घरेलू स्तर पर तैयार खिलौनों का सिर्फ लगभग 400 करोड़ रुपए का निर्यात करता था, लेकिन अब ये आंकड़ा 2600 करोड़ रुपये को पार कर गया है।

देश की रक्षा एजेंसियों, विशेष रूप से डीआरडीओ (डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन), द्वारा भारत को रक्षा उपकरणों के निर्यातक देशों की श्रेणी में ऊपर लाने की लगातार कोशिश की जा रही हैं एवं अब इसके सुखद परिणाम भी दिखाई देने लगे हैं। भारत जल्द ही दुनिया के कई देशों यथा फिलीपींस, वियतनाम एवं इंडोनेशिया आदि को ब्रह्मोस मिसाइल भी निर्यात करने की तैयारी कर रहा है। कुछ अन्य देशों जैसे सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात एवं दक्षिण अफ्रीका आदि ने भी भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने में अपनी रुचि दिखाई है। ध्वनि की रफ्तार से तीन गुना तेज, माक 3 की गति से चलने वाली और 290 किलोमीटर की रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइलें भारत-रूस सैन्य सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। जमीन, आकाश और समुद्र स्थित किसी भी लांच उपकरण से छोड़े जा सकने वाले ब्रह्मोस की खूबी यह है कि यह अपनी तरह का अकेला क्रूज मिसाइल है। आज भारत से 84 से अधिक देशों को रक्षा उपकरणों का निर्यात किया जा रहा है। इस सूची में कतर, लेबनान, इराक, इक्वाडोर और जापान जैसे देश भी शामिल हैं जिन्हें भारत द्वारा बॉडी प्रोटेक्टिंग उपकरण, आदि निर्यात किए जा रहे हैं। 1970 के दशक में अस्तित्व में आया भारत का सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग आज देश और दुनिया में नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। इंडस्ट्री बॉडी नेस्कॉम की 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष आईटी सेक्टर में 15.5 प्रतिशत की विकास दर दृष्टिगोचर होने की पूरी सम्भावना है। आज आईटी सेक्टर में करीब 50 लाख लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला हुआ है। जिसमें लगभग 18 लाख महिलाएं शामिल हैं और आईटी सेक्टर का आकार 200 अरब डॉलर से भी अधिक का है। भारत का आईटी सेक्टर जिस तरह से आगे बढ़ रहा है, वो दिन दूर नहीं जब दुनिया की सबसे बड़ी आईटी कंपनियों में बस भारत की ही कंपनियों का नाम शुमार होगा।

सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग की तर्ज़ पर ही भारत का इलेक्ट्रॉनिक वाहन बाजार भी बहुत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस (आईईएसए) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 से वर्ष 2030 के बीच भारत का इलेक्ट्रिक वाहन बाजार 49 प्रतिशत की दर से प्रगति करेगा, इतना ही नहीं इन वाहनों की वार्षिक बिक्री भी 1.7 करोड़ यूनिट तक होने की सम्भावना है। भारत में लिथियम आयन बैटरी की मांग वर्ष 2030 तक सालाना स्तर पर 41 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक दर से बढ़कर 142 गीगा वाट तक पहुंच सकती है। घरेलू बाजार में इलेक्ट्रोनिक वाहनों का 50 प्रतिशत हिस्सा दोपहिया वाहनों की बिक्री का लगभग 4.67 लाख यूनिट के रूप में है। भारत में वर्ष 2021 में ई-रिक्शा की मांग के कारण लेड एसिड बैटरी का हिस्सा 81 प्रतिशत का रहा है।

उक्त वर्णित क्षेत्रों के अलावा अन्य कई क्षेत्रों में भी भारत से निर्यात में लगातार प्रभावशाली वृद्धि दर हासिल की जा रही है, क्योंकि भारत के उत्पादों की पूरी दुनिया में मांग बढ़ रही है। इसीलिए भारत सरकार द्वारा भारत से किए जाने वाले निर्यात को वर्ष 2030 तक दो लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए भारत के 100 भारतीय उत्पादों को ग्लोबल चैंपियन बनाये जाने के प्रयास किए जाएंगे और देशभर में आर्थिक क्षेत्र स्थापित किए जाएंगे। वर्ष 2012-22 में देश का वस्तु व सेवा निर्यात 67500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है, जिसे 2030 तक 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके लिए बाहरी देशों के साथ लगातार मुक्त व्यापार समझौते किये जा रहे है। उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद भारत वर्ष 2030 तक विश्व व्यापार के विदेश व्यापार में योगदान देने वाले पहले तीन-चार देशों में शामिल हो जाएगा।

खिलौना उत्पादों एवं रक्षा उत्पादों के साथ ही प्रौद्योगिकी, सूचना तकनीकी, आटोमोबाईल, फार्मा, मोबाइल उत्पादन, नवीकरण ऊर्जा, डिजिटल व्यवस्था, बुनियादी क्षेत्रों का विकास, स्टार्ट अप्स, ड्रोन, हरित ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में भी भारत अपने आप को तेजी से वैश्विक स्तर पर स्थापित कर रहा है। भारत में लगातार तेज गति से आगे बढ़ रही अर्थव्यवस्था और निर्यात में लगातार हो रही चहुन्मुखी प्रगति तथा देश के पास पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध विदेशी मुद्रा भंडार के चलते ही वैश्विक आर्थिक संस्थान लगातार यह आभास दे रहे हैं कि भारत में मंदी की सम्भावनाएं लगभग शून्य ही हैं।

भारत में बाल श्रम का विकराल रूप, बगले झांकती मानवाधिकार संस्थाएं

संविधान के अनुसार 18 साल से कम उम्र का बच्चा यदि घरेलू कामों से अलग अन्य कार्यों जैसे कारखाना, होटल हलवाई या अन्य जगह कार्य करता है तो उसे बाल श्रमिक माना जाता है। कानूनी रूप से बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाया गया है। पर पूरे भारत सहित अन्य विकासशील देशों में बाल श्रम की बहुतायत पाई गई है। बाल श्रम केवल एक ही रूप में मौजूद नहीं है बल्कि कई अन्य रूपों में भी वह प्रचलित है, इसमें घर पर कार्य करने वाले घरेलू श्रमिकों चाय खाने-पीने की होटलों पर कार्य करते बच्चे पटाखा उद्योगों में दिन रात काम करते बच्चों के छोटे-छोटे शहरों में कचरा कूड़ा बीनते और भीख मांगते बच्चों से कार्य लिया जाना भी बाल श्रम माना जाता है। यह भी कानूनी रूप से अवैध ही है। बाल श्रम मूल रूप से भारत में व्याप्त गरीबी, भुखमरी, कुपोषण तथा बेरोजगारी जैसे कारण के कारण परिवार के लोगों द्वारा स्वयं अपने बच्चों को बाल श्रम के दलदल में फसा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त समाज में शिक्षा का अभाव, अंधविश्वास जागरूकता का अभाव तथा बच्चों के अधिकार के प्रति जानकारी का नितांत अभाव और बाल श्रम को लागू करने वाली संस्थाओं की कमजोरी के कारण बाल श्रम को बल मिलता है। बाल श्रम रोकने के लिए कानूनी प्रक्रिया में इतनी लंबी तथा महंगी होती है की इस प्रक्रिया पर रोक लगाना लगभग असंभव प्रतीत दिखाई देता है। कई परिवारों में बहुत बच्चे होने के कारण और परिवार के अभिभावकों की असामयिक मृत्यु अथवा बीमारी के कारण बच्चों पर ज्यादा जिम्मेदारी आने से बाल श्रम का सिलसिला शुरू होता है, और वह निर्बाध गति से आगे बढ़ता है। इसमें बच्चों का समाजिक, शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, प्रशासनिक जैसे सभी स्तरों पर शोषण होता है। भारत में बाल श्रम इसीलिए भी प्रचलित है क्योंकि बाल श्रमिकों को वयस्क श्रमिक से आधे से भी कम पारिश्रमिक दिया जाता है। बाल श्रमिक बहुत कम दाम पर आसानी से उपलब्ध हो जाता है। इसलिए इस सिलसिले को रोकने का प्रभावी कदम उठाए जाने चाहिए। बालकों के श्रम करने से उनमें मस्तिष्क का तनाव मानवी कुंठा तथा उन्हें दिग्भ्रमित करने की दिशा में कई स्तरों पर शोषण किया जाता है। इस तरह लाखों बच्चे सामाजिक बुराई के शोषण का शिकार होते हैं। बाल श्रम के कारण अनेक विसंगतियां के प्रमाण मिले थे जैसे मानव दुर्व्यवहार, बाल वेश्यावृत्ति जैसे अपराधों में बड़ी संख्या में वृद्धि होती है,और बाल श्रमिकों का जीवन एक दुर्घटना तथा अभिशाप बनकर रह जाता है । समाज के लिए कई परेशानियों का जन्म भी होता है। बाल श्रम करने के पश्चात भी बालकों बालिकाओं को पर्याप्त भोजन नहीं मिलने से वह कुपोषण के भी शिकार होते हैं, और बाद में कई बीमारियों के संवाहक भी बन जाते हैं। जो बालक बालिकाओं की जिंदगी के लिए अत्यंत खतरनाक एवं कष्ट दायक होता है। बाल श्रम रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा कई प्रयास किए बाल श्रम उन्मूलन अधिनियम 1986 का यदि कड़ाई से पालन किया जाए तो बाल श्रम को रोका जा सकता है । इसका क्रियान्वयन करने वाली एजेंसियां ही एकदम ढीली एवं संदेशों से परे नहीं है। इन एजेंसियों में नियोजक द्वारा क्रियान्वयन की जाने वाली एजेंसियों के अधिकारियों के साथ भ्रष्टाचार करके इसे लालफीताशाही की चादर ओढ़ा दी जाती है। ऐसे में लाखों बच्चे बाल श्रम की आग में झोंक दिया जाते हैं। भारत में बाल श्रम उन्मूलन अधिनियम 1986 एवं प्राथमिक शिक्षा अधिकार 2009, राष्ट्रीय पोषण मिशन, राष्ट्रीय बाल श्रम निवारण योजनाएं बनाई गई है। इनके क्रियान्वयन में को की लेटलतीफी के कारण लाखों बच्चे अभी भी बाल श्रम में उलझे हुए हैं। अपनी जिंदगी को स्वयं अपने कंधों पर ढोने पर मजबूर हो रहे हैं।

ऐसे में दुनिया भर की मानव अधिकार संस्थाएं क्यों मौन है। इतने कानून बनने के बाद भी बाल श्रमिकों की संख्या हर वर्ष क्यों बढ़ते जा रही है। यह एक विचारणीय प्रश्न है। बाल श्रमिकों पर जब भी संसद या विधायिका में प्रश्न उठाए जाते हैं तो मानव अधिकार की संस्थाएं क्यों बगले झांकने लगती है।

अभियांताओं के कड़ी मेहनत से निर्मित होती हैं वैभवशाली इमारतें

किसी भवन निर्माण के स्थापत्य को देखकर उसके निर्माणकर्ता और उसके नियोजित संगठन करने वाले अभियांत्रिकी के प्रमुख को अवश्य ही याद किया जाता है। प्राचीन काल से लेकर वर्तमान आधुनिकता के दौर में मानव सभ्यता ने आदिमानव के पाषाण काल से लेकर वर्तमान के गगनचुंबी इमारतों के दौर तक का गौरवशाली सफर किया है। प्रतिवर्ष तीन सितंबर को गगनचुंबी इमारत दिवस के रूप में मनाया जाता है। दुनिया भर में, गगनचुंबी इमारतों ने लोगों की विशद कल्पना और रचनात्मकता को परिभाषित किया है। गगनचुंबी इमारत कई मंजिलों वाली एक लंबी रहने योग्य इमारत है। ये ऊँची इमारतें लगभग 100 मीटर से 850 मीटर ऊँची हैं। लुइस एच. सुलिवन जिन्हें अक्सर %आधुनिक गगनचुंबी इमारतों का जनक कहा जाता है। उन्होंने 1880 के दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका की ऊंची इमारतों को गढ़ा गया था। उन्होंने वेनराइट बिल्डिंग, बेयार्ड-कॉन्डिक्ट बिल्डिंग, क्रूस म्यूजिक स्टोर और अन्य प्रसिद्ध इमारतों के पीछे मुख्य वास्तुकार थे। प्राचीन काल में वास्तुकला को समस्त कलाओं की जननी कही जाती थी। लेकिन वृत्ति के परिवर्तन के साथ और संबद्ध व्यवसायों के भाग लेने पर यह समावेशक संरक्षण की मुहर अब नहीं रही। वास्तुकला पुरातन काल की सामाजिक स्थिति को प्रकाश में लाने वाला मुद्रणालय भी कही गई है। यह वहीं तक ठीक है, जहाँ तक सामाजिक एवं अन्य उपलब्धियों का प्रभाव है। वास्तुकला भवनों के विन्यास, आकल्पन और रचना, परिवर्तनशील समय, तकनीक और रुचि के अनुसार मानव की आवश्यकताओं को संतुष्ट करने योग्य सभी प्रकार के स्थानों के तर्कसंगत एवं बुद्धिसंगत निर्माण की कला को कहते हैं। विज्ञान तथा तकनीक का संमिश्रण वास्तुकला की परिभाषा में आता है। इसका और भी स्पष्टीकरण किया जा सकता है। वास्तुकला किसी स्थान को मानव के लिए वासयोग्य बनाने की कला है। अतः कालांतर में यह चाहे जितनी जटिल हो गई हो, इसका आरंभ मौसम की उग्रता, वन्य पशुओं के भय और शत्रुओं के आक्रमण से बचने के प्रारंभिक उपायों में ही हुआ होगा।

मेक इन इंडिया - विमान वाहक युद्धपोत बनाने में भारत की आत्मनिर्भरता की क्षमता का प्रदर्शन

भारत विमान वाहक युद्धपोत बना सकने वाले देशों के क्लब में शामिल - यह भारत के आत्मविश्वास और कौशल का प्रतीक - एडवोकेट किशन भावनानी

सृष्टि में युद्ध कोई नया शब्द नहीं है। हजारों वर्ष पूर्व से ही युद्ध होते आ रहे हैं जो अधिकांशतः पारंपरिक युद्ध, अंतरराज्यीय युद्ध हुआ करते थे, जिसमें तीर कमान, डंडे, बाण कुछ छोटे-मोटे अस्त्रों का प्रयोग किया जाता था और उनके वाहक घोड़े, हाथी सहित कुछ पशु हुआ करते थे। भारत में हम रामायण महाभारत इत्यादि ग्रन्थों, पुराणों में बचपन से सुनते आ रहे हैं। परंतु वर्तमान प्रौद्योगिकी युग में असत्रों शस्त्रों वाहनों का स्थान पूरी तरह प्रौद्योगिकी ने ले लिया है अब युद्ध के लिए भूगोल बाधा नहीं रह गया है जो हमने 9/11 की घटना के रूप में देखा हिंसा अब वैश्विक रूप ले चुकी है। वर्तमान में हम यूक्रेन-रूस, ताइवान-चीन की स्थिति और उससे उत्पन्न तीसरे विश्वयुद्ध के खतरे की बातें हो रही है, इसीलिए आज हर देश अपनी सेना को प्रौद्योगिकी से मजबूत और आत्मनिर्भर बनने की राह पर चल पड़ा है, चूंकि आज किसी भी देश को रणनीतिक रूप से युद्ध में घेरने के लिए समुद्री क्षेत्र महत्वपूर्ण होता जा रहा है जिसका उदहारण हम चीन, अमेरिका और रूस की ताकत मीडिया में देख रहे हैं। इसी कड़ी में भारत ने भी अपने आत्मनिर्भर भारत की कड़ी में रक्षा क्षेत्र में कदम बढ़ाते हुए आई एन एस विक्रांत स्वदेशी भारतीय विमान वाहक युद्धपोत को भारतीय नौसेना में शामिल कर दिया है अब भारत स्वदेशी युद्धपोत बना सकने वाले क्लब में शामिल हो गया है जो भारत के आत्मविश्वास और कौशल का प्रतीक है इसलिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से आई एन एस विक्रांत पर चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम आईएनएस विक्रांत जिसे 2 सितंबर 2022 को माननीय पीएम के हस्ते भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है की करें तो, पीआईबी के अनुसार भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत चालू होना भारत की आजादी के 75 साल के अमृतकाल के दौरान देश के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है और यह देशके आत्मविश्वास और कौशलता प्रतीक भी है। यह स्वदेशी विमानवाहक पोत देश के तकनीकी कौशल एवंइंजीनियरिंग कौशल का प्रमाण है।विमानवाहक युद्धपोत बनाने में भारत की आत्मनिर्भरता की सक्षमता का प्रदर्शन, देश के रक्षा स्वदेशीकरण कार्यक्रमों और %मेक इन इंडिया% अभियान को सुदृढ़ करेगा। आईएनएस विक्रांत के चालू होने के साथ, हमारा देश विश्व के उन विशिष्ट देशों के क्लब में प्रवेश कर गया है जो स्वयं अपने लिए विमान वाहक बना सकते हैं और इस उत्कृष्ट इंजीनियरिंग का भागीदार बनना सेल के लिए बेहद खुशी की बात है। साथियों बात अगर हम पड़ोसी और विस्तारवादी मुल्क की दादागिरी पर लगाम लगाने की करें तो, सामरिक अनिश ?चिता के इस युग में खतरों का पूर्वानुमान लगाना उत ?तरोत ?तर कठिन होता जा रहा है। अक ?सर हमें कुछ ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों का भी सामना करना पड़ता है जहां राजनैतिक उद्देश्यों के साथ आपराधिक मंशा और कृत्यों का भी समावेश होता है।हमारे कुछ शत्रुओं की विशेषता उनका अदृश्य, अनाकार विविध, वैश्विक, घातक और कट्टर वरूप है। इन खतरों का मुकाबला करने के लिए भारत को अपनी संपूर्ण राजनयिक, आर्थिक एवं सैन्य ताकत का उपयोग करना होगा। समुद्र में विस्तार वादी देश की दादागिरी पर लगाम लगाने और पड़ोसी मुल्कों के शैतानी मंसूबों को ध्वस्त करने के लिए भारतीय नौसेना ने समुद्र में तैरता एक दमदार और खतरनाकएयरफील्ड तैयार कर किया है। भारत का पहला स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनसी विक्रांत अब शामिल हो चुका है, इस एयरक्राफ्ट से विस्तारवादी देश को सबसे ज्यादा तकलीफ तो इस बात की है कि उसका 70 से 80 फीसदी एनर्जी ट्रेड भारतीय समुद्री सीमा से होकर गुजरता है, ऐसे में भारत जब चाहे उसे बाधित कर सकता है। वहीं पड़ोसी मुल्क से निपटने के लिए अरब सागर में भारतीय नौसेना का कैरियर बैटल ग्रुप तो तैनात है, लेकिन बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर के इलाके पर अपनी ताकत को बरकरार रखने के लिए जल्द ही एक औरकरियर बैटल ग्रुप तैनात होगा। साथियों बात अगर हम आईएनएस विक्रांत की विराटता और क्षमता की करें तो, इस एयरक्राफ्ट कैरियर की विमानों को ले जाने की क्षमता और इसमें लगे हथियार इसे दुनिया के कुछ खतरनाक पोतों में शामिल करते हैं। नौसेना के मुताबिक, यह युद्धपोत एक बार में 30 एयरक्राफ्ट ले जा सकता है। इनमें मिग-29के फाइटर जेट्स के साथ-साथ कामोव-31 अर्ली वॉर्निंग हेलिकॉप्टर्स, एमएच -60 आर सीहॉक मल्टीरोलहेलिकॉप्टर और एचएएल द्वारा निर्मित एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर भी शामिल हैं। नौसेना के लिए भारत में निर्मित लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट - एलसीए तेजस भी इस एयरक्राफ्ट कैरियर सेआसानी से उड़ान भर सकते हैं।मजेदार बात यह है कि भारत में बने पहले एयरक्राफ्ट कैरियर का नाम आईएनएस विक्रांत रखा गया है। जबकि इससे पहले ब्रिटेन से खरीदे गए भारतके पहले विमानवाहक पोत-एचएमएस हरक्यूलीस का नाम भी आईएनएस विक्रांत ही रखा गया था। बताया जाता है कि इसके पीछे भारत का पहले एयरक्राफ्ट कैरियर के प्रति प्यार और गौरव की भावना है। 1997 में सेवा से बाहर किए जाने से पहले आईएनएस विक्रांत ने पाकिस्तान के खिलाफ अलग-अलग मौकों पर भारतीय नौसेना को मजबूत रखने में अहम भूमिका निभाई थी। साथियों बात अगर हम आईएनएस विक्रांत से भारत की प्रतिष्ठा की करें तो, इसके निर्माण से भारत दुनियाके उन छह चुनिंदा देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जो 40 हजार टन का एयरक्राफ्ट कैरियर बनाने की क्षमता रखते हैं, बाकी पांच देश हैं अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और इंग्लैंड. नौसेना के मुताबिक, आईएनएस विक्रांत के भारत के जंगी बेड़े में शामिल होने से इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता कायम करने में मदद मिलेगी।

सूर्य हैं बस नाम के

हैं करोड़ों सूर्य लेकिन सूर्य हैं बस नाम के,
जो न दे हमको उजाला, वे भला किस काम के ?
जो रात भर जलता रहे उस दीप को दीजे दुआ सूर्य से वह श्रेष्ठ है, क्षुद्र है तो क्या हुआ !
वक्त आने पर मिला लें हाथ जो अँधियार से
संबंध कुछ उनका नहीं है सूर्य के परिवार से !

देखता हूँ दीप को और खुद में झाँकता हूँ मैं फूट पड़ता है पसीना और बेहद काँपता हूँ मैं
एक तो जलते रहो और फिर अविचल रहो क्या विकट संग्राम है,युद्धरत प्रतिपल रहो
हाय! मैं भी दीप होता, जूझता अँधियार से
धन्य कर देता धरा को ज्योति के उपहार से!!

यह घड़ी बिल्कुल नहीं है शान्ति और संतोष की
सूर्यनिष्ठा संपदा होगी गगन के कोष की यह धरा का मामला है, घोर काली रात है कौन जिम्मेवार है यह सभी को ज्ञात है
रोशनी की खोज में किस सूर्य के घर जाओगे
दीपनिष्ठा को जगाओ, अन्यथा मर जाओगे!!

शार्ट न्यूज

दस्यु ददुआ के भाई व पूर्व सांसद बालकुमार की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

बांदा। धोखाधड़ी के मामले में गैर जमानती वारंट जारी होने के बाद भी दस्यु ददुआ के भाई व पूर्व सांसद बालकुमार पटेल की गिरफ्तारी नहीं हो सकी। इस पर गुरुवार को अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वितीय गरिमा सिंह ने आरोपित बाल कुमार पटेल की संपत्ति कुर्क करने के आदेश दिए। विशेष अभियोजक अंबिका व्यास ने बताया कि शहर कोतवाली के स्वराज कॉलोनी निवासी रमाकांत त्रिपाठी ने पूर्व सांसद बालकुमार पटेल और बर्खास्त लेखपाल भानु चतुर्वेदी के खिलाफ 65 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोप है कि मौरंग खदान ठेका में पार्टनर बनाने का लालच देकर ये रुपये लिए गए थे। पार्टनर नही बनाने पर रुपये वापस मांगे गए तो उन्हें धमकाया गया। विवेचक की ओर से मामले का आरोप पत्र न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। विचाराधीन मामले में पूर्व सांसद बालकुमार पटेल निवासी मिर्जापुर और बर्खास्त लेखपाल भानु चतुर्वेदी के विरुद्ध पहले हाजिर होने का नोटिस जारी किया गया था। इसके बाद जमानती वारंट जारी हुआ। बावजूद इसके अदालत में हाजिर नहीं हुए तो गैर जमानती वारंट जारी हुआ। 22 अगस्त को अदालत ने कड़ा रुख अपनाते हुए डीजीपी को आदेश जारी किया कि पूर्व सांसद को गिरफ्तार कर 29 अगस्त तक न्यायालय में पेश किया जाए। लेकिन पुलिस पूर्व सांसद को गिरफ्तार नहीं कर सकी। गुरुवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट ने मामले में सुनवाई करते हुए पूर्व सांसद की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी कर दिया। मामले में अगली सुनवाई पांच सितंबर को होगी।

विदेश जाने से पहले अफसरों को कराया जा रहा होमवर्क, मुख्य सचिव ने जवाब तलब किया

लखनऊ। ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के लिए जाने को तैयार अधिकारियों को पहले यह बताना है कि वह किस देश में जाकर किस सेक्टर में निवेश के लिए बात करेंगे। वे वहां कितनी कंपनियों से जाकर बात करेंगे। विदेशों में रोड शो के लिए उनके प्रतिनिधिमंडल का स्वरूप क्या होगा। मुख्य सचिव ने बीस विभागों के अपर मुख्य सचिवों व प्रमुख सचिवों से यह जानकारी मांगी है। उन्होंने इस बाबत अंतिम निर्णय के लिए 3 सितंबर को बैठक बुलाई है। इन अफसरों को बताना है कि उन्होंने नीतियां बनाने, भूमि बैंक बनाने, दूसरे राज्यों की परियोजनाओं का अध्ययन करने का कितना काम किया। कई और सवालों के जवाब भी अफसरों को लिखित में देने हैं। मसलन, उनके विभाग की मौजूदा नीति से कितनी औद्योगिक इकाइयां लगीं, कितनों को इंसेंटिव दिया गया। कितने राज्यों में चल रही नीतियों का अध्ययन किया गया। यह भी बताना है कि उनके विभाग की तैयार नीतियां को कब कैबिनेट से पास कराया जाए। कब इसकी अधिसूचना जारी होगी और कब तक नीतियों का अनुवाद हो जाएगा। इसकी समय सीमा भी बतानी है।

योगी सरकार का दावा : दो लाख हेक्टेयर गैर कृषि योग्य भूमि खेती योग्य बनी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने राज्य में दो लाख हेक्टेयर ऊसर अर्थात गैर कृषि योग्य जमीन को उर्वर यानी खेती योग्य जमीन बना देने का किया है। जिस जमीन पर तिनका भी मुश्किल से उगता हो, उसे ऊसर या गैर कृषि योग्य जमीन की श्रेणी में रखा जाता है। राज्य सरकार ने एक बयान में शुक्रवार को कहा कि पं दीनदयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजना के जरिए सरकार अब तक 02 लाख हेक्टेयर से अधिक गैर कृषि योग्य भूमि को कृषि योग्य (उर्वर) बना चुकी है। इस मद में सरकार अब तक 291 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर चुकी है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बयान में कहा कि ऊसर जमीन को खेती योग्य बनाना समय की मांग है। दरअसल बढ़ती आबादी, औद्योगीकरण और अन्य विकास कार्यों की वजह से उपलब्ध भूमि का रकबा साल दर साल घट रहा है। इसलिये इन कार्यों की वजह से हर साल जमीन के रकबे में 40 से 50 हजार हेक्टेयर की कमी आ रही है। नतीजन खेती का रकबा भी घट रहा है। सरकार की दलील है कि ऐसे में बढ़ती आबादी की खाद्यान्न एवं पोषण सुरक्षा के लिए दो ही विकल्प बचते हैं। उपलब्ध जमीन की उपज बढ़ाई जाय और गैर कृषि योग्य भूमि को क्रमश: खेती योग्य भूमि में बदला जाय। योगी सरकार इन दोनों विकल्पों पर काम कर रही है। अब तक के नतीजे भी अच्छे रहे हैं।

झांसी : धान की फसल पर वायरस के खतरे को देखते हुए एडवाइजरी जारी

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी में धान की फसल पर वायरस के हमले से उत्पादन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए प्रशासन ने किसानों के लिए एडवाइज़री जारी की है। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि धान की फसल मे साउर्थन राईस ब्लैक स्ट्रीक्ड ड्रवार्फ वायरस के प्रकोप का खतरा है। फसल पर प्रारंभिक अवस्था में वायरस का प्रकोप होने की आशंका अधिक रहती है। इस वायरस के प्रभाव में पौधे की लंबाई प्रभावित होती है, पौधे बौने हो जाते हैं। पत्तियां अधिक गहरे हरे रंग की हो जाती हैं और कल्ले मुरझाने लगते हैं। वायरस का प्रभाव पौधे की जड़ पर भी होता है और जड़ों का विकास रूक जाता है। जडें धीरे धीरे भूरे रंग की हो जाती है जिससे प्रभावित कल्ले को खींचने पर वह आसानी से ही उखड़ जाता है। धान की विभिन्न प्रजातियों जैसे-पीबी 1962, 1718,1121, 1509, 1847, पीआर 114, 136,130,131 एवं प्लोनीर हाइब्रिड स्वीफ्ट गोल्ड बेयर और सीएसआर 30 मे इस वायरस का प्रकोप देखा गया है। उन्होंने इस बीमारी पर नियंत्रण पाने के उपाय बताते हुए कहा कि नर्सरी के प्रकोपित पौधे को रोपित नही करना चाहिए।

उप्र में भू मानचित्रों के 'जिओ रेफरेंस' का काम 02 महीने में पूरा हो : मिश्र

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने भूस्वामियों को उनकी जमीन की स्पष्ट जानकारी मुहैया कराने के लिये प्रदेश के समस्त भू-मानचित्रों के 'जिओ रेफरेंस' का काम 02 महीने के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। मिश्र की अध्यक्षता में शुक्रवार को राजस्व ग्रामों के नक्शों की जिओ रेफरेंसिंग परियोजना की समीक्षा बैठक में उन्होंने यह निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्कैनिंग योग्य मैपशीट्स की संख्या 1,18621 है। इन सभी नक्शों को दो महीने के भीतर 'जिओ रेफरेंस' तकनीक के दायरे में लाया जाए। इस काम को समय से पूरा करने के लिए उन्होंने तकनीकि कर्मियों की कमी नहीं होने देने की भी बात कही। उन्होंने कहा कि यह कार्य पूरा होने से सभी भूस्वामियों को उनकी जमीन की जानकारी स्पष्ट हो सकेगी। इसके अलावा स्कूल, कार्यालय, धार्मिक स्थल आदि के स्वामित्व वाली जमीन की लोकेशन भी सही मिलेगी। इसके माध्यम से किसानों की जमीन का रिकॉर्ड भी उपलब्ध हो जाएगा।

अमेठी : पुलिस हिरासत में युवक की मौत, परिजनों ने पिटाई को बताया मौत की वजह

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी में शुक्रवार को पुलिस हिरासत में एक युवक की मौत का मामला सामने आया है। मृतक के परिजनों ने पुलिस पर हत्या व लूट का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतक का शव पीएम हेतु भेज दिया है। पुलिस ने पूरे मामले में बताया कि पुलिस को देख कर भागते समय छत से गिरने के कारण चोट लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार सुल्तानपुर जनपद के धम्मौर थाने के निवासी दिनेश कुमार मिश्र (42 वर्ष) पर बैंक में महिला के साथ रुपये छीनने का आरोप है। मामले की शिकायत पुलिस को मिली थी। बीती रात अमेठी पुलिस आरोपी मिश्र के घर दबिश देने गई थी। पुलिस ने बताया की जब युवक को पुलिस ने देखा तो वह छत के रास्ते भागने लगा। छत से कूदने पर उसे चोट लग गई। पुलिस ने इलाज हेतु उसे गौरीगंज जिला चिकत्सालय में भर्ती कराया। जहां उसकी मौत हो गई। मृतक की पत्नी अनीता का कहना है कि पुलिसकर्मी रात में उसके घर गए थे। इस पर उसके पति को पुलिसकर्मियों ने दौड़ाया और छत से धकेल दिया। पत्नी का आरोप है कि पुलिसकर्मी उसके घर से पैसा ले गये। इतना ही नहीं पुलिस ने पति को ले जाते समय कपड़े भी नहीं पहनने दिये।

पुलिस चौकी की वसूली लिस्ट वायरल

अमिताभ ठाकुर की शिकायत पर पुलिस कमिश्नर ने दिए जांच के आदेश

वाराणसी। एक बार फिर यूपी पुलिस की कथित वसूली लिस्ट वायरल हुई है। इस बार वाराणसी के चौक थाने से जुड़ी पियरी चौकी की लिस्ट वायरल है। चौक वही थाना है जिसके अंतर्गत काशी विश्वनाथ मंदिर ज्ञानवापी मस्जिद का इलाका आता है। वाराणसी का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र साड़ी की गद्दियां भी ज्यादातर इसी थाने के इलाके में हैं। अमिताभ ठाकुर ने लिस्ट को ट्वीट करते हुए शिकायत की तो वाराणसी पुलिस कमिश्नर ने संज्ञान लिया है। तत्काल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इससे पहले भी वाराणसी के चितईपुर थाने और पड़ोसी जिले चंदौली के मुगलसराय थाने की लिस्ट सामने आई थी।

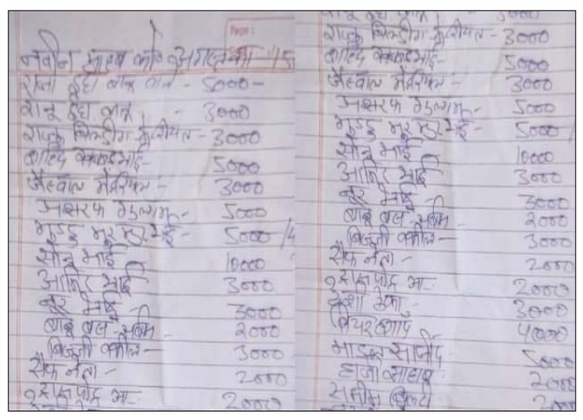

पूर्व आईपीएस अफसर और अधिकार सेना के संयोजक अमिताभ ठाकुर ने ट्वीट कर चौक थाने के पियरी चौकी से संबंधित कथित तौर पर वसूली सूची जारी की है। इस सूची में ज्यादातर नाम एक ही वर्ग के भी दिखाई दे रहे हैं। अमिताभ ठाकुर ने बताया कि उन्हें विश्वस्त सूत्रों से यह सूची प्राप्त हुई है। यह सूची अगस्त 2022 की वसूली की सूची बताई गई है।

इस सूची में कई लोगों के नाम और उनसे प्राप्त धनराशि अंकित है। अमिताभ ठाकुर के अनुसार सूचना देने वाले ने बताया कि इसमें कई अपराधियों के नाम भी हैं, जिसमे एक अपराधी कुछ दिन पहले ही जेल से छूटा है। अमिताभ ठाकुर ने इसकी शिकायत पुलिस आयुक्त से की है। जांच कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश ने इसकी जांच डीसीपी काशी जोन को सौंपी है।

मामूली विवाद में दो पक्षों में मारपीट, महिला की पीटकर हत्या

बदायूं/बिल्सी। यूपी के बदायूं में एक महिला की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। दरअसल, इलाके में कचरा डालने को लेकर दो पक्षों के बीच हुई कहासुनी हुई। ये इतना तूल पकड़ गई कि नौबत खून-खराबे की आ गई। कुछ लोगों ने महिला की पीटकर हत्या कर दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे में ले लिया है। वारदात बिल्सी कस्बा के मोहल्ला संख्या 6 में हुई। यहां रहने वाले सोहनलाल की पत्नी रामकली 52 वर्ष का घर के दरवाजे पर कचरा डालने को लेकर पड़ोस में रहने वाले एक परिवार से झगड़ा हुआ था।

बताया जा रहा है कि झगड़ा करने वाला यह परिवार उनके कुनबे का ही है। दोनों के बीच कहासुनी शुरू हुई। वही झगड़ा देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच गालीगलौज में बदल गया। इसके बाद दूसरा पक्ष हमलावर हो गया और रामलली की डंडे से पिटाई शुरू कर दी। उन्होंने बुरी तरह महिला को पीटा। महिला चीखने लगी। शोर सुनकर आसपास इलाके के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कराकर उसे बचाया। हालांकि, बचाए जाने तक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

जानकारी के मुताबिक घटना के वक्त उनका बेटा ठेला लगाकर बाजार में सब्जी बेच रहा था। झगड़ा बढ़ा और महिला की पिटाई हुई तो उनके परिवार के बच्चों ने इसकी जानकारी बेटे को दी। जानकारी मिलते ही बेटा वहां पहुंचा और बेहोशी की हालत में रामलली को इलाज के लिए सीएचसी ले गया। अस्पताल में डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

25 महीने में पूरा हो जाएगा जेवर में बन रहा नोएडा एयरपोर्ट

लखनऊ। जेवर में बन रहा नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट 25 महीने में बन जाएगा। इसके टर्मिनल बिल्डिंग और रनवे निर्माण का कार्य शुरू हो चुका है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में गुरुवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नॉयल) की 14वीं बोर्ड बैठक में यह बात ग्रेटर नोएडा के सीईओ अरुणवीर सिंह ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कही। बोर्ड बैठक में नोएडा इंटरनेशनल ग्रीनफ़ील्ड एयरपोर्ट ज़ेवर के विकास के संबंध में हुई प्रगति को बताया गया।

उन्होंने बताया कि विकासकर्ता जुरिक एयरपोर्ट की एसपीवी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड ने परियोजना के लिए डेवलपमेंट प्लान के अनुसार एयरपोर्ट के विकास के लिए टाटा प्रोजेक्ट को जिम्मा दिया है। उसने काम शुरू कर दिया है। ज़ेवर एयरपोर्ट माह सितम्बर 2024 में पूर्ण होगा। ज़ेवर एयरपोर्ट के लिए पेयजल और मल्टी मॉडल कार्गो के सम्बन्ध में भी चर्चा की गई। बैठक में सीईओ ग्रेटर नोएडा सीईओ नोएडा और निदेशक नागरिक उड्डयन ने वीडियोकान्फ्रेन्सिंग से भाग लिया तथा सचिव औद्योगिक विकास अभिषेक प्रकाश और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड नॉयल के नोडल ऑफ़िसर शैलेंद्र भाटिया बैठक में रहे।

बताया गया कि हवाई अड्डे के संचालन के लिए परीक्षण मार्च 2024 से शुरू होगा। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने मंत्री को बताया कि फिलहाल हवाईअड्डे के रनवे और मुख्य भवन का निर्माण किया जा रहा है।

श्रीकांत त्यागी के घर पहुंचा सपा का डेलिगेशन

पत्नी अनु त्यागी से जाना पूरा मामला, अखिलेश को सौंपेगे रिपोर्ट

नोएडा। नोएडा के गालीबाज नेता श्रीकांत त्यागी प्रकरण में अब समाजवादी पार्टी (सपा) की भी एंट्री हो गई है। पार्टी स्तर पर इस मामले की जांच के लिए सपा का नौ सदस्यीय एक डेलिगेशन शुक्रवार को नोएडा की ग्रैंड ओमैक्स सोसाइटी में स्थित श्रीकांत त्यागी के घर पहुंचा। सपा के नेताओं ने यहां श्रीकांत की पत्नी अनु त्यागी से मिलकर पूरा मामला जाना। सपा के डेलिगेशन ने अनु त्यागी और इंगिला त्यागी को दिनांक 5 अगस्त से 9 अगस्त तक पुलिस हिरासत में लेकर उनके साथ हुए उत्पीड़न और शोषण के बारे में जानकारी ली। सपा के ये नेता और अब मुख्यालय को अपनी रिपोर्ट देंगे। वहीं, आज कोर्ट ने एक बार फिर श्रीकांत त्यागी की गैंगस्टर एक्ट के केस में जमानत याचिका खारिज कर

दी है। जानकारी के अनुसार, सपा की इस नौ सदस्यीय डेलिगेशन में शाहिद मंजूर, नारद राय, प्रमोद त्यागी, इंदर प्रधान, सुनील चौधरी, भूषण त्यागी, सेवाराम त्यागी, श्रवण कुमार त्यागी और दीपक त्यागी शामिल रहे। बता दें कि, सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की ओर से बीते मंगलवार को जारी एक पत्र में कहा था कि समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देशानुसार सपा का डेलिगेशन दिनांक 2 सितंबर 2022 को गौतमबुद्ध नगर जाएगा।

ये था मामला

गौरतलब है कि, नोएडा में 5 अगस्त को ग्रैंड ओमैक्स सोसाइटी में एक महिला से अभद्रता करने के मामले में नोएडा पुलिस ने श्रीकांत त्यागी को 9 अगस्त को सुबह मेरठ से तीन अन्य साथियों के साथ गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद से वह जेल में बंद है। बता दें कि, श्रीकांत त्यागी कथित तौर पर खुद को भाजपा नेता बताकर लोगों पर रौब झाड़ता था, लेकिन महिला के साथ बदसलूकी के मामले में श्रीकांत त्यागी का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा ने उससे पल्ला झाड़ लिया था। स्थानीय भाजपा सांसद डॉ. महेश शर्मा ने त्यागी के भाजपा सदस्य होने से इनकार किया था। इस घटना के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे, जिनमें से एक में त्यागी महिला के खिलाफ कथित तौर पर गंदी-गंदी गालियां देने के साथ अपशब्दों का इस्तेमाल करते और हाथापाई करते दिख रहा था। त्यागी ने महिला के पति के लिए भी कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए अपमानजनक टिप्पणी की थी।

लखनऊ एयरपोर्ट और बस अड्डे पर मिली सोने की बड़ी खेप

बेस्ट में छिपाकर लाया था लाखों का माल

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और चारबाग बस डिपो पर सोना बरामद हुआ है। एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग के अधिकारियों ने एक यात्री के पास से 86 लाख 70 हजार रुपये का सोना बरामद किया है। आरोपी सोने की बेल्ट को पीछे छिपाकर लाया था। स्कैनर से सोने की पुष्टि होने पर यात्री की तलाशी ली गई तो उसकी बेस्ट से भारी मात्रा में सोना बरामद हुआ। सऊदी एयरलाइंस के फ्लाइट नंबर SV-894 के जरिए रियाद से आए यात्रियों की एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग की जा रही थी। इस दौरान एक यात्री ने ग्रीन चैनल छोड़ने की कोशिश की।

लेकिन एयरपोर्ट पर लगे स्कैनर ने धातू की उपस्थिति का संकेत बीप बजाकर दे दिया। इसके बाद कस्टम अधिकारियों ने यात्री को अलग ले जाकर उसकी सघन तलाशी ली जिसके बाद सोना बरामद किया गया। सोना मिलने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

दूसरी तरफ चारबाग बस अड्डे पर गुरुवार देर रात एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया जो नेपाल से सोना तस्करी कर गोरखपुर से दिल्ली वाया लखनऊ ले जा रहा था। तस्कर ने बताया कि वह गोरखपुर के एक सोना कारोबारी के लिए काम करता है। जानकारी के मुताबिक डीआरआई गोरखपुर टीम को सूचना मिली कि दुबई के रास्ते तस्करी होकर सोना नेपाल लाया गया है और वहां से गोरखपुर होते हुए लखनऊ और फिर दिल्ली वो सोना पहुंचाया जाना है।

डीआरआई की टीम ने कई टीमें बनाकर रोडवेज बसों में छापेमारी शुरू की। डीआरआई की टीम ने लखनऊ की टीम के साथ गोरखपुर से आने वाली बसों की जांच शुरू की और एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उस शख्स के पास से ढाई किलो सोना बरामद हुआ।

भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में विशेष सचिव प्रशांत शर्मा को सौंपी उपायुक्त उद्योग की जांच

कानपुर। उपायुक्त उद्योग राजेश सिंह यादव को लेकर शासन बेहद गंभीर है। उनके केस से संबंधित सारी फाइलें लखनऊ मंगाई गई हैं। विशेष सचिव प्रशांत शर्मा को इस प्रकरण की जांच सौंपी गई है। उनके निलंबन की संस्तुति पहले ही की जा चुकी है। उपायुक्त उद्योग राजेश सिंह यादव और उनके करीबियों पर जून में आयकर ने छापेमारी की थी। छापों के दौरान जब्त दस्तावेजों की पड़ताल में नए खुलासों के बाद बुधवार को राजेश सिंह यादव से जुड़े करीबियों पर फिर छापे मारे गए। लगातार दो बड़ी कार्यवाही से उद्योग निदेशालय में खलबली मची है। राजेश सिंह यादव से जुड़ी सभी फाइलों के संकलन के लिए उद्योग निदेशालय में ज्वाइंट कमिश्नर स्तर के एक अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके नेतृत्व में तीन सदस्यीय टीम राजेश से जुड़ी सभी फाइलों का रिकार्ड संकलित कर लखनऊ भेज रही है। विभागीय स्तर से गोपनीय जांच भी शुरू की गई है। सूत्रों के मुताबिक 100 करोड़ रुपए का मामला पहुंचने के बाद लखनऊ से सीधे मानीटरिंग हो रही है और उनके आठ साल के कार्यकाल की समीक्षा के लिए विशेष सचिव को जिम्मा दिया गया है। इस प्रकरण में कम से कम पांच वरिष्ठ अधिकारियों के नाम सामने आ चुके हैं। तीन दर्जन से ज्यादा फाइलें भेजी जा चुकी हैं। राजेश सिंह का रसूख है, खौफ है या सिंटीकेट...उद्योग निदेशालय में उनकी तूती बोलती है। खामोश रहने वाले राजेश सिंह के खिलाफ मुंह खोलने से उद्योग निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारी से लेकर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी तक बचते हैं। वर्ष 2001 में ज्वाइनिंग के बाद से ही राजेश सिंह यादव का खास लगाव कानपुर से रहा।

सीतापुर : महिला की लाश घर से बरामद

सीतापुर। उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले के थाना मानपुर क्षेत्र में शुक्रवार की सुबह लंबे समय से बीमार चल रही महिला की गला कटी लाश बरामद की गयी। पुलिस ने बताया कि थाना मानपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तेलियन पुरवा मजेरा प्रतापपुर में आज सुबह एक घर से महिला कैसर जहां का शव बरामद किया गया। घटना की जानकारी मिलते ही आला अधिकारी अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी डॉ राजीव दीक्षित, सीओ लहरपुर, एवं एसएचओ मानपुर और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई है और मामले की छानबीन कर रही है। मृतक के घर वालों ने आत्महत्या की आशंका जताई है। पुलिस के अनुसार कैसर जहां काफी दिनों से बीमार थी इनके पति मौलाना इसहाक अली मदरसे में पढ़ाने गए थे।

शरारती तत्व कर रहे हैं कुलपति की फर्जी आईडी से व्हाट्सएप चैटिंग

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर डॉ. निर्मला एस. मौर्य की फर्जी फोटो आईडी लगाकर विश्वविद्यालय के शिक्षक और कर्मचारियों को चैटिंग के माध्यम से कुछ शरारती तत्वों व्हाट्सएप मैसेज भेज रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार इस संबंध में विश्वविद्यालय द्वारा पुलिस अधीक्षक जौनपुर और पुलिस महानिरीक्षक वाराणसी को पत्र लिखकर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की गई है। चैटिंग करने वाला अज्ञात व्यक्ति जो 8178478501 और 8730953403 नंबर के सिम से चैटिंग कर रहा है। उस व्यक्ति की मनसा स्पष्ट रूप से एक महिला कुलपति की छवि को खराब करना है। उसका यह कृत्य साइबर अपराध की श्रेणी में आता है।

बाहुबली विजय मिश्रा की तीन करोड़ से ज्यादा की संपत्ति की गई जब्त, जबरिया खरीदी गई थी जमीनें

भदोही। भदोही की ज्ञानपुर सीट से विधायक रहे विजय मिश्रा पर योगी सरकार की कार्रवाई जारी है। पिछले एक हफ्ते में दूसरी बार विजय मिश्रा के परिवार की संपत्ति कुर्क की गई है। शुक्रवार को पुलिस और प्रशासन की टीम ने गैंगस्टर एक्ट के तहत विजय मिश्रा की तीन करोड़ 34 लाख 37 हजार कीमत की जमीन कुर्क कर ली। अधिकारियों के अनुसार यह जमीन डरा धमकाकर बहुत कम कीमत पर खरीदी गई थी। भदोही के एसपी डॉ अनिल कुमार ने बताया कि गैंगलीडर विजय मिश्रा ने खुद और गैंग के सक्रिय सदस्यों बेटे विष्णु मिश्रा और पत्नी रामलली मिश्रा और बहू रूपा मिश्रा के नाम से बेहद कम मूल्य पर मौजा नवधन तहसील ज्ञानपुर में जमीन खरीदी थी। यहां पर विजय मिश्रा गैंग के द्वारा अराजी संख्या 1396 रकबा से 0.013 हे0, 1398 रकबा से 0.170 हे0, 1399 रकबा से 0.071 हे0, 1400 रकबा से 0.284 हे0 1402 रकबा से 0.021 हे0 कुल पांच गाटा संयुक्त रकबा से 0.559 हे0 (5,590 वर्ग मीटर) जमीन खरीदी गई थी। वर्तमान खतौनी में विजय मिश्रा और रामलली मिश्रा के साथ रूपा मिश्रा और विष्णु मिश्रा का नाम इस पर दर्ज है। इसकी अनुमानित कीमत 3 करोड़ 34 लाख 37 हाजर 700 रुपये है। उक्त अचल संपत्ति को जिला मजिस्ट्रेट के आदेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क किया गया। एसपी ने बताया कि गैंग लीडर विजय मिश्र और गैंग के सक्रिय सदस्य विष्णु मिश्रा ने हत्या, लूट, अपहरण, अवैध शराब का परिवहन, मारपीट, बलात्कार व सम्पत्ति हड़पने आदि जैसे गंभीर अपराध किये हैं। अपराध से अर्जित धन से स्वयं के नाम और अपनी-अपनी पत्नी के नाम से अचल संपत्ति रजिस्ट्री कराई गई है। पूर्व में भी गैंग लीडर के आपराधिक कृत्यों से अर्जित करोड़ों रुपए की सम्पत्ति कुर्क की गई है। फिलहाल विजय मिश्रा पर गम्भीर अपराधों के कुल 83 मामले दर्ज हैं।

गोरखपुर : तांत्रिक ने महिलाओं को 12 बजे पीपल के पेड़ के नीचे बुलाया, रेप कर हड़पी रकम

गोरखपुर। यूपी के गोरखपुर में कैम्पियरगंज थाना क्षेत्र के मछलीगांव चौकी अंतर्गत एक गांव की तीन महिलाओं ने एक तांत्रिक पर रेप का आरोप लगाया गया है। महिलाओं में देवरानी-जेठानी भी शामिल हैं। महिलाओं का आरोप है कि तांत्रिक ने उनके साथ रेप किया और उनसे रकम भी हड़पी है। तहरीर मिलने की जानकारी होने पर सीओ योगेंद्र सिंह थाने पहुंच गए। आरोपित तांत्रिक श्यामबिहारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक कैम्पियरगंज के एक गांव की देवरानी-जेठानी ने गांव के ही तांत्रिक श्यामबिहारी पर आरोप लगाया है कि रात के करीब 12 बजे झाड़-फूंक के नाम पर तांत्रिक उन्हें पीपल के पेड़ के नीचे बुलाता था तथा नशीला पदार्थ खिलाकर रेप करता था। महिलाओं का आरोप है कि सोखईती के नाम पर सोखा ने सात हजार रुपये भी ले लिए थे। महिलाएं पैसा वापस मांग रही थी। पैसा वापस देने का समझौता चल रहा था।

महिलाओं का कहना है कि वो तंत्र विद्या के नाम पर उन्हें रात के 12 बजे पीपल के पेड़ के नीचे बुलाता। उन्हें कुछ खिलाने के बहाने नशीला पदार्थ देता और उनसे रेप करता। यहां तक की तंत्र विद्या के लिए ही उसने उनसे रुपए भी लिए थे जिसको वो वापस करने वाला था। बुधवार की शाम मामला थाने आया था। क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज योगेंद्र सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है अभियोग पंजीकृत किया जा रहा है दोषी तांत्रिक को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

फर्जी डिग्री से 13 साल करता रहा शिक्षक की नौकरी, हुई बर्खास्तगी, वेतन की वसूली होगी

महिलाओं ने कहा कि उसने तीनों को तंत्र-मंत्र के नाम पर अपने जाल में फंसा लिया था। तीनों लंबे समय से उससे झाड़-फूंक करवाती थीं। उसने तीनों को अलग-अलग समय पर बुलाया। अलग-अलग रात में उसने तीनों के साथ रेप किया। उनका कहना है कि वो तीनों को मौत का डर देता था। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

यूपी में बड़े पैमाने पर नशे के कारोबारियों पर नकेल, 4060 को किया गिरफ्तार

एजेंसी

लखनऊ। यूपी में नशे के कारोबारियों के खिलाफ सीएम योगी की मुहिम का बड़ा असर देखने को मिल रहा है। अलग अलग जिलों में बड़ी पैमाने पर छापेमारी और गिरफ्तारियां हो रही हैं। पिछले हफ्ते शुरू अभियान में बड़ी सफलता भी हाथ लगी है। 5 दिनों 24 से 29 अगस्त तक ही नशे के कारोबार से जुड़े 4060 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस दौरान दो करोड़ से 27 लाख से ज्यादा की शराब बरामद की गई है। अवैध शराब का कारोबार करने वाले 54 लोगों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्यवाही की गई है।

एडीजी लॉ एंड आर्डर प्रशांत कुमार की मानें तो यूपी में नेपाल, बिहार, झारखंड, दिल्ली, मध्य प्रदेश और राजस्थान बार्डर से ड्रग्स और शराब लाई जाती है। 24 अगस्त से 29 अगस्त के बीच 675 पैडलर्स को अरेस्ट करके 8.96 करोड़ के मादक पदार्थ बरामद कर लिए। 606 मुकदमे दर्ज किए गए। इनमें 19 पर गैंगस्टर एक्ट में 5 मामले दर्ज किए हैं। गैंगस्टर एक्ट के तहत 14.79 करोड़ कीमत की संपत्ति जब्त की गई। नशे के सौदागारों को लेकर सीएम योगी ने सख्त रुख अपनाया है। अफसरों संग हुई बैठक में सीएम योगी ने इनके खिलाफ सीधे कार्रवाई का आदेश दिया है। यूपी के ड्रग माफिया के खिलाफ बड़े अभियान का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि डीएम व एसपी ड्रग माफिया के यहां छापेमारी का काम शुरू कर दें। इस मामले में लापरवाही बरतने पर जवाबदेही तय होगी। हर थाना क्षेत्र में अवैध कारोबारी चिन्हित किए जाएं।

सीएम ने कहा कि जहरीली शराब से असमय मृत्यु की कई दु:खद घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। इसके लिए हर जिलाधिकारी, पुलिस कप्तान, डीएसपी, थानाध्यक्ष को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हुक्का बार का संचालन किसी भी दशा में नहीं होना चाहिए। बेहतर टीम वर्क के साथ ड्रग माफियाओं के खिलाफ यह प्रदेशव्यापी अतिमहत्वपूर्ण अभियान शनिवार रात से ही बड़े आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया जाए।

अमरोहा : 'टिक टॉक स्टार' बनने का जुनून महिला सिपाही को पड़ा भारी, लाइन हाजिर

अमरोहा। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में एक महिला पुलिसकर्मी को वर्दी पहन कर सोशल मीडिया पर 'टिक टाक स्टार' बनने का जुनून सवार होना मंहगा साबित हुआ जब आला अधिकारियों को इसकी भनक लगने पर उसे लाइन हाजिर कर दिया गया। सूत्रों ने शनिवार को बताया कि जिले की महिला पुलिसकर्मी वर्षा राठी को इस मामले में लाइन हाजिर कर जांच शुरु कर दी गयी है। अमरोहा कोतवाली में तैनात महिला सिपाही वर्षा राठी के सोशल मीडिया पर लाखों फोलोअर हैं। राठी ने अब तक सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर टिक टॉक वीडियो बनाकर 245 पोस्ट अपलोड कर चुकी हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 1.32 लाख से अधिक फालोअर्स हैं। मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में आने पर महिला सिपाही को लाइन हाजिर कर जांच बैठा दी है। बताया जा रहा है कि वर्षा राठी सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोर रही है। फालोअर्स की दिनोंदिन बढ़ती संख्या के कारण राठी की लोकप्रियता चर्चाओं में है।

भारत में पहली सोलर ट्रैकर फैक्ट्री का भव्य उद्घाटन

राष्ट्रीय। दुनिया की अग्रणी ट्रैकिंग, रैकिंग और BIPV समाधान प्रदाता, आर्कटेक ने भारत में अपने पहले संयुक्त उद्यम निर्माण आधार, जैश एनर्जी क्षेत्रीय बाजार में 3.5 गीगावॉट शिपमेंट माइलस्टोन तक पहुंच रही है। जैश एनर्जी के निदेशक शैल शाह; गेल चेन, आर्कटेक में पूर्वी एशिया और भारत के महाप्रबंधक, जैश एनर्जी के निदेशक और सीईओ; आर्कटेक में सीनियर सेल्स मैनेजर अमित हेरेकर और आर्कटेक में टेक्निकल सेल्स के प्रमुख गणेश राय ने सकारात्मक प्रभाव सहित विषयों पर भाषण दिए, जो कि जश एनर्जी देश में सोलर ट्रैकर को समर्पित पहली फैक्ट्री के रूप में क्षेत्रीय सौर उद्योग में लाएगी। आर्कटेक के सोलर ट्रैकिंग और रैकिंग सॉल्यूशंस की उन्नत तकनीक और ट्रैकर सिस्टम के पूरे जीवनचक्र में ग्राहकों को सशक्त बनाने वाली आर्कटेक की व्हाइट-ग्लव ग्राहक सेवाएं।

आर्कटेक पेटेंटेड टॉर्क ट्यूब डिजाइन और मल्टीप्वाइंट ड्राइव मैकेनिज्म के साथ अपने सिग्नेचर सोलर ट्रैकर के लिए काफी प्रशंसित है। इसलिए विनिर्माण आधार को विशेष रूप से आर्कटेक की पेटेंटेड टॉर्क ट्यूब के लिए औद्योगिक उन्नत स्वचालित उत्पादन लाइन द्वारा सुविधा प्रदान की जाती है, जिससे सौर ट्रैकर्स की कठोरता में बेहतर प्रदर्शन की अनुमति मिलती है। आर्कटेक ने आर्कटेक की मल्टी पॉइंट ड्राइव मैकेनिज्म विरासत, स्काईविंग्स, दुनिया की पहली दोहरी पंक्ति सौर ट्रैकर के साथ नवीनतम नवाचार भी पेश किया। कठिन स्थलाकृतियों के लिए सौर ट्रैकर की अनुकूलन क्षमता को बढ़ाने के लिए पेटेंट द्विदिश स्लीव ड्राइव द्वारा अनुमत मल्टी-पॉइंट ड्राइव तंत्र के साथ।

भारत में बाजार की पैठ बढ़ाने के लिए अपने लंबे समय तक चलने वाले समर्पण के साथ, कारखाने के आधिकारिक लॉन्च से पता चलता है कि देश में कंपनी अब संरचनात्मक, यांत्रिक और विद्युत डिजाइन के साथ-साथ निर्माण, संचालन और रखरखाव सहित ट्रैकर सिस्टम के पूर्ण जीवनचक्र को शामिल करने में सक्षम है। कंपनी ने हाल ही में 3.5 GW तक पहुंचने वाले क्षेत्र में अपनी

ऐतिहासिक शिपमेंट गति का भी जश्न मनाया। वुड मैकेंज़ी पावर एंड रिन्यूएबल्स के अनुसार, आर्कटेक 2020 में भारत में सौर ट्रैकर्स के लिए नंबर 1 स्थान रखता है और 2021 में 45 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखता है।

जैश एनर्जी के निदेशक और सीईओ, आर्कटेक में पूर्वी एशिया और भारत के महाप्रबंधक गेल चेन ने कहा, आर्कटेक ने हमेशा भारतीय बाजार को हमारे दूसरे घरेलू आधार के रूप में देखा है। हमने पिछले कुछ वर्षों में 3.5 GW से अधिक ट्रैकिंग और रैकिंग उत्पाद भारत को भेजे हैं। इस स्थानीय उत्पादन संयंत्र के होने से, हम एक छोटी डिलीवरी समयरेखा, जरूरतों के लिए त्वरित प्रतिक्रिया, और सबसे बढ़कर, एक अधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण रणनीति की गारंटी दे सकते हैं। हमें विश्वास है कि जेवी फैक्ट्री हमारे ग्राहकों के लिए और अधिक लाभ लाएगी।

जैश एनर्जी के निदेशक शैल शाह ने कहा, सौर संयंत्र निर्माण के दौरान प्रमुख चुनौतियों में से एक कोविड-19 के कारण आपूर्ति श्रृंखला का वैश्विक व्यवधान है। नतीजतन, स्टील, सीमेंट और अन्य सामग्रियों की लागत में भारी वृद्धि हुई। इसलिए, परियोजना को समय पर और बिना अधिक लागत के पूरा करना हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती थी। मुझे खुशी है कि हमने अंततः संयुक्त उद्यम कारखाने की स्थापना के साथ इस पर काबू पा लिया।

भारत में बाजार की पैठ बढ़ाने के लिए अपने लंबे समय तक चलने वाले समर्पण के साथ, कारखाने के आधिकारिक लॉन्च से पता चलता है कि देश में कंपनी अब संरचनात्मक, यांत्रिक और विद्युत डिजाइन के साथ-साथ निर्माण, संचालन और रखरखाव सहित ट्रैकर सिस्टम के पूर्ण जीवनचक्र को शामिल करने में सक्षम है।

कंपनी ने हाल ही में 3.5GW तक पहुंचने वाले क्षेत्र में अपनी ऐतिहासिक शिपमेंट गति का भी जश्न मनाया। वुड मैकेंज़ी पावर एंड रिन्यूएबल्स के अनुसार, आर्कटेक 2020 में भारत में सौर ट्रैकर्स के लिए नंबर 1 स्थान रखता है और 2021 में 45 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी रखता है।

शार्ट न्यूज

आईआरसीटीसी द्वारा माह सितम्बर में आगरा से लद्दाख भ्रमण के लिये हवाई यात्रा पैकेज का संचालन

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी, क्षेत्रीय कार्यालय, लखनऊ द्वारा यात्रियों की अधिक मांग को देखते हुए पहली बार आगरा से लद्दाख (वाया नई दिल्ली) भ्रमण के लिये हवाई टूर पैकेज दिनांक 14.09.2022 से 21.09.2022,21.09.2022 से 28.09.2022 एवं 28.09.2022 से 05.10.2022 तक 07 रात्रि एवं 08 दिन का लॉन्च किया जा रहा है। इस टूर में यात्रियों को आगरा से नई दिल्ली के मध्य की यात्रा सड़क मार्ग से एवं नई दिल्ली से लेह जाने/आने की व्यवस्था फ्लाइट से की गई है। आगरा से दिल्ली जाने में दिल्ली में एक रात्रि होटल स्टे एवं रात्रि भोजन की व्यवस्था भी की गई है। खान-पान एवं ठहरने के लिए तीन सितारा होटल में व्यवस्था की गयी है। यात्रा के दौरान लेह में होटल स्टे के साथ स्तूप एवं मठ दर्शन, शाम वैली में लेह पैलेस, शांतिस्तूप, गुरुद्वारा, नुब्रा वैली में स्थित कैंप में रात्रि विश्राम, डिस्किट, हुण्डर व तुर्तुक गाँव एवं स्थानीय जगहों की सैर के साथ प्रसिद्ध पैन्गॉन्ग झील का भ्रमण कराया जायेगा। एक व्यक्ति के ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0-49,500/-, दो व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर पैकेज का मूल्य रू0-44,500/- प्रति व्यक्ति एवं तीन व्यक्तियों के एक साथ ठहरने पर पैकेज का मूल्य प्रति व्यक्ति रू0-43,900/- है। माता-पिता के साथ ठहरने पर प्रति बच्चे का पैकेज मूल्य रू0-42,000/- (बेड सहित) एवं मूल्य रू0-38,800/- (बिना बेड के) होगा। इस पैकेज की बुकिंग पहले आओ पहले पाओ आधार पर की गयी है। इसमें LTC की सुविधा उपलब्ध है।

सोना 430 और चांदी में 1177 रुपये की तेजी

मुंबई। डॉलर के बीस वर्ष के उच्चतम स्तर से नीचे उतरने से वैश्विक बाजार में कीमती धातुओं में तेजी से समर्थन पाकर आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना 430 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 1177 रुपये प्रति किलोग्राम चमक गई। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोना हाजिर 0.87 प्रतिशत की तेजी लेकर 1710.80 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। इसी तरह अमेरिका सोना वायदा 0.88 प्रतिशत मजबूत होकर 1711.15 डॉलर प्रति औंस हो गया। इस दौरान चांदी हाजिर 1.01 प्रतिशत चढ़कर 18.03 डॉलर प्रति औंस बोली गई। विदेशी बाजारों की तेजी का असर देश के सबसे बड़े वायदा बाजार एमसीएक्स में देखा गया। इस दौरान सोना 430 रुपये चमककर 50500 रुपये प्रति दस ग्राम और सोना मिनी 221 रुपये बढ़कर 50390 रुपये प्रति दस ग्राम पर रही। इसी तरह चांदी 1177 रुपये महंगी होकर 52900 रुपये प्रति किलोग्राम और चांदी मिनी 1016 रुपये मजबूत होकर 54259 रुपये प्रति किलोग्राम बोली गयी।

विदेशी मुद्रा भंडार तीन अरब डॉलर घटकर 561.05 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में कमी आने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 अगस्त को समाप्त सप्ताह में तीन अरब डॉलर घटकर लगातार चौथे सप्ताह गिरता हुआ 561.05 अरब डॉलर रह गया। इसके पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार में 6.7 अरब डॉलर की कमी आई और यह घटकर लगातार तीसरे सप्ताह गिरता हुआ 564.05 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 26 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.6 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 498.65 अरब डॉलर रह गयी। इस अवधि में स्वर्ण भंडार भी 27.1 करोड़ डॉलर घटकर 39.64 अरब डॉलर पर आ गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह एसडीआर 15.5 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 17.83 अरब डॉलर पर रहा। इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि एक करोड़ डॉलर की गिरावट लेकर 4.9 अरब डॉलर पर आ गई।

एनटीपीसी की कैप्टिव खानों से कोयला उत्पादन में 62 की वृद्धि

नयी दिल्ली। सरकारी क्षेत्र की एकीकृत बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड ने अपनी कैप्टिव (खुद के प्रयोग के लिए आवंटित) खानों से कोयला उत्पादन और डिस्पैच में वार्षिक आधार पर क्रमश 62 प्रतिशत और 37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। कंपनी के शुक्रवार के एक बयान के अनुसार उसने कैप्टिव खानों से चालू वित्त वर्ष में 31 अगस्त 2022 तक 73.6 लाख टन कोयला उत्पादन किया जो सालाना आधार पर 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने कहा कि उसकी अपने इस्तेमाल की कोयला खानों में उत्पाद में सुधार का क्रम बना हुआ है। पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान एनटीपीसी की कैप्टिव कोयला खानों से 45.5 लाख टन कोयला उत्पादन हुआ था। एनटीपीसी के अनुसार सावधानीपूर्वक बनायी गयी योजना, संसाधन जुटाने और नियमित निगरानी के साथ, एनटीपीसी ने अब तक मानसून की अवधि के दौरान भीअपनी कोयला खानों के उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि हासिल करने में सफलता प्राप्त की है। कंपनी का कहना है कि कोयले का उत्पादन बढ़ने से बिजली उत्पादन की वृद्धि बने रहने की उम्मीद है और इससे निर्बाध, विश्वसनीय और सस्ती बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। बयान के अनुसार एनटीपीसी ने इस दौरान अपनी कैप्टिव खानों से 75.2 लाख टन कोयला बिजली संयंत्रों को भेजा है, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 54.7 लाख टन कोयला भेजा गया था। इस तरह इस वर्ष अगस्त तक की अवधि में एनटीपीसी की अपनी खदानों से कोयला डिस्पैच (प्रेषण) में 37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। एनटीपीसी ने अपनी कोयला खदानों से कोयला उत्पादन बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। कंपनी ने कहा है कि उच्च क्षमता वाले डंपरों के साथ-साथ उत्खनन के मौजूदा बेड़े के विस्तार से उत्पादन बढ़ाने में मदद मिली है। एनटीपीसी के कैप्टिव कोयला ब्लाक झारखंड और ओडिशा जैसे राज्यों में कोयला प्रचुर क्षेत्रों में हैं।

रुपया 31 पैसे लुढ़का

मुंबई। आयातकों और बैंकरों की लिवाली के दबाव में अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया लगातार दूसरे दिन गिरता हुआ आज 31 पैसे लुढ़ककर 79.87 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया। इसी तरह पिछले कारोबारी दिवस रुपया चार पैसे फिसलकर 79.56 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया सात पैसे गिरकर 79.63 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। सत्र के दौरान लिवाली होने से यह 79.87 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया और इसी स्तर पर बंद भी हुआ। हालांकि बिकवाली की बदौलत यह 79.61 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतें यथावत

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों के 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बने रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर आज पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई परिवर्तन नहीं हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लंदन ब्रेंट 1.78 प्रतिशत की बढ़त लेकर 94.00 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रुड 1.91 प्रतिशत चढ़कर 88.26 डॉलर प्रति बैरल बोला गया। घरेलू स्तर पर तेल विपणन करने वाली कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार, घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर यथावत है। पिछले दो महीने से अधिक समय से तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमश: 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

पीयूष गोयल छह दिवसीय अमेरिका यात्रा पर जाएंगे

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी मंच और भारत-प्रशांत आर्थिक समझौता (आईपीईएफ) की मंत्रिस्तरीय बैठक में भाग लेने के लिए 05 से 10 सितंबर (छह दिनों के लिस) तक अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिल्स शहर की यात्रा पर होंगे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री गोयल भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी तथा व्यापार और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए वहां अमेरिकी सरकार और उद्योग-व्यवसाय जगत के कई प्रमुख व्यक्तियों से मिलेंगे।

बैठक भारत-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक सहयोग को मजबूत करने और लचीलापन, स्थिरता, समावेशिता, आर्थिक विकास, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर केंद्रित होगी। बैठक भारत-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक सहयोग को मजबूत करने और लचीलापन, स्थिरता, समावेशिता, आर्थिक विकास, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर केंद्रित होगी। बैठक भारत-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक सहयोग को मजबूत करने और लचीलापन, स्थिरता, समावेशिता, आर्थिक विकास, निष्पक्षता और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने पर केंद्रित होगी। मंत्री अमेरिकी वाणिज्य मंत्री, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि और अन्य सहयोगी देशों के मंत्रियों के सम्मेलन में अलग से द्विपक्षीय बैठकें भी होंगी।

भारत-प्रशांत आर्थिक समझौता इसी वर्ष 23 मई को टोक्यो में अमेरिका और भारत-प्रशांत क्षेत्र के अन्य भागीदार देशों द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, जापानी प्रधान मंत्री किशिदा फुमियो और अन्य भागीदार देशों के नेता उपस्थित थे।

इस मंच की मंत्रिस्तरीय बैठकें वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से 26-27 जुलाई को आयोजित की गयी थीं। आईपीईएफ का उद्देश्य क्षेत्र में शांति और समृद्धि को प्रोत्साहित करना और आर्थिक जुड़ाव को मजबूत करना है। इसके चार स्तम्भ हैं-व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला , स्वच्छ अर्थव्यवस्था और निष्पक्ष अर्थव्यवस्था ।

बयान में कहा गया है कि भारत एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध है और इस क्षेत्र के विकास और समृद्धि के लिए भागीदारों के बीच आर्थिक सहयोग को गहरा करने की दिशा में काम करेगा।

सिर्फ 2 दिन में अनिल अंबानी की कंपनी का धांसू परफॉर्मेंस, चमकी निवेशकों की किस्मत

नई दिल्ली। भले ही अनिल अंबानी की पावर कंपनी, रिलायंस पावर कर्ज के बोझ तले दबी हो लेकिन इस पर दांव लगाने वाले निवेशकों की चांदी है। सिर्फ दो कारोबारी दिन के भीतर रिलायंस पावर का शेयर 37 फीसदी तक चढ़ा है। इसी के साथ शेयर का भाव 52 सप्ताह के उच्चतम स्तर पर भी पहुंच गया है। शुक्रवार को रिलायंस पावर के शेयर का भाव 52 सप्ताह के उच्च स्तर 23.75 रुपये पर पहुंचा गया। शेयर अपने 20.28 रुपये के पिछले बंद से करीब 18 प्रतिशत तक उछल गया। बीएसई पर रिलायंस पावर का बाजार पूंजीकरण (एम-कैप) बढ़कर 7,700 करोड़ रुपये से ज्यादा है। बिजनेस टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने रिलायंस पावर में जबरदस्त खरीदारी की है। यह कंपनी उन 32 सूचीबद्ध शेयरों में शामिल है, जिनमें एफआईआई ने पिछले एक साल में अपनी हिस्सेदारी कम से कम 3 फीसदी बढ़ाई है। बता दें कि इस साल जुलाई की शुरुआत में, रिलायंस पावर के शेयरधारकों ने वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के दौरान अपनी संपत्ति के मुद्रीकरण के लिए एक विशेष प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। सभी विशेष प्रस्तावों को शेयरधारकों के 75 प्रतिशत या अधिक मतों द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक था। कंपनी द्वारा बीएसई फाइलिंग से पता चला कि 72.02 प्रतिशत वोट प्रस्ताव के पक्ष में थे, जबकि 27.97 प्रतिशत ने इसके खिलाफ मतदान किया। इस तरह एजीएम में विशेष प्रस्ताव पारित नहीं किया जा सका।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के प्रभाव से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दाल-दलहन में मिलाजुला रुख रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 30 रिंगिट उतरकर 3830 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, इस दौरान अमेरिकी सोया तेल का सितंबर वायदा 0.41 सेंट चढ़कर 64 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान सरसों तेल 219 रुपये सस्ता हो गया जबकि सोया रिफाइंड में 146 और वनस्पति तेल में 294 रुपये प्रति क्विंटल गिरावट रही। वहीं, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल और पाम ऑयल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पुराने स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में तेजी रही। इस दौरान चीनी 100 रुपये और गुड़ 100 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में मिश्रित रुझान रहा। इस दौरान मसूर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया जबकि उड़द दाल में 50 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। वहीं, चना, चना दाल, मूंग दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में भी टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 4600-4700, दाल चना 5600-5700, मसूर काली 8200-8300, मूंग दाल 8000-8100, उड़द दाल 9950-10050, अरहर दाल 9000-9100 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2400-2500 रुपये और चावल 2600-2700 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3530-3660, चीनी एम. 3800-3900, मिल डिलीवरी 3410-3510 और गुड़ 3800-3900 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

खाद्य तेल : सरसों तेल 16696 रुपये, मूंगफली तेल 19633 रुपये, सूरजमुखी तेल 20000 रुपये, सोया रिफाइंड 15385 रुपये, पाम ऑयल 13553 रुपये और वनस्पति तेल 15385 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

अगस्त में 49,196 नए ट्रैक्टर बिके, 57 फीसदी बिक्री उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, कर्नाटक में

एजेंसी

मुंबई। देश के ट्रैक्टर उद्योग की बिक्री में अगस्त माह में सालाना आधार पर 31 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। अगस्त में 49,196 नए ट्रैक्टरों की बिक्री हुई है और इस माह में सभी ट्रैक्टर कंपनियों के बिक्री के आंकड़े सालाना आधार पर गिरे हैं।

ट्रैक्टर और कृषि उपकरणों के क्षेत्र के डिजिटल बाजार मंच - ट्रैक्टर जंक्शन की एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2022 में 49,196 नए ट्रैक्टरों की बिक्री हुई। इसमें 57 प्रतिशत योगदान चार राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र और कर्नाटक का रहा। रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है।

रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में इस बार अगस्त माह में पिछले वर्ष के इसी माह के 11110 के मुकाबले 9081 ट्रैक्टर बिके। जबिक राजस्थान में इनकी बिक्रि पिछले साल की तुलना में ज्यादा रही। वहां पिछले वर्ष अगस्त में 7721 ट्रैक्टर बिके थे जबकि इस बार अगस्त में बिक्री 8211 टैक्टर की रही।

महाराष्ट्र में पिछले वर्ष अगस्त के 10955 की तुलना में इस बार अगस्त में 6609 ट्रैक्टर बिके और कर्नाटक में अगस्त 2021 की 5401 की तुलना में इस बार अगस्त में बिक्री 4099 इकाई की रही।

गुजरात में पिछले वर्ष अगस्त में 15019 ट्रैक्टर बिके थे। जबकि इस बार अगस्त में केवल 3477 टैक्टरों की बिक्री रही। इसी तरह हरियाणा में पिछले साल अगस्त के 3767 के मुकाबले इस बार अगस्त में 3388 ट्रैक्टर बिके। बिहार में अगस्त 2021 में 3338 ट्रैक्टरों की बिक्री हुई जबिक इस वर्ष अगस्त में इनकी संख्या 3378 रही।

तमिलनाडु में ट्रैक्टरों की बिक्री पिछले वर्ष अगस्त के 2678 से घट कर 2254 रही। पंजाब में पिछले साल अगस्त में ट्रैक्टर कंपनियों ने 2344 ट्रैक्टर बेचे थे। इस वर्ष अगस्त की बिक्री 1819 ट्रैक्टर बेचे गए। छत्तीसगढ में बिक्री सालाना आधार पर 2469 से घट कर 1737 रही। पश्चिम बंगाल में एक साल पहले के 1780 ट्रैक्टर की तुलना में 1694 ट्रैक्टर बिके।

उड़ीसा में बिक्री पिछले साल के 1659 की तुलना में घट कर 1143 रही। इसी तरह झारखंड में भी बिक्री घट कर 966 ट्रैक्टर रही जबकि इस राज्य में पिछले साल 1343 ट्रैक्टर बिके थे। साल-दर-साल आधार पर तुलना करने पर बिक्री के आंकड़ों में लगभग 31 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। एम एंड एम ने अगस्त में सबसे अधिक बिक्री दर्ज की, उसके बाद स्वराज ट्रैक्टर, मैसी फर्ग्यूसन, सोनालिका ट्रैक्टर, एस्कॉर्ट्स, जॉन डीरे और आयशर मोटर का स्थान रहा। महिंद्रा ट्रैक्टर की बिक्री पिछले वर्ष अगस्त के 15928 की तुलना में घट कर 11627 रह गयी। इसी तरह स्वराज्य की बिक्री 11542 की तुलना में 8153, मैसी फर्ग्यूसन 8619 की तुलना में 6463, सोनालिका 8266 की तुलना में 5741, एस्कॉर्ट्स 7526 की तुलना में 4899, जॉन डीरे 5324 की तुलना में 3717, आइशर 4272 की तुलना में 2713, न्यू हॉलैंड 2774 के मुकाबले 1930 और कुबोटा की बिक्री पिछले वर्ष अगस्त के 1663 की तुलना में 1340 ट्रैक्टर रही। ट्रैक्टर जंक्शन के संस्थापक रजत गुप्ता ने कहा, पिछले साल अगस्त में ट्रैक्टर की बिक्री ऊंची रही थी। इसके अलावा इस बार मानसून की बारिश का प्रसार असमान रहा है जिसके कारण इस बार अगस्त के महीने में ट्रैक्टर की बिक्री में तुलनात्मक रूप से गिरावट आई है।

सेंसेक्स चढ़ा, निफ्टी में गिरावट

मुंबई। वैश्विक बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर छह समूहों में हुई लिवाली से आज सेंसेक्स में तेजी रही वहीं बिकवाली होने से निफ्टी गिर गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 36.74 अंक बढ़कर 58803.33 अंक पर रहा जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 3.35 अंक उतरकर 17539.45 अंक पर आ गया। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.35 प्रतिशत टूटकर 25,463.91 अंक पर रहा वहीं स्मॉलकैप 0.04 प्रतिशत की बढ़त लेकर 28,800.82 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3567 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1767 में लिवाली जबकि 1659 में बिकवाली हुई वहीं 141 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 35 कंपनियों में गिरावट जबकि शेष 15 में तेजी रही।

बीएसई में एफएमसीजी, वित्त, इंडस्ट्रियल्स, दूरसंचार, बैंकंग और कैपिटल गुड्स समूह की 1.13 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर शेष 13 समूहों में गिरावट रही। बेसिक मैटेरियल्स 0.62, ऊर्जा 0.95, आईटी 0.46, ऑटो 0.46, पावर 0.40, धातु

0.93 और तेल एवं गैस समूह के शेयरों में 0.99 प्रतिशत की बिकवाली हुई।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.72, जर्मनी का डैक्स 1.45 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.05 प्रतिशत चढ़ गया जबकि जापान का निक्केई 0.04 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.74 प्रतिशत गिर गया।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 202 अंक की तेजी लेकर 58,969.02 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत थोड़ी देर में ही 59,108.66 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली होने से 58,558.64 अंक के निचले स्तर पर आ गया। अंत में पिछले दिवस के 58,766.59 अंक के मुकाबले 0.06 प्रतिशत बढ़कर 58,803.33 अंक पर रहा। निफ्टी 56 अंक की बढ़त लेकर 17,598.40 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 17,643.85 अंक के उच्चतम जबकि 17,476.45 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,542.80 अंक की तुलना में 0.02 प्रतिशत फिसलकर 17,539.45 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की 11 कंपनियों में लिवाली जबकि 19 में बिकवाली हुई। मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में एचडीएफसी 1.75, आईटीसी 1.72, एलटी 1.49, एचडीएफसी बैंक 0.95, एक्सिस बैंक 0.92, एनटीपीसी 0.68, कोटक बैंक 0.64, एसबीआई 0.59, टेक महिंद्रा 0.28, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.25 और बजाज फाइनेंस 0.14 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, रिलायंस 1.19, मारुति 1.19, इंडसइंड बैंक 1.04, नेस्लेइंडिया 0.91, पावरग्रिड 0.86, टाटा स्टील 0.85, इंफोसिस 0.79, अल्ट्रासिमको 0.71, विप्रो 0.67, एशियन पेंट 0.50, टाइटन 0.42, बजाज फिनसर्व 0.42, डॉ. रेड्डी 0.38, सन फार्मा 0.27, आईसीआईसीआई बैंक 0.25, एचसीएल टेक 0.21, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.10, टीसीएस 0.06 और भारती एयरटेल ने 0.05 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर, बड़ी इकोनॉमी के मामले में भारत ने ब्रिटेन को पछाड़ा

नई दिल्ली। भारत के लिहाज से आर्थिक मोर्चे पर अच्छी खबर आई है। दरअसल, भारत ने बड़ी इकोनॉमी के मामले में ब्रिटेन को पछाड़ दिया है। अब भारत, दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी इकोनॉमी बन गया है। इससे पहले यह रैंकिंग ब्रिटेन के पास थी। इसी के साथ ब्रिटेन फिसलकर 6वें स्थान पर आ गया है। बता दें कि एक दशक पहले भारत सबसे बड़ी अर्थ०?यवस्?थाओं में 11वें क्रम पर थे जबकि ब्रिटेन पांचवें नंबर पर था।

नई सरकार के लिए झटका

यह ब्रिटेन की नई सरकार के लिए बड़ा झटका है। बता दें कि ब्रिटेन में कंजरवेटिव पार्टी के सदस्य बोरिस जॉनसन के उत्तराधिकारी को चुनेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि नई सरकार में महंगाई और सुस्त इकोनॉमी सबसे बड़ी चुनौती होगी।

भारत के जीडीपी आंकड़े यह खबर इसलिए भी अहम है क्योंकि हाल ही में भारत ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए जीडीपी के आधिकारिक आंकड़े जारी किए हैं। आंकड़ों से मालूम चलता है कि भारत दुनिया में सबसे तेज आर्थिक वृद्धि हासिल करने वाली अर्थव्यवस्था है। चालू वित्त वर्ष की पहली पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत रही जो पिछले एक साल में सबसे अधिक है। वहीं, सालाना आधार पर भी भारत की जीडीपी में उछाल आने की संभावनाएं हैं।

चीन कहीं नहीं

भारत की ग्रोथ के आगे चीन आसपास भी नहीं है। अप्रैल-जून तिमाही की चीन की वृद्धि दर 0.4 प्रतिशत रही है।

तमाम अनुमान बता रहे हैं कि सालाना आधार पर भी भारत के मुकाबले चीन पीछे रह सकता है। वहीं, ब्रिटेन की बात करें तो उसकी मुश्किलें आने वाले समय में और बढ़ सकती है। हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ ने बताया है कि भारत इस साल सालाना आधार पर डॉलर के मामले में ब्रिटेन से आगे निकल गया है।

एक ऐलान और शेयर खरीदने के लिए निवेशकों में लग गई होड़

नई दिल्ली। बीते गुरुवार की भारी बिकवाली के बाद शुक्रवार को शेयर बाजार में मामूली तेजी देखने को मिली। इस बीच, शुक्रवार के कारोबार में कुछ स्टॉक्स का परफॉर्मेंस जबरदस्त देखने को मिला है। ऐसा ही एक स्टॉक- Tanla Platforms है। कारोबार के दौरान Tanla Platforms का स्टॉक करीब 5 फीसदी की बढ़त के साथ 754 रुपये के स्तर को छु लिया। दरअसल, Tanla Platformsके शेयर बायबैक के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए उसके बोर्ड की बैठक होने वाली है। यह बैठक 8 सितंबर, 2022 को होगी। कंपनी ने कहा कि बैठक में अन्य मामलों सहित कंपनी के इक्विटी शेयरों की बायबैक के प्रस्ताव पर विचार किया जाएगा। आपको बता दें कि बायबैक के जरिए कंपनी अपने मौजूदा शेयरधारकों से शेयरों की खरीदारी करती है। यह शेयरधारकों को पैसा लौटाने का एक वैकल्पिक कर-कुशल तरीका हो सकता है। शेयर बायबैक से प्रचलन में शेयरों की संख्या कम हो जाती है, जिससे शेयर मूल्य और प्रति शेयर आय (ईपीएस) बढ़ सकती है।

शार्ट न्यूज

वीनस-सेरेना की जोड़ी यूएस ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क। सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स की महिला युगल जोड़ी यूएस ओपन 2022 के पहले दौर में चेक गणराज्य की लूसी हेराडेका और लिंडा नोस्कोवा से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयीं। यह संभवत: एक जोड़ी के रूप में विलियम्स बहनों का आखिरी ग्रैंड स्लैम आयोजन था, जहां उन्हें पहले मैच में ही सीधे सेटों में 7-6(5), 6-4 से हार मिली। सेरेना-वीनस ने अपने करियर के 14 प्रमुख युगल खिताबों में से पहला 1999 में रोलां गैरो और यूएस ओपन में जीता था। अमेरिकी जोड़ी ने 2009 में भी न्यूयॉर्क का खिताब जीता और अब अपने नौवें टूर्नामेंट के बाद अमेरिकी ओपन में उनका रिकॉर्ड 25-7 का है। मैच के बाद, नोस्कोवा और हेराडेका ने अपने शानदार विरोधियों की खूब प्रशंसा की। 17 वर्षीय नोस्कोवा ने कहा, विलियम्स बहनों के खिलाफ खेलना हर किसी के लिए, किसी भी समय एक विशेष क्षण होता है। मैं वास्तव में भाग्यशाली थी कि मैं अपनी युगल साथी के साथ खेल सकी और हम जीत दर्ज कर सके। हेराडेका ने कहा,हम पहली बार (एक दूसरे के साथ) खेले। मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छा काम किया।

करीबी मुकाबले में हारकर जापान ओपन से बाहर हुए प्रणय

ओसाका। भारत के स्टार शटलर एचएस प्रणय ने जापान ओपन 2022 के पुरुष एकल क्वार्टरफाइनल में शुक्रवार को विश्व चैंपियनशिप ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट, चीनी तापेई के चोऊ तिएन चेन के हाथों हार का सामना किया। तिएन चेन ने प्रणय को एक घंटा 20 मिनट चले करीबी मुकाबले में 21-17, 15-21, 22-20 से हराया। प्रणय की हार के साथ इस सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय अभियान की भी समाप्ति हो गयी है। प्रणय ने पहले गेम में हारने के बाद शानदार वापसी की और आखिरी पॉइंट तक लड़ते रहे। 30 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने जी-जान लगाकर तीन मैच पॉइंट बचाये, लेकिन अंत में तिएन चेन के धीरज ने उन्हें जीत दिलायी। प्रणय पिछले दो मुकाबलों में तिएन चेन के खिलाफ जीत दर्ज करते हुए इस मैच में आये थे और शुरुआती गेम में 12-8 से आगे थे। इसके बाद तिएन चेन ने पासा पलटते हुए 15-14 बढ़त हासिल की, और फिर नेट पर प्रणय की दो गलतियों की बदौलत इसे जीत में बदला। दूसरे गेम में भी प्रणय 6-10 से पिछड़े हुए थे, मगर ब्रेक के बाद उन्होंने शानदार डिफेंस दिखाया। प्रणय के 19-14 से आगे निकलने के बाद तिएन चेन ने एक स्मैश से अपने भारतीय प्रतिद्वंदी पर दबाव बनाना चाहा, लेकिन प्रणय ने संयम दिखाते हुए मैच को निर्णायक गेम में पहुंचाया।

तीसरे दौर में पहुंचे चोटिल नडाल

न्यूयॉर्क। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता राफ़ेल नडाल ने चौथे सेट में हुई दुर्घटना के बावजूद इटली के फैबियो फोगनिनी को हराकर यूएस ओपन 2022 के तीसरे दौर में प्रवेश किया। नडाल ने गुरुवार को खेले गये दूसरे दौर के मुकाबले में फोगनिनी को 2-6, 6-4, 6-2, 6-1 से मात दी। मैच में 2-1 की बढ़त हासिल कर चुके नडाल चौथे सेट में तीन पॉइंट से आगे चल रहे थे, जब उन्होंने एक बैकहैंड शॉट खेला और रैकेट ज़मीन से टकराकर उनकी नाक से आ लगा। रैकेट लगने के कारण नडाल की नाक से खून बहना शुरू हो गया और वह अपनी कुर्सी के पास जाकर कोर्ट पर लेट गये। नडाल ने मैच के बाद चोट के बारे में कहा, शुरुआत में मुझे लगा कि मेरी नाक टूट गयी है क्योंकि झटका ज़ोर से लगा था। यह बहुत दर्दनाक था। मैं कुछ देर तक अपने सिर को महसूस नहीं कर पा रहा था। शायद नाक टूटी नहीं है, अभी कुछ कह नहीं सकते। मुझे लगता है कि यह सूजती जा रही है। नडाल ने अपनी नाक पर एक फिजियो से टेप लगवाने के बाद कोर्ट पर वापसी की और आर्थर ऐश स्टेडियम में मैच को 2-6, 6-4, 6-2, 6-1 से समाप्त किया।

भूटिया को हराकर कल्याण चौबे बने एआईएफएफ के अध्यक्ष

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व गोलकीपर और पश्चिम बंगाल से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता कल्याण चौबे शुक्रवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के चुनाव में दिग्गज फुटबॉल खिलाडी बाइचुंग भूटिया को हराकर एआईएफएफ अध्यक्ष बन गए। एआईएफएफ के चुनावों के लिये मतदान आज नयी दिल्ली में हुआ। जहां चौबे ने भूटिया को 33-1 के बड़े अंतर से मात दी। एआईएफएफ के 85 साल के इतिहास में चौबे पहले ऐसे व्यक्ति हैं जो खिलाड़ी के बाद अध्यक्ष बने हैं।

जुबा संघ और सिटी की जीत

नयी दिल्ली। रॉयल रेंजर्स और रेंजर्स क्लब ने शुक्रवार को नेहरू स्टेडियम में प्रीमियर फुटबाल लीग के एक संघर्षपूर्ण मुकाबले में 2-2 से ड्रॉ खेलकर अंक बांट लिए। रॉयल रेंजर्स के गोल डेली ने जमाए जबकि रेंजर्स क्लब के दोनों गोल अमित ने किए। दिन के दूसरे मैच में, गढ़वाल हीरोज ने फ्रेंड्स यूनाइटेड को कड़े संघर्ष के बाद 1-1 की बराबरी पर रोक लिया। फ्रेंड्स यूनाइटेड का गोल संडे ने किया जबकि गढ़वाल के लिए बराबरी का गोल निर्मल ने जमाया। इसी बीच, जानकी देवी महाविद्यालय में खेले जा रहे लीग आयोजन में सिटी क्लब ने रॉयल एफसी को 2-1 से परास्त किया। सिटी क्लब के लिए पापिया मंडी और पापिया ढोले ने गोल किए जबकि रॉयल एफसी का गोल रेखा ने बनाया। एक अन्य मैच में जुबा संघ ने अशोका एफसी को 16-0 से रौंद डाला। जुबा संघ के लिए देबलीना और सर्मिष्ठा सरकार के पांच-पांच गोल आकर्षण का केंद्र रहे। अमित सांता ने भी टीम के लिये चार गोल जमाए।

उप्र से 400 से अधिक खिलाड़ी-अधिकारी करेंगे राष्ट्रीय खेलों में शिरकत

लखनऊ। गुजरात में 29 सितंबर से 12 अक्टूबर तक होने वाले 36वें राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिये उत्तर प्रदेश से 400 से अधिक खिलाड़ियों और अधिकारियों का दल जायेगा। राष्ट्रीय खेलों के दौरान खिलाड़ियों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए उत्तर प्रदेश स्टेट राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्याम सिंह यादव (सांसद) को मुख्य दलनायक (चीफ डि मिशन) नियुक्त किया गया है। यूपी ओलंपिक संघ के महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय और श्याम सिंह यादव ने पत्रकारों को बताया कि राष्ट्रीय खेलों के लिए अब तक उत्तर प्रदेश की चयनित टीमों में 23 खेलों में 327 खिलाड़ियों और 91 अधिकारियों का प्रवेश हो चुका है। इसके अलावा कुछ अन्य खेलों में टीमों के चयन के लिए ट्रायल चल रहे हैं जिनकी सूची जल्द मिल जाएगी।राष्ट्रीय खेलों में टीमों की प्रविष्टि भेजने के लिए अंतिम तिथि 10 सितंबर है। इसके बाद चयनित टीमों के लिए उत्तर प्रदेश खेल निदेशालय के सहयोग से प्रशिक्षण शिविरों का संचालन किया जाएगा। राष्ट्रीय खेलों के लिए टेबल टेनिस की स्पर्धाएं 20 से 24 सितंबर तक होंगी क्योंकि अक्टूबर के पहले सप्ताह में होने वाली विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारत की टेबल टेनिस टीम भाग लेगी। इन खेलों के लिए उत्तर प्रदेश से सबसे पहले रवाना होने वाली टीम टेबल टेनिस की होगी।

बुमराह होंगे परफॉर्मैक्स एक्टिववियर के ब्रांड एम्बेसडर

नयी दिल्ली। रिलायंस रिटेल के फैशन और लाइफस्टाइल पोर्टफोलियो के खेल ब्रांड परफॉर्मैक्स एक्टिववियर ने भारतीय क्रिकेटर और दुनिया के शीर्ष तेज गेंदबाजों मे से एक, जसप्रीत बुमराह को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया है। रिलायंस रिटेल फैशन एवं लाइफस्टाइल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अखिलेश प्रसाद ने इसकी घोषणा करते हुए कहा, हमें जसप्रीत बुमराह के साथ अपने जुड़ाव की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। जसप्रीत वर्षों से भारत की तेज गेंदबाजी का नेतृत्व कर रहे हैं और बेहद उम्दा खिलाड़ी हैं। हम परफॉर्मैक्स को अंतरराष्ट्रीय ख्याति के पहले भारतीय खेल ब्रांड के रूप में स्थापित करने की इच्छा रखते हैं। बुमराह का परफॉर्मैक्स से जुड़ना उस दिशा में पहला कदम है।

भारतीय फुटबॉल को साथ मिलकर आगे ले जाएंगे: चौबे

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के नवनिर्वाचित अध्यक्ष कल्याण चौबे ने शुक्रवार को कहा कि वह भारतीय फुटबाल को एक साथ आगे ले जाने के लिए सभी हितधारकों के संग जुड़ेंगे।

पूर्व गोलकीपर चौबे ने एआईएफएफ चुनाव में भारत के पूर्व कप्तान बाइचुंग भूटिया को हराकर शीर्ष पद हासिल करने के बाद यह बात कही।

उन्होंने कहा, शुरुआत में, हम एक अल्पकालिक योजना पर काम करेंगे, और फिर इस महीने के अंत में कोलकाता में मिलेंगे। हमने पिछले 19 महीनों से सुप्रीम कोर्ट में एक साथ लड़ाई लड़ी है, और इस मुकाम तक पहुंचने में सभी का काफी समय, प्रयास और संसाधन लगे हैं।

चौबे ने कहा, मैं भारतीय फुटबॉल की विभिन्न वर्तमान चुनौतियों पर काम करने के लिए, और संबंधित राज्यों के सपनों को साकार करने के लिए सभी प्रतिष्ठित फुटबॉलरों को शामिल करना चाहता हूं। 100 दिनों के बाद, हम भारतीय फुटबॉल के लिए रोडमैप का अनावरण करने और अगला कदम उठाने की योजना बना

रहे हैं।

चौबे ने कहा कि अध्यक्ष चुने जाने के बाद उन्हें फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो का फोन आया था।

चौबे ने कहा, मुझे फीफा अध्यक्ष का फोन आया। वह इस साल के अंत में मुझसे ज्यूरिख या दोहा में मिलना चाहते थे। मैंने उन्हें अगले कुछ दिनों के महत्व के बारे में बताया। हमारे पास अगले महीने फीफा अंडर17 महिला विश्व कप भारत 2022 है। मैंने उनसे कहा कि हमें आपस में चर्चा करने की आवश्यकता है कि हम चीजों को कैसे आगे लेकर चलेंगे। इसके बाद हम अपनी योजनाओं को विस्तार से उनके सामने पेश करेंगे।

उन्होंने कहा, फीफा अध्यक्ष ने मुझे यह भी बताया कि वह भारतीय फुटबॉल में हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की रुचि और खेल के प्रति उनके समर्थन से प्रभावित थे।

चौबे ने बताया कि वह जमीनी स्तर पर अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए विभिन्न स्कूलों तक पहुंचने की योजना बना रहे हैं, जिसके लिये वह युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर, धर्मेंद्र प्रधान और मानव संसाधन विकास मंत्रालय के साथ भी विस्तृत चर्चा करेंगे।

एआईएफएफ अध्यक्ष ने चुनाव में अपने प्रतिद्वंद्वी और भारत के पूर्व फुटबॉल दिग्गज बाइचुंग भूटिया के बारे में कहा कि भारतीय फुटबॉल को आगे ले जाने के प्रयासों में उनके विचारों का स्वागत है।

चौबे ने कहा, भारतीय फुटबॉल में बाइचुंग के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। मैं निश्चित रूप से उनके विचारों का स्वागत करूंगा और सभी के विचारों को ध्यान में रखूंगा। चौबे को जहां एआईएफएफ का अध्यक्ष चुना गया था, वहीं एनए हारिस और किपा अजय को क्रमश: उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष चुना गया था। साथ ही कार्यकारी समिति के 20 सदस्यों (राज्य संघों से 14 और छह पूर्व-प्रतिष्ठित खिलाड़ी) को भी नियुक्त किया गया था।

फुटबॉल के लिये काम करता रहूंगा: भूटिया

गंगटोक। अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष पद के चुनाव में अपनी हार स्वीकार करते हुए पूर्व भारतीय फुटबाल कप्तान बाइचुंग भूटिया ने शुक्रवार को फुटबाल की बेहतरी के लिए काम करते रहने का संकल्प लिया।

भूटिया ने देश में फुटबॉल के शासी निकाय के शीर्ष पद के लिए कल्याण चौबे से हारने के बाद कहा, मैं अपनी हार को विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं। मैं दो दशकों से अधिक समय से फुटबॉल का सेवक रहा हूं और (उसी भावना से) आगे भी रहूंगा। मतगणना में पूर्व गोलकीपर चौबे से 33-1 से हारने वाले भूटिया ने उन्हें वोट करने वाले एकमात्र संघ को धन्यवाद दिया।

भूटिया ने कहा, मैं समझता हूं कि मेरे अनुयायी और शुभचिंतक परेशान हैं। मैं सभी का बहुत आभारी हूं। मैं सिक्किम और राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल को साफ करने का प्रयास कर रहा हूं। मैं फुटबॉल की बेहतरी के लिए काम करता रहूंगा।

इस बीच, भाजपा की सिक्किम इकाई के प्रवक्ता राजू गिरी ने 'कुछ राजनीतिक दलों' की आलोचना की जिन्होंने दावा किया था कि उनकी पार्टी ने भूटिया पर चुनाव से हटने के लिए राजनीतिक दबाव डाला था।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने भूटिया को फोन करके चुनाव से हटने के लिये नहीं कहा था, और यह दावा 'निराधार' है।

उन्होंने सवाल किया, 35 संघ विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। वे एक ही पार्टी द्वारा शासित नहीं हैं। उदाहरण के लिए, पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस का शासन है। तो ऐसी चीजें कैसे संभव हो सकती हैं?

वीनस-सेरेना की जोड़ी यूएस ओपन से बाहर

न्यूयॉर्क। सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स की महिला युगल जोड़ी यूएस ओपन 2022 के पहले दौर में चेक गणराज्य की लूसी हेराडेका और लिंडा नोस्कोवा से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयीं।

यह संभवत: एक जोड़ी के रूप में विलियम्स बहनों का आखिरी ग्रैंड स्लैम आयोजन था, जहां उन्हें पहले मैच में ही सीधे सेटों में 7-6(5), 6-4 से हार मिली। सेरेना-वीनस ने अपने

करियर के 14 प्रमुख युगल खिताबों में से पहला 1999 में रोलां गैरो और यूएस ओपन में जीता था। अमेरिकी जोड़ी ने 2009 में भी न्यूयॉर्क का खिताब जीता और अब अपने नौवें टूर्नामेंट के बाद अमेरिकी ओपन में उनका रिकॉर्ड 25-7 का है।

मैच के बाद, नोस्कोवा और हेराडेका ने अपने शानदार विरोधियों की खूब प्रशंसा की। 17 वर्षीय नोस्कोवा ने कहा, विलियम्स बहनों के खिलाफ खेलना हर किसी के लिए, किसी भी समय एक विशेष क्षण होता है। मैं वास्तव में भाग्यशाली थी कि मैं अपनी युगल साथी के साथ खेल सकी और हम जीत दर्ज कर सके।

हेराडेका ने कहा, हम पहली बार (एक दूसरे के साथ) खेले। मुझे लगता है कि हमने बहुत अच्छा काम किया।

उन्होंने ऐश आर्थर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों से कहा, मुझे आपके लिए बहुत खेद है कि हमने उन्हें हराया, लेकिन हम बहुत खुश हैं कि हम जीत सके।

सुपर-4 के पहले मैच में सामने होंगे अफगानिस्तान, श्रीलंका

शारजाह। श्रीलंका ने एशिया कप 2022 में गुरुवार को खेले गये मैच में बंगलादेश को मात देकर सुपर-4 में कदम रखा है, जहां उसका सामना अफगानिस्तान से होगा।

अफगानिस्तान ने एशिया कप के पहले मैच में एकतरफा रूप से श्रीलंका को आठ विकेट से हरा दिया था, लेकिन इस बार श्रीलंका बेहतर आत्मविश्वास के साथ मैदान में उतरेगी।

इसका मुख्य कारण यह है कि श्रीलंका ने बंगलादेश के खिलाफ दो विकेट की जीत के जरिए यह साबित किया है कि उसकी बल्लेबाजी में गहरायी है, और वह शुरुआती झटके खाने के बाद भी उभर सकती है और मैच जीत सकती है।

अफगानिस्तान ने जहां श्रीलंका को मात्र 105 रन पर ऑलआउट कर दिया था, वहीं बंगलादेश ने भी 77 रन पर उनके चार विकेट गिरा दिये थे, लेकिन बंगलादेश के खिलाफ श्रीलंका के निचले क्रम ने सराहनीय प्रदर्शन किया और टीम को 184 रन के लक्ष्य तक पहुंचाया।

दूसरी ओर, अफगानिस्तान इस बार एशिया कप जीतने की मज़बूत दावेदार है और वह श्रीलंका के खिलाफ एक बार फिर व्यापक जीत दर्ज करना चाहेगी। अपने पिछले दो मैचों में विरोधी टीम को क्रमश: 105 रन और 127 रन पर रोकने वाली अफगानिस्तान की सबसे बड़ी मजबूती स्पिन गेंदबाजी है। राशिद खान और मुजीब-उर-रहमान की जोड़ी अब तक एशिया कप 2022 में आठ विकेट ले चुकी है, और अगर श्रीलंका यह मैच जीतना चाहती है तो उसे इन दोनों गेंदबाजों के सामने सूझ-बूझ से बल्लेबाजी करनी होगी।

गोर्बाचेव के अंतिम संस्कार में भी नहीं जाएंगे पुतिन, राजकीय सम्मान भी नहीं; मानते हैं सोवियत विघटन का विलेन

मॉस्को। सोवियत संघ के आखिरी राष्ट्रपति रहे मिखाइल गोर्बाचेव के अंतिम संस्कार में व्लादिमीर पुतिन शामिल नहीं होंगे। कहा जा रहा है कि व्लादिमीर पुतिन ने इसलिए उनकी अंत्येष्टि में नहीं जाने का फैसला लिया क्योंकि मिखाइल गोर्बाचेव को वह सोवियत संघ के विघटन को न रोक पाने का जिम्मेदार मानते हैं। मिखाइल गोर्बाचेव को पश्चिम के देश शीत युद्ध की समाप्ति कराने और पूर्वी यूरोप का देश बने सोवियत संघ के एक हिस्से को आजादी देने का श्रेय देते हैं। हालांकि रूस में एक बड़ा वर्ग उनकी नीति को गलत मानता रहा है और सोवियत संघ के विघटन के लिए उन्हें दोषी करार दिया जाता रहा है। शनिवार को गोर्बाचेव का मॉस्को के हॉल ऑफ कॉलम्स में अंतिम संस्कार होना है।

इसी हॉल ऑफ कॉलम्स में सोवियत संघ के लेनिन, स्टालिन और लियोनिड ब्रेजनेव जैसे कई दिग्गज नेताओं का अंतिम संस्कार हो चुका है। इन सभी नेताओं को राजकीय सम्मान के साथ

अंतिम विदाई दी गई थी, लेकिन मिखाइल गोर्बाचेव के साथ ऐसा नहीं होगा। उन्हें मिलिट्री गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा, लेकिन राजकीय सम्मान नहीं मिल पाएगा। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्रि पेसकोव ने कहा, दुर्भाग्य की बात है कि राष्ट्रपति का वर्क शेड्यूल उन्हें 3 सितंबर को गोर्बाचेव के अंतिम संस्कार में जाने की इजाजत नहीं देता। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से गोर्बाचेव के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की जाएगी।

व्लादिमीर पुतिन का यह रवैया 2007 के मुकाबले एकदम उलट है, जब उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बोरिस येल्तसिन की मौत पर राजकीय शोक का ऐलान किया था।

यही नहीं वह अंतिम संस्कार के दौरान शामिल भी हुए थे। गोर्बाचेव के बाद बोरिस येल्तसिन ने रूस की सत्ता संभाली थी और उन्होंने ही व्लादिमीर पुतिन को आगे बढ़ाया था। जो एक दौर में केजीबी के खुफिया अफसर थे। व्लादिमीर पुतिन लंबे समय से यह मानते रहे हैं कि सोवियत संघ का विघटन एक गलत घटना थी, जिसे खत्म किया जाना चाहिए। यही नहीं इसी साल फरवरी में रूस ने जब यूक्रेन पर हमला किया था, तब भी कहा गया था कि पुतिन की यह यूक्रेन को मिलाकर अखंड रूस बनाने की कोशिश है।

गोर्बाचेव की मौत के 15 घंटों के बाद आया था पुतिन का संदेश

बता दें कि 1991 में सोवियत संघ का विघटन हो गया था और इसके लिए रूस में मिखाइल गोर्बाचेव को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है। व्लादिमीर पुतिन ने रूस की सत्ता संभालने के 5 साल बाद वर्ष 2000 में सोवियत के विघटन को 20वीं सदी की सबसे दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया था। गोर्बाचेव के विचारों से व्लादिमीर पुतिन की कितनी असहमति रही है, इसे एक तथ्य से भी समझा जा सकता है कि उनकी मौत के 15 घंटों के बाद उन्होंने शोक संदेश जारी किया था।

राजपक्षे शनिवार को लौट सकते हैं श्रीलंका

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे शनिवार को स्वदेश लौट सकते हैं। वह जुलाई में आर्थिक संकट के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर भाग गए थे। एक मीडिया रिपोर्ट में शुक्रवार को यह जानकारी दी गयी। द आइलैंड अखबार ने बताया कि श्री राजपक्षे अभी थाईलैंड में हैं। पूर्व राष्ट्रपति जिनकी देखरेख में 2009 में तमिल टाइगर्स को समाप्त किया गया था। वह थाईलैंड जाने से पहले कुछ समय के लिए पहले मालदीव और फिर सिंगापुर रुके थे। राजपक्षे (73) श्रीलंका में अब तक के सबसे बड़े आर्थिक संकट के बीच उनकी सरकार के खिलाफ भड़के विद्रोह के बाद देश छोड़कर चले गए थे। उनके इस्तीफे की प्रदर्शनकारियों की मांग ने नौ जुलाई को उस समय जोर पकड़ लिया था, जब प्रदर्शनकारी कोलंबो में राष्ट्रपति के आवास और राजधानी में अन्य सरकारी इमारतों में घुस आए थे।

अफगानिस्तान में फिर बहा निर्दोषों का खून, मस्जिद में विस्फोट से प्रमुख मौलवी समेत 18 की मौत

काबुल। अफगानिस्तान में एक बार फिर से मस्जिद में हुए बम विस्फोट से कई लोग मारे गए हैं। एक अफगान चिकित्सक ने बताया कि पश्चिमी शहर हेरात में एक भीड़भाड़ वाली मस्जिद में हुए विस्फोट में कम से कम 18 लोग मारे गए और 21 घायल हो गए। हेरात एम्बुलेंस केंद्र के एक अधिकारी मोहम्मद दाऊद मोहम्मदी ने कहा कि एम्बुलेंस ने शुक्रवार को शहर के अस्पतालों में 18 मृतकों और 21 घायलों को अस्पताल पहुंचाया था।

उत्तरी अफगानिस्तान के हेरात शहर में शुक्रवार को एक मस्जिद में धमाका हुआ, जिसमें एक प्रमुख मौलवी समेत कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई जबकि 21 अन्य घायल हो गए। तालिबान के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हेरात शहर की गुजारगाह मस्जिद में शुक्रवार दोपहर की नमाज के समय यह

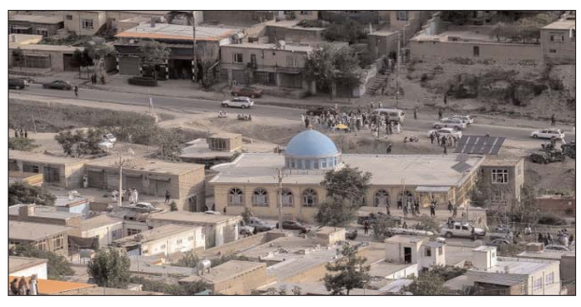

विस्फोट हुआ। गौरतलब है कि जुमे की नमाज के दौरान आमतौर पर अधिक भीड़ होती है। इस विस्फोट में मुजीब-उल रहमान अंसारी की भी मौत हो गई, जो एक प्रमुख मौलवी थे। पिछले दो दशकों में अफगानिस्तान की पश्चिम-समर्थित सरकारों की आलोचना के लिए अंसारी को पूरे अफगानिस्तान में पहचाना जाता था। अंसारी को तालिबान का करीबी समझा जाता है, जिसने विदेशी बलों के वापस जाने के बाद पिछले साल देश की सत्ता पर नियंत्रण हासिल किया था। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने धमाके में अंसारी की मौत की पुष्टि की है। वहीं एक हेरात एंबुलेंस सेंटर के एक अधिकारी मोहम्मद दाउद मोहम्मदी ने कहा कि एंबुलेंस से 18 मृत और 21 घायलों को अस्पताल लाया गया है। शुक्रवार के इस धमाके की अब तक किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

दुनिया में कोरोना के मामले 60 करोड़ के पार

जेनेवा। दुनिया भर में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के मामलों की संख्या 60 करोड़ के पार पहुंच गयी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। डब्लूएचओ ने गुरूवार को जारी अपने नवीनतम आंकड़ों में बताया कि वैश्विक रूप से कोविड-19 के पुष्ट मामलों की संख्या 60 करोड़ पांच लाख 55 हजार 262 तक पहुंच गयी है और इस जानलेवा वायरस के संक्रमण से अब तक 64,72,914 लोग जान गंवा चुके हैं। अमेरिका में इस महामारी से नौ करोड़ 32 लाख 10 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके है और 10 लाख 30 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका दोनों मामलों में पहले स्थान पर है। डब्लूएचओ के महासचिव टैड्रोस ऐडरेनॉम गैबरेयेसस ने पिछले सप्ताह कहा हालांकि कोविड-19 के नये मामलों और मौतों की साप्ताहिक संख्या में लगातार गिरावट आ रही है, लेकिन दुनिया में इस साल अभी तक मृतकों का आंकड़ा 10 लाख पार पहुंच गया है।

लंदन में ठगों के गिरोह ने की युवती की पिटाई

लंदन। लंदन की एक सड़क पर शातिर ठगों के गिरोह द्वारा एक असहाय युवती की पिटाई किये जाने का मामला सामने आया है। द संडे की शुक्रवार को जारी वीडियो फुटेज में दिखाया गया कि दक्षिणी लंदन में 10 लोगों का गिरोह एक 19 वर्षीय युवती को पिटाई कर रही है और युवती खुद को बचाने की कोशिश करती नजर आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार घटना एक सप्ताह पहले इस घटना में युवती को 10 लोगों के गिरोह ने पिटाई की । गिरोह में कुछ महिलाएं भी थी। पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची, तब तक गिरोह के सभी सदस्य फरार हो चुके थे। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के अधिकारी ने बताया कि युवती को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत अभी ठीक है।

उत्तर कोरिया के परमाणु परीक्षण करने पर दक्षिण कोरिया, अमेरिका, जापान उठाएंगे सख्त कदम

होनोलूलू। दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका में उत्तर कोरिया के नए परमाणु परीक्षण को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने पर सहमति बन गयी है। दक्षिण कोरियो के शीर्ष सुरक्षा सलाहकार किंग सुंग-हान ने यह जानकारी दी। श्री हान ने कहा कि इस बार उत्तर कोरिया के खिलाफ तीनों देशों की प्रतिक्रिया अतीत की प्रतिक्रिया से भिन्न होगी। दक्षिण कोरिया की योनहाप समाचार एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। श्री हान ने गुरुवार को अमेरिका और जापान के अपने समकक्षों जेक सुलिवन और ताकेओ अकिबा के साथ होनोलूलू में त्रिपक्षीय बैठक के बाद यह बातें कहीं। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमारे बीच इस बात को लेकर सहमति बनी हे कि हमें ऐसी सरल सोच या प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए। उत्तर कोरिया ने छह परमाणु परीक्षण किए हैं और यह (एक नया परीक्षण) केवल एक और परमाणु परीक्षण होगा। उन्होंने कहा कि यदि उत्तर कोरिया अपना सातवां परमाणु परीक्षण करता है, तो हमारी प्रतिक्रिया निश्चित रूप से अब तक की प्रतिक्रिया से बिल्कुल अलग होगी।

ऑस्ट्रेलिया श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए बढाएगा स्थायी प्रवास की सीमा

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया बड़े पैमाने पर श्रमिकों की कमी को दूर करने के लिए एक दशक में पहली बार स्थायी प्रवास पर अपनी सीमा बढ़ाने जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया इस वित्तीय वर्ष में 1,95,000 लोगों को स्थायी वीजा देगा, जो निर्धारित सीमा से 35,000 अधिक है। सरकारी अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया की सख्त सीमा नीतियों और कोरोना महामारी के कारण कई क्षेत्रों में कर्मचारियों की भारी कमी है। बीबीसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि ऑस्ट्रेलिया में 4,80,000 से अधिक रिक्तियां हैं और लगभग 50 साल के निचले स्तर पर बेरोजगारी है और नियोक्ता कर्मचारियों की कमी को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। यहां पर आतिथ्य, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और कुशल व्यापार उद्योग विशेष रूप से श्रमिकों की कमी से जूझ रहे हैं। श्रमिकों की कमी ने हवाई अड्डों को अराजकता में डाल दिया है। फल पेड़ों पर सड़ रहे हैं और अस्पतालों पर अत्यधिक दबाव बढ़ गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

टिकाऊ खेती में
खरपतवार नियंत्रण का महत्व

देश की बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ खाद्यान्नों की मांग को पूरा करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। गेहूं एवं धान खाद्यान्न की ऐसी फसलें हैं, जिनमें गरीबी और भुखमरी की समस्या से लड़ने की अद्भुत क्षमता है। धान, गेहूं, जौ, मक्का, ज्वार, बाजरा हमारे देश की खरीफ की प्रमुख खाद्यान्न फसल हैं। अधिक पैदावार देने वाली खाद एवं सिंचाई का अधिक उपयोग करने में एवं उन्नत किस्मों के प्रचलन से लगभग पिछले 2 दशकों में अनाज वाली फसलों एवं दलहन एवं तिलहन की पैदावार में व्यापक वृद्धि हुई है। फिर भी इसकी औसत पैदावार इसकी क्षमता से काफी कम है। उत्पादन क्षमता में वृद्धि के लिये सुधरी खेती की सभी प्रायोगिक विधियों को अपनाना आवश्यक है और जब तक हम उन वैज्ञानिक तरीकों को नहीं अपनाते है, उपज में आपेक्षित वृद्धि संभव नहीं है।

देश की तेज गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के भरण-पोषण के लिये प्रति इकाई क्षेत्र समय एवं साधन से अधिक से अधिक उत्पादन करना नितांत आवश्यक है। इसके लिये सघन कृषि प्रणाली अपनाने के साथ-साथ उत्तम किस्म का चुनाव, सही समय पर बुवाई, संतुलित मात्रा में पोषक तत्व देना, उचित समय पर सिंचाई करना, फसल को कीड़ों, बीमारियों एवं खरपतवारों से बचा कर रखना बहुत जरूरी है जिससे न केवल फसल की पैदावार बढ़ेगी, वरन उत्पादन कारकों की क्षमता भी बढ़ेगी तथा किसान की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

खरपतवारों से हानियां

- खरपतवार जो उपलब्ध पोषक तत्वों, नमी, प्रकाश एवं स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं तथा फलस्वरूप फसल की पैदावार एवं गुणवत्ता में भारी कमी ला देते हैं।
- खरपतवार फसल में लगने वाले रोगों के जीवाणुओं एवं कीट-व्याधियों को भी आश्रय देते हैं।
- एक अनुमान के अनुसार खरपतवार विभिन्न फसलों की पैदावार में 33 प्रतिशत तक की कमी करने की क्षमता का ध्यान में रखकर कहा जा सकता है कि वर्तमान की संभावित उत्पादन स्तर में ही खाद्यान्न की 103 मिलियन टन, दलहन की 15 मिलियन टन एवं तिलहन की 10 मिलियन टन की कमी हो रही हैं।

प्रमुख खरपतवार

इन फसलों में प्रभावी खरपतवार नियंत्रण के लिये उसमें उगने वाले खरपतवारों की जानकारी होना अति आवश्यक है। खरीफ एवं रबी फसलों में उगने वाले खरपतवारों को मुख्यतः तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है।

खरपतवारों की रोकथाम कैसे करें

फसलों में खरपतवारों की रोकथाम निम्न तरीकों से की जा सकती है।

- स्टेल सीड बेड (बुवाई के पहले खरपतवारों को नष्ट करना) फसलों की बुवाई से पहले खाली खेत की हल्की सिंचाई करने से अधिकांश खरपतवार ऊग आते हैं। जब ये 2-3 पत्ती के हो जाएं तो उन्हें शाकनाशी (ग्लायफोसेट अथवा पैराक्वाट का 0.50 प्रतिशत घोल) द्वारा अथवा यांत्रिक विधि से जुताई करके नष्ट किया जा सकता है जिसे मुख्य फसल में खरपतवारों की संख्या में काफी कमी आ जाती है।

शुद्ध एवं साफ बीज का प्रयोग - बुवाई के समय खरपतवार रहित एवं प्रमाणित बीज का प्रयोग करके खरपतवारों की संख्या पर काबू पाया जा सकता है। कुछ फसल के बीजों को बुवाई के पहले छन्ने से साफ करने पर खरपतवारों के बीज आकार में छोटे होने के कारण नीचे गिर जाते हैं। जैसे गेहूं में गेहूं के मामा का बीज।

किस्मों का चुनाव एवं बुवाई विधि

जहां पर खरपतवार की रोकथाम के साधनों में कमी हो वहां पर फसल की ऐसी प्रजातियों का चुनाव करना चाहिए जिनकी प्रारंभिक बढ़वार खरपतवार की तुलना में अधिक हो। ऐसी प्रजातियों खरपतवारों से प्रतिस्पर्धा करके उन्हें नीचे दबा देती हैं। छिटकवां विधि के बजाय कतारों में बुवाई करने से खरपतवारों की संख्या में कमी पायी जाती है। तथा साथ ही साथ उनके नियंत्रण में भी आसानी रहती है।

जीरोटिलेज एवं फर्ब्स - धान-गेहूं फसल चक्र में धान की कटाई के तुरन्त बाद (बिना खेत की जुताई के) जीरो टिल मशीन से गेहूं की बुवाई करने पर 'फेलरिस माइनर' खरपतवार की संख्या में काफी कमी पाई गई है। इसके अतिरिक्त फर्ब्स मशीन द्वारा बनाई गई मेढ़ों पर गेहूं की बुवाई करने से भी फेलरिस माइनर की संख्या में काफी कमी आती है। ये विधियां हमारे देश के पंजाब, हरियाणा एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश में काफी लोकप्रिय है।

उचित फसल चक्र अपनाकर - एक ही फसल को लगातार एक ही खेत में बोने से खरपतवारों की संख्या काफी अधिक हो जाती है। तथा उसके नियंत्रण में काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अतः आवश्यक है कि एक फसल को बार-बार एक ही खेत में न बोया जाय तथा उचित फसल-चक्र अपनाया जाये। धान-गेहूं फसल चक्र में फेलरिस माइनर की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी पाई गई है। अतः इस फसल चक्र में गन्ना, बरसीम या आलू की खेती से इस खरपतवार में काफी कमी पाई गई है।

अन्तरवर्तीय फसलें उगाकर - कुछ फसलें जैसे मक्का जिनके कतारों के बीच की दूरी 60-90 सेंमी. तक होती है, खरपतवार आसानी से इन कतारों के बीच उगाकर फसल की पैदावार को कम कर देते हैं। इन कतारों के बीच यदि किसान भाई जल्दी बढ़ने वाली तथा कम समय की फसलें जैसे लोबिया, मूंग आदि को उगायें तो खरपतवारों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सकता है तथा साथ ही साथ अतिरिक्त पैदावार भी मिल सकती है।

यान्त्रिक विधि - खरपतवारों पर काबू पाने की यह सरल एवं प्रभावी विधि है। दलहनी एवं तिलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण के लिये खरपतवारनाशक दवाईयों के बजाय निकाई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है। इन फसलों में 30-35 दिन बाद एक बार निराई-गुड़ाई करके खरपतवारों पर प्रभावी ढंग से नियंत्रण पाया जा सकता है। कतारों में बोई गई फसलों में हो चलाकर भी खरपतवारों का नियंत्रण किया जा सकता है। परंतु यांत्रिक विधि से खरपतवार नियंत्रण में समय और मजदूर अधिक लगते हैं जिससे प्रति इकाई क्षेत्रफल में लागत अधिक आती है।

खरपतवारनाशी रसायनों का प्रयोग - समय को देखते हुए खरपतवारों का नियंत्रण शाकनाशी रसायनों द्वारा करने से जहां एक ओर खरपतवारों का उचित समय पर नियंत्रण हो जाता है वहीं दूसरी ओर लागत एवं समय की भी बचत होती है। लेकिन खरपतवारनाशकों का उपयोग करते समय यह ध्यान रखना होगा कि उसकी उचित सान्द्रता को उचित विधि द्वारा उपयुक्त समय पर प्रयोग करें ताकि इनसे समुचित लाभ प्राप्त हो सके।

ज्वार के प्रमुख रोग एवं प्रबंधन

अर्गट या गूंदिया रोग

रोग के लक्षण - दानों के बाहरी भाग पर गाढ़ा, रंगहीन अथवा हल्का गुलाबी चिपचिपा स्राव बूंदों के रूप में जमा होता है। बाजरा व इस्केमस घास इस रोगकारक के अन्य परपोषी हैं।

रोकथाम - खेत के आसपास अन्य परपोषी पौधों को हटा दें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देते ही कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम दवा 1 लीटर पानी घोलकर (0.2 प्रतिशत) छिड़काव करें।

कंडवा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार की फसल में चार विभिन्न प्रकार के कंडवा रोग लगते हैं। इनका पता भुट्टा आने पर ही चलता है। आवृत कंडवा में भुट्टा के सारे बीज प्रभावित होते हैं जो काले रंग के चूर्ण में बदल जाते हैं। अनावृत कंडवा में भी सारे बीज प्रभावित होकर गांठे बनती है- जिस पर हल्की सफेद रंग की परत होती है। दीर्घ कंडवा में भुट्टा के कुछ दाने संक्रमित होकर लम्बी बेलनाकार संरचनाएं बनती हैं। शीर्ष कंडवा में पूरा भुट्टा ही एक गांठ के रूप में बदल जाता है।

शीर्ष कंडवा

रोकथाम - खेत में रोगग्रस्त सिट्टे दिखाई देते ही कागज या कपड़े की थैली से इन्हें ढककर काट लें व जलाकर नष्ट कर दें। बीजों की बुवाई पूर्व थाइरम 4 ग्राम या कार्बोक्सिन 2 ग्राम/किलो बीज दर से उपचारित करें।

पत्ती धब्बा रोग

रोग के लक्षण - ज्वार पर ग्यारह प्रकार के विभिन्न पत्ती धब्बा रोगों का आक्रमण होता है। ये रोग देशी किस्मों पर व्यापकता से फैलते हैं। ये पर्ण अंगमारी, लाल धब्बा, जोनेट धब्बा, टारगेट धब्बा, कज्जलीधारी, भूरा धब्बा, खुरदरा धब्बा, डेऊक्सेलेरा पत्ती झुलसा प्रमुखता से है।

रोकथाम - ये रोग बीजोढ़ होते हैं साथ ही फसल अवशेषों में जीवित रहते हैं अतः रोगग्रस्त अवशेषों को इकट्ठा कर जला दें। रोगग्रस्त फसल के बीज बुआई के काम में न लें। रोगरोधी किस्में जैसे सीएसवी 10,15,17, सीएचएच 5,6,9,14 की बुवाई करें। चारे के लिए देशी किस्में बोयें। कार्बेन्डाजिम 2 ग्राम/ किलो बीज की दर से उपचारित करें। रोग के प्रारंभिक लक्षण दिखाई देने पर मैंकोजेब 0.2 प्रतिषत का छिड़काव करें।

चारकोल तना सड़न रोग

रोग के लक्षण - इस रोग से तने के निचले भाग अथवा जड़ों पर पहले हल्के रंग के बाद में काले रंग के धब्बे बनते हैं तथा उसमें सड़न प्रारंभ हो जाती है। बहुधा इस प्रकार के पौधे झुण्डों में होते है तथा सूखकर गिर जाते हैं, इससे उपज में बहुत अधिक हानि होती है।

रोकथाम - यह रबी की ज्वार में नमी कम होने पर अधिक होता है, अतः नमी का मृदा में संरक्षण करें। संतुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करें। प्रति हैक्टेयर पौधों की संख्या अधिक या बहुत कम नहीं होनी चाहिए। ऐसी किस्में जो दाना पकते समय हरी रहती हों बोनी चाहिए क्योंकि इनमें चारकोल तना सड़न नही आता है।

सरसों में व्याधि प्रबंध

रोग एवं कीट व्याधियों का प्रबंधन वैसे तो सरसों की फसल पर एक दर्जन से अधिक रोग व कीट हानि पहुंचाते हैं परंतु प्रमुख रोग एवं कीट के नियंत्रण से भरपूर पैदावार की जा सकती है।

पत्ती झुलसन रोग - यह सरसों के झुलसा रोग के नाम से भी जाना जाता है इस रोग के लक्षण पत्ती पर गहरे भूरे गोल-गोल धब्बों के रूप में आते हैं तथा उपज में कमी के साथ तेल की मात्रा भी कम करते हैं। बचाव हेतु मेन्कोजेब 45 नामक दवा 2.5 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से छिड़काव करें 2-3 छिड़काव 15 दिन के अंतराल से करें।

श्वेत किट्ट या सफेद फफोला (व्हाइट रस्ट) रोग- शीत ऋतु में जब तापमान कम एवं कोहरा होने पर यह रोग बहुत तेजी से फैलता है इसके लक्षण पत्ती की निचली सतह पर सफेद दही जैसे संरचनाओं जैसे आकार के होते हैं बाद में पुष्प वृन्त एवं फलियों पर भी लक्षण दिखाई देते हैं फली अनियमित आकार की टेड़ी-मेड़ी केंकड़ा जैसी आकृति की हो जाती है नियंत्रण हेतु रिडोमिल एम जेड 72 नामक दवा 2 ग्राम/लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें या 2.5 ग्राम मेन्कोजेब/लीटर पानी का छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर दो बार करें।

चूर्णिल आसिता (पाउड्री मिल्डयू) - यह रोग तापमान बढ़ने पर अधिक तेजी से फैलता है रोग पत्तियों, तने व फलियों पर सफेद चूर्ण (पाउडर) जैसे संरचनाओं के रूप में फैलता है। नियंत्रण हेतु घुलनशील गंधक या सल्फैक्स 2 किलोग्राम दवा 800 लीटर पानी में घोल बनाकर/हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना सड़न या पोलियो रोग - एक ही खेत में बार-बार सरसों की फसल बोने से यह रोग बढ़ता है। इसके धब्बे सबसे पहले तने के निचले हिस्से में गोल-गोल आकृति के रूप में आते हैं, बाद में ऊपर तक फैल जाते हैं पौधा कमजोर होकर एवं तना पोला होकर रोगग्रस्त स्थान से टूट जाता है।

नियंत्रण हेतु - फसल चक्र अपनाएं एवं रोगग्रस्त पौधों को एकत्रित कर नष्ट करें गहरी जुताई करें, सरसों घनी न बोएं। बीजोपचार कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम दवा/किलो बीज के हिसाब से करें, तथा 1 ग्राम /लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर बुवाई के 50 दिन, 65 दिन एवं 80 दिन की फसल पर छिड़काव करें, 2 प्रतिशत लहसुन का अर्क बीजोपचार एवं छिड़काव दोनों के लिए उपयुक्त एवं रोग को कम करता है।

कीट नियंत्रण

दगीला बग/बगराड़ा कीट (पेन्टेड वग)- राई सरसों की फसल को यह कीट दो बार नुकसान पहुंचाता है जब पौधे छोटे होते हैं तब और जब फली बनती है तब, कीट के शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही इसे चूसते हैं जिसकी पत्तियों और पौधों पर सफेद धब्बे स्पष्ट दिखाई देते हैं नियंत्रण हेतु पौधों के अवशेषों को नष्ट कर दें। मेड़ों को साफ रखें, फसल काटने के तुरन्त बाद गहरी जुताई करें जिससे प्रकोप कम होगा। डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 500 मि.मी. दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

माहू या चैंपा (एफिड) - इस कीट को लसा के नाम से भी जाना जाता है यह छोटे पंख एवं पंख रहित दोनों तरह के हरे, पीले रंग के होते हैं। कीट के शिशु एवं प्रौढ दोनों ही बढ़ने वाले भागों फूलों कलियों, फलियों आदि का झुण्डों में चिपककर रस चूसते हैं, पौधों की बढ़वार रुक जाती है। पैदावार एवं तेल की मात्रा पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है नियंत्रण हेतु समय पर बोनी करें, प्रकोप की प्रारंभिक अवस्था में कीट प्रभावित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर दें डायमिथियेट या मेटासिस्टाक्स 25 ई.सी. 1 लीटर मात्रा 500 लीटर पानी में घोल बनाकर 15 दिन के अंतर से दो छिड़काव करें। मधु-मक्खियों की सुरक्षा के लिये कीटनाशकों का प्रयोग दोपहर के बाद करें।